सोमवार
08 जून
वर्ष-1
अंक-26

रफ्तार मीडिया

RANCHI, चैत्र कृष्ण पक्ष-12

₹ 04

RNI No.-JHHIN/26/A3481

www.raftaarmedia.com

नीट पेपर लीक: बड़े परिवर्तन की तैयारी में एनटीए

नीट-पीजी 2026 पेपर लीक और सीबीएसई की मार्किंग गड़बड़ियों के बाद सरकार परीक्षा व्यवस्था में बड़े बदलाव की तैयारी कर रही

नई दिल्ली/एजेंसी

नीट-पीजी 2026 पेपर लीक और सीबीएसई की मार्किंग गड़बड़ियों के बाद सरकार परीक्षा व्यवस्था में बड़े बदलाव की तैयारी कर रही है। एनटीए ऐसा नया सिस्टम बनाने पर काम कर रही है, जिसमें सवाल तैयार करने वाले एक्पट्र्स को भी पता नहीं होगा कि वह किस एग्जाम के क्वेश्चन पेपर बना रहे हैं।

नई योजना के तहत अलग-अलग विषयों के एक्सपट्र्स केवल सवाल तैयार करेंगे। इन सवालों को एक बड़े डिजिटल बैंक में रखा जाएगा। अधिकारियों के मुताबिक इसमें करीब 10 हजार सवाल हो सकते हैं। बाद में टेक्नीक की मदद से इन सवालों से फाइनल एग्जाम पेपर तैयार होगा। वहीं, आइडिया एक्सचेंज कार्यक्रम में पहुंचे केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने कहा- पेपर लीक मामले में शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने नैतिक जिम्मेदारी ली है। मंत्री जिम्मेदारी से नहीं भाग रहे, बल्कि व्यवस्था सुधारने के लिए लगातार कदम उठा रहे हैं। एनटीए से जुड़े अधिकारी ने कहा कि हम चाहते हैं कि पूरे प्रश्नपत्र की जानकारी बहुत कम लोगों तक पहुंचे। सिस्टम को लोगों पर नहीं, प्रोसेस पर भरोसा करना चाहिए। पेपर लीक मामले में ट्रांसलेशन करने वालों की गिरफ्तारी के बाद एनटीए ट्रांसलेशन प्रोसेस में भी बदलाव करना चाहती है। एजेंसी पहले ही सुप्रीम कोर्ट को बता चुकी है कि वह करीब 85% ट्रांसलेशन का काम एआई से कराने की योजना बना रही है। इसके बाद एक्सपट्र्स सिर्फ यह जांचेंगे कि ट्रांसलेशन सही हुआ या नहीं। अधिकारियों का कहना है कि कोशिश यह भी रहेगी कि ट्रांसलेशन करने वालों को यह जानकारी न हो कि वे किस परीक्षा के सवाल देख रहे हैं।

वहीं, एनटीए इस समय 21 जून को होने वाले नीट-पीजी री-टेस्ट की

शिक्षा मंत्री सवालों से नहीं भाग रहे, गड़बड़ियां ठीक कर रहे: रिजिजू

नए सब्जेट एक्सपट्र्स को जोड़ा गया है। साथ ही पेपर छपने के बाद उसके ट्रांसपोर्ट और स्टोरेज सिस्टम को और सुरक्षित बनाने पर भी काम चल रहा है। रिजिजू ने कहा कि लाखों छात्रों को नीट दोबारा देने की नौबत आई और सीबीएसई की मार्किंग गड़बड़ियों से भी परेशानी हुई। ऐसे मामलों में सरकार की जिम्मेदारी समस्या को ठीक करना है, न कि उससे बचना। उन्होंने भरोसा जताया कि उठाए गए कदम भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने में मदद करेंगे। उन्होंने कहा कि किसी मंत्री या उसके स्टाफ पर सीधे भ्रष्टाचार, रिश्वत या गलत काम का आरोप हो तो इस्तीफे की मांग जायज होती है, लेकिन नीट पेपर लीक मामले में शिक्षा मंत्री पर ऐसा कोई सीधा आरोप नहीं है।

नीट 2026 री-एग्जाम से पहले सोशल मीडिया और मैसेजिंग ऐप्स पर पेपर लीक होने और सवाल पहले से मिलने के कई दावे किए जा रहे हैं।

नीट री-पेपर का पेपर लीक नहीं हुआ: एनटीए

एजेंसी का कहना है कि कुछ ठग गिरोह छात्रों और उनके परिवारों को गुमराह कर पैसे कमाने की कोशिश कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे कथित पेपर और लीक से जुड़े मैसेज पूरी तरह फर्जी हैं। एनटीए ने कहा कि परीक्षा की सुरक्षा के लिए सभी जरूरी इंतजाम किए गए हैं और परीक्षा निष्पक्ष तरीके से कराई जाएगी। एजेंसी ने छात्रों से अफवाहों पर भरोसा न करने और अपनी पढ़ाई पर ध्यान देने की अपील की है। साथ ही, ऐसे फर्जी मैसेज और पोस्ट फैलाने वाले अकाउंट्स व चैनलों की पहचान की जा रही है। एनटीए उनकी जानकारी सोशल मीडिया कंपनियों और साइबर क्राइम एजेंसियों को दे रही है, ताकि उन्हें हटाया जा सके। एजेंसी ने ऐसे मामलों में कानूनी कार्रवाई के लिए शिकायत भी दर्ज कराई है।

18 साल का सार्थक सीबीआई से तेज निकला: राहुल गांधी

नई दिल्ली

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने रविवार को सीबीएसई स्टूडेंट सार्थक सिद्धांत से मुलाकात का 8.15 मिनट का वीडियो अपने अकाउंट पर शेयर किया। दोनों की मुलाकात 2 जून को दिल्ली में हुई थी। 18 साल के सार्थक सिद्धांत ने उइरए की 12वीं क्लास के लिए ऑन-स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) प्रणाली और डरट का काम करने वाली कंपनी से जुड़ी टेंडर प्रोसेस में गड़बड़ी का खुलासा किया है। राहुल ने कहा, देश का 18 साल का युवा सीबीआई से तेज निकला, नौजवानों की ये जीत सही मायने में सरकार की हार है। झारखंड के रांची के रहने वाले सार्थक ने भी इस साल 12वीं के एग्जाम दिए थे। नंबर कम आने पर उन्होंने री-इवैल्यूएशन के लिए अपनी स्कैन की गई आंसरशीट मंगाई थीं। गलत नंबर कटने और दूसरी परेशानियों को सार्थक ने सोशल मीडिया पर शेयर था। सार्थक उइरए में सुधार के लिए संसद की स्थायी समिति के सामने 500 पेज की प्रेजेंटेशन भी दे चुके हैं।

'सिस्टम को ट्रांसपेरेंट बनाने के लिए काम करे'

राहुल: यह अच्छा है या बुरा, आप इस पर क्या सोचते हैं।

सार्थक: मैंने वही किया जो नागरिक को किसी भी चीज को लेकर करना चाहिए। ये हमारा देश है हर किसी में इतना सिविक सेंस जरूर होना चाहिए कि चीजों को पढ़कर सिस्टम को ट्रांसपेरेंट बनाने के लिए काम करे। चाहें कितनी भी गड़बड़ी हो, लेकिन सुधार के लिए काम करना चाहिए।

राहुल: जो हुआ, उसके बारे में आप क्या सोचते हैं

सार्थक: निसर्ग अधिकारी एथिकल हैकर है। उसने मुझे ग्रुप चैट पर पोर्टल की गड़बड़ी शेयर की। मैंने देखा तो पाया कि उसमें सबकुछ ऑनमार्क द्वारा किया गया था। ऑनमार्क डरट इवैल्यूएशन के लिए एडटेक सॉल्यूशन कंपनी है। मैंने इसके बारे में और पता लगाया। निसर्ग ने मुझे दूसरी यूनिवर्सिटीज की भी डिटेल भेजी, जो ऑनमार्क का यूज करती थीं। उनमें भी गड़बड़ी दिखी। इसके बाद मुझे लगा कि सीबीएसई क्यों ऐसी कंपनी का यूज कर रही है, जिसके साथ इतनी गड़बड़ियां जुड़ी हैं।

भारत-इंडोनेशिया संबंध: रक्षा, व्यापार और क्रिटिकल मिनरल्स पर बड़ा फैसला

नई दिल्ली/एजेंसी

भारत और इंडोनेशिया के बीच द्विपक्षीय संबंधों को एक नई ऊंचाई मिलने जा रही है। नई दिल्ली में रविवार को दोनों देशों के बीच एक महत्वपूर्ण और उच्च स्तरीय बैठक हुई। इस बैठक की मेजबानी भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने की। बैठक में इंडोनेशिया के विदेश मंत्री सुगियोनो भी अपनी टीम के साथ शामिल हुए। दोनों नेताओं ने आपसी सहयोग को और मजबूत करने के लिए कई अहम मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की। दोनों देश रक्षा,

दुनिया में सबसे सस्ती रसोई गैस पाने वाले देशों में भारत: केंद्र

नई दिल्ली/एजेंसी

भारतीय दुनिया में सबसे कम कीमत पर रसोई गैस प्राप्त करने वालों में शामिल हैं। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) के लाभार्थियों को 14.2 किलोग्राम का एलपीजी सिलेंडर प्रभावी रूप से 642 रुपये में मिल रहा है। दिल्ली में सामान्य उपभोक्ता 942 रुपये में सिलेंडर खरीद रहे हैं, जबकि वर्तमान अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों में एक सिलेंडर की आपूर्ति लागत 1,600 रुपये से अधिक हो चुकी है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने रविवार को कहा कि उज्ज्वला लाभार्थियों को प्रति सिलेंडर 300 रुपये की प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) सहायता पहले चार रिफिल पर दी जाती है। इस

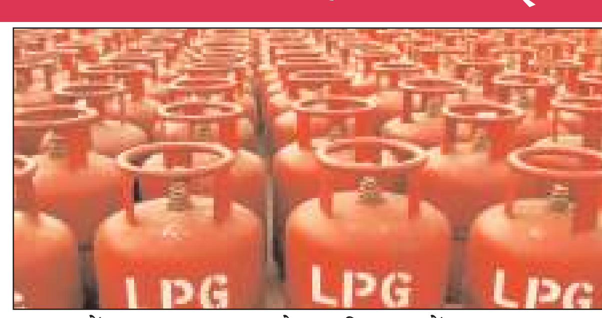

प्रकार उन्हें सालाना 1,200 रुपये की सहायता मिलती है। गैर-उज्ज्वला उपभोक्ता भी बाजार आधारित लागत की तुलना में लगभग 700 रुपये कम कीमत पर सिलेंडर प्राप्त कर रहे हैं। मंत्रालय ने बताया कि भारत में उज्ज्वला लाभार्थियों के लिए प्रभावी एलपीजी कीमत 642 रुपये है, जबकि पाकिस्तान में समान मात्रा का सिलेंडर 1,046 रुपये, नेपाल में 1,207 रुपये, बांग्लादेश में लगभग 1,225 रुपये और श्रीलंका में 1,241 रुपये का है। वहीं, अमेरिका में इसकी कीमत लगभग 1,755 रुपये, ऑस्ट्रेलिया में 1,765 रुपये और कनाडा में 2,411 रुपये के बराबर है।

उज्ज्वला लाभार्थियों को 642 रुपये में मिल रहा सिलेंडर: केंद्र

मंत्रालय के अनुसार, भारत अपनी एलपीजी आवश्यकता का बड़ा हिस्सा आयात करता है और इसकी कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में तय होने वाले सऊदी कॉन्ट्रैक्ट प्राइस (सीपी) से प्रभावित होती है। फरवरी में एलपीजी का सऊदी सीपी 542.50 डॉलर प्रति टन था, जो जून 2026 तक बढ़कर 790 डॉलर प्रति टन पहुंच गया। इस अवधि में इसमें लगभग 46 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। मंत्रालय ने कहा कि पश्चिम एशिया में तनाव और होर्मुज जलडमरूमध्य में व्यवधान के बावजूद भारत ने अपनी ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला को बनाए रखा। देश में किसी भी पेट्रोलियम उत्पाद की कमी नहीं हुई और एलपीजी की बॉटलिंग तथा वितरण सामान्य रूप से जारी रहा। घरेलू एलपीजी की बढ़ती लागत का पूरा बोझ उपभोक्ताओं पर नहीं डाला गया।

सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियां और केंद्र सरकार लागत तथा खुदरा मूल्य के बीच अंतर को वहन कर रही हैं। वित्त वर्ष 2025-26 के अंत तक घरेलू एलपीजी पर संचयी अंडर-रिकवरी लगभग 60,000 करोड़ रुपये तक पहुंच गई, जबकि एक वर्ष पहले यह

सियासत के बीच दिखी इंसानियत: चुटुपालू घाटी में सड़क पर तड़प रहे थे मां-बच्चे, मसीहा बनकर उतरे मंत्री योगेंद्र महतो, खुद की गाड़ी से पहुंचाया अस्पताल

काफिला रुकवाकर घायलों को खुद उठाया, इलाज की मुकम्मल व्यवस्था कराकर ही कार्यक्रम के लिए हुए रवाना। चुटुपालू घाटी के दुर्घटना संभावित डेंजर जोन को लेकर अधिकारियों को दिए कड़े निर्देश।

विशेष संवाददाता, डीके राठौर रामगढ़]

रामगढ़/रांची:

कहते हैं कि 'मजहब नहीं सिखाता आपस में बैर रखना' और इंसानियत से बड़ा कोई धर्म नहीं होता। कुछ ऐसा ही नजारा आज रांची-रामगढ़ मार्ग पर स्थित कुख्यात चुटुपालू घाटी में देखने को मिला। आज जब झारखंड सरकार के मद्य निषेध मंत्री योगेंद्र प्रसाद महतो का काफिला एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए रांची से रामगढ़ की ओर जा रहा था, तभी घाटी के मोड़ पर एक दर्दनाक सड़क हादसा उनकी नजरों के सामने आया।

तड़प रहे थे मां-मासूम, थमी मंत्री की नजरें:

चुटुपालू घाटी के किनारे एक सड़क दुर्घटना में एक महिला और उसका छोटा बच्चा गंभीर रूप से घायल होकर दर्द से तड़प रहे थे। राहगीर आ-जा रहे थे, लेकिन तभी वहां से गुजर रहे मंत्री योगेंद्र महतो की नजर उन चीखते-तड़पते घायलों पर पड़ी। मंत्री जी ने वीआईपी प्रोटोकॉल की परवाह किए बिना, अपनी मानवीय संवेदनाओं का परिचय देते हुए तत्काल अपने काफिले को रुकवाया।

सरकारी गाड़ी बनी 'एंबुलेंस', खुद संभाली कमान:

स्थिति की गंभीरता और समय की नजाकत को भांपते हुए मंत्री योगेंद्र महतो ने एक पल की भी देरी नहीं की। वे खुद गाड़ी से नीचे उतरे और अपने सुरक्षाकर्मियों व सहयोगियों की मदद से लहूलुहान महिला और उसके बिलखते बच्चे को उठाकर अपनी ही सरकारी गाड़ी में बैठाया। मंत्री जी ने खुद घायलों को संभाला और गाड़ी को सीधे सैनी होटल के समीप स्थित आपातकालीन सेवा अस्पताल (ट्रॉमा सेंटर/अस्पताल) ले जाने का निर्देश दिया।

अस्पताल में मुस्तैद कराए डॉक्टर, अधिकारियों को दिए कड़े निर्देश:

अस्पताल पहुंचते ही मंत्री योगेंद्र महतो ने दोनों घायलों को भर्ती कराया और डॉक्टरों को तत्काल उनका इलाज शुरू करने को कहा। उन्होंने न सिर्फ प्राथमिक उपचार सुनिश्चित कराया, बल्कि संबंधित जिले के उच्च अधिकारियों को फोन कर घायलों को बेहतर और समुचित इलाज मुहैया कराने के सख्त निर्देश दिए। जब डॉक्टरों ने आश्वस्त किया कि दोनों खतरे से बाहर हैं, तब जाकर मंत्री जी ने राहत की सांस ली और अपने निर्धारित कार्यक्रम के लिए आगे रवाना हुए।

घाटी की दुर्दशा पर लिया संज्ञान:

इस हादसे को अपनी आंखों से देखने के बाद मंत्री योगेंद्र महतो ने चुटुपालू घाटी में लगातार हो रही दुर्घटनाओं को बेहद गंभीरता से लिया है। उन्होंने इस ब्लैक स्पॉट (डेंजर जोन) को संज्ञान में लेते हुए कहा कि घाटी में सुरक्षा मानकों और तकनीकी खामियों को जल्द दूर किया जाएगा ताकि भविष्य में मासूम जिंदगियां असमय काल के गाल में न समाएं।

जनता कर रही है दरियादिली को सलाम:

आज के दौर में जहां लोग सड़क हादसों को देखकर वीडियो बनाने या कतराकर निकल जाने में विश्वास रखते हैं, वहीं सूबे के एक कैबिनेट मंत्री द्वारा अपनी गाड़ी में घायलों को अस्पताल पहुंचाना राजनीति से परे इंसानियत की एक नई मिसाल पेश करता है।

मंत्री योगेंद्र महतो के इस नेक कार्य और दरियादिली की पूरे रामगढ़ और झारखंड में जमकर सराहना हो रही है। लोग कह रहे हैं- "नेता हो तो ऐसा, जो जनता के दर्द को अपना समझे।"

बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत बनाने का मंत्र देकर लौटे भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन

भाजपा झारखंड का गढ़ था, है और रहेगा- नितिन नवीन

सौरभ राय/ रफ्तार मीडिया विशेष संवाददाता

रांची: झारखंड की मुख्य विपक्षी दल भाजपा अपने संगठन को पुराने अंदाज में लाने के लिए तैयारी में जुट चुकी है यही कारण है कि नितिन नवीन भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद पहली बार दो दिवसीय झारखंड दौरे पर आते हैं। इस दौरान संगठन को बूथ स्तर तक सशक्त बनाने का स्पष्ट संदेश देते हुए कार्यकताओं को वर्ष 2029 के विधानसभा चुनाव की तैयारी अभी से शुरू करने का आह्वान किया। प्रदेश भाजपा कार्यालय में आयोजित महत्वपूर्ण बैठक में उन्होंने प्रदेश पदाधिकारियों, मोर्चा अध्यक्षों, जिला अध्यक्षों, जिला प्रभारियों, मीडिया, सोशल मीडिया एवं आईटी सेल के प्रतिनिधियों को संगठन विस्तार और जनसंपर्क अभियान को गति देने के निर्देश दिए।

2029 को लक्ष्य मानकर ही हुआ हैप्रदेश टीम का गठन- नितिन नवीन

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने प्रदेश पदाधिकारियों का मनोबल बढ़ाते हुए कहा कि वर्तमानमें संगठनात्मक टीम का गठन वर्ष 2029 के लक्ष्य को ध्यान में रखकर किया गया है और यही टीम आगामी चुनावी लड़ाई का नेतृत्व करेगी। उन्होंने कहा कि पिछले चुनावों के अनुभवों से सीख लेते हुए प्रत्येक कार्यकर्ता को अब पूरी ऊर्जा के साथ मैदान में उतरना होगा।उन्होंने कहा कि भाजपा झारखंड का गढ़ रही है और भविष्य में भी रहेगी। पिछले चुनावों में विपक्षी दलों ने झूठे वादों और भ्रम फैलाकर जनता को प्रभावित किया, लेकिन आज भी राज्य की जनता के दिलों में भाजपा के प्रति विश्वास और स्नेह बना हुआ है। उन्होंने स्वीकार किया कि जनता का भरोसा पूरी तरह जीत पाने में संगठन कहीं न कहीं पीछे रह गया, जिसकी जिम्मेदारी सभी कार्यकताओं और नेताओं की है।

बूथ होगा मजबूत तो विकसित भारत का सपना भी होगा साकार

वहीं, नितिन नवीन ने देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत 2047 के संकल्प का जिक्र करते हुए कहा कि विकसित भारत का सपना तभी पूरा होगा जब भाजपा का संगठन बूथ स्तर तक मजबूत होगा। उन्होंने कहा कि भाजपा का सबसे बताकत उसका विचार और बूथ स्तर तक फैला कार्यकर्ता नेटवर्क है।उन्होंने बताया कि भाजपा विश्व का सबसे बड़ा राजनीतिक संगठन है, जिसके 14 करोड़ से अधिक सदस्य और 12 लाख से अधिक सक्रिय कार्यकर्ता हैं। संगठन को मजबूत बनाए रखने के लिए कार्यकर्ता और कार्यक्रम दोनों समान रूप से आवश्यक हैं।

नियमित बैठकों और सक्रिय कार्यकर्ता तंत्र पर फोकस

भाजपा को झारखंड में मजबूत करने के लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने प्रदेश से लेकर मंडल स्तर तक नियमित मासिक बैठकों की व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि शक्तिकेंद्र बैठकों में बूथों की कमियों की समीक्षा कर उनका समाधान निकाला जाए।उन्होंने सभी मोर्चों का गठन मंडल स्तर तक पूर्ण करने और प्रत्येक मंडल में कम से कम 100 सक्रिय कार्यकर्ताओं की टीम तैयार करने का लक्ष्य निर्धारित किया। जिला अध्यक्षों को निर्देश दिया गया कि वे पुराने और वरिष्ठ कार्यकर्ताओं को सम्मानपूर्वक साथ लेकर चलें तथा तीन कार्यकाल से जुड़े अनुभवी कार्यकर्ताओं की सूची बनाकर उन्हें पुनः संगठनात्मक गतिविधियों से जोड़ा जाए।

एसआईआर को गंभीरता से लेने का निर्देश

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा झारखंड में भी एसआईआर को लागू करने की तैयारी में जिसे लेकर भाजपा लेकर राष्ट्रीय अध्यक्ष ने भी कार्यकर्ताओं को गंभीरता से कार्य करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि प्रदेश से लेकर बूथ स्तर तक अभियान की नियमित समीक्षा हो तथा शक्तिकेंद्र स्तर तक बैठक कर दैनिक रिपोर्टिंग सुनिश्चित की जाए।उन्होंने विचार परिवार के विभिन्न संगठनों के साथ समन्वय बढ़ाने और उनकी सूची तैयार कर नियमित संवाद बनाए रखने पर भी बल दिया। संगठन विस्तार के लिए प्रवास को सबसे प्रभावी माध्यम बताते हुए उन्होंने प्रदेश अध्यक्ष से लेकर मंडल अध्यक्ष तक सभी पदाधिकारियों को नियमित प्रवास करने और प्रत्येक तीन माह में उसकी रिपोर्ट तैयार करने का निर्देश दिया।

500 प्रबुद्ध नागरिकों से संवाद की योजना

रणनीति के तहत नितिन नवीन ने प्रत्येक जिले में 500 प्रमुख प्रबुद्ध नागरिकों की सूची तैयार करने और उनके साथ नियमित संवाद एवं सम्मेलन आयोजित करने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि भाजपा का विचार और नेतृत्व पहले से ही समाज के विभिन्न वर्गों तक पहुंचा है और इसे और व्यापक बनाने की आवश्यकता है।बैठक के अंत में उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से नए उत्साह, नई ऊर्जा और नए संकल्प के साथ संगठन को और अधिक मजबूत बनाने का आह्वान किया।

नितिन नवीन का सफर कार्यकताओं के लिए प्रेरणा : आदित्य साहू

वहीं, राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के दौरे को लेकर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने अपने संबोधन में कहा कि नितिन नवीन का एक सामान्य कार्यकर्ता से राष्ट्रीय अध्यक्ष तक पहुंचना भाजपा की कार्यकर्ता-आधारित संस्कृति का सबसे बड़ा उदाहरण है। उन्होंने कहा कि भाजपा में समर्पण, निष्ठा और निरंतर कार्य करने वालों को संगठन सम्मान और अवसर दोनों देता है।आदित्य साहू ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष का व्यक्तित्व अत्यंत सरल और सहज है। वे हर कार्यकर्ता से आत्मीयता के साथ मिलते हैं और यही गुण उन्हें कार्यकताओं के बीच लोकप्रिय बनाता है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष का यह दौरा झारखंड भाजपा को नई दिशा, नई ऊर्जा और आगामी राजनीतिक चुनौतियों से निपटने का नया संबल देगा।

बाबूलाल मरांडी ने झारखंड सरकार पर साधा निशाना

बैठक के दौरान राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री सह नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने झारखंड सरकार पर संगीन आरोप लगाते हुए कहा की जल, जंगल और जमीन की राजनीति करने वाले दल सत्ता में आने के बाद इन मुद्दों को भूल जाते हैं और राज्य में जमीन माफिया, भ्रष्टाचार तथा अपराध का बोलबाला बढ़ जाता है।उन्होंने कहा कि राज्य में कानून व्यवस्था की स्थिति चिंताजनक है और आम जनता खुद को असुरक्षित महसूस कर रही है। भाजपा कार्यकताओं से उन्होंने स्थानीय जनसमस्याओं और जनमुद्दों को लेकर आंदोलन करने तथा जनता के बीच लगातार सक्रिय रहने का आह्वान किया।

इंडिया गठबंधन के दोनों प्रत्याशी आज दाखिल करेंगे नामांकन

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के नेतृत्व में बैठकः दोनों सीटों पर जीत का दावा

सौरभ राय/ रफ्तार मीडिया विशेष संवाददाता

रांची:झारखंड में राज्यसभा चुनाव को लेकर सियासी सरगर्मियां तेज हो गई हैं। आगामी राज्यसभा चुनाव के मद्देनजर रविवार को राजधानी रांची के कांके रोड स्थित मुख्यमंत्री आवास में महागठबंधन के वरीय नेताओं की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान महागठबंधन के दोनों उम्मीदवारों की जीत सुनिश्चित करने के लिए व्यापक रणनीति पर मंथन किया गया तथा नामांकन कार्यक्रम को लेकर भी अंतिम रूपरेखा तय की गई।बैठक के दौरान यह निर्णय लिया गया कि इंडिया गठबंधन के दोनों उम्मीदवार सोमवार, 8 जून को अपना नामांकन पत्र दाखिल करेंगे। गठबंधन की ओर से झामुमो ने बैद्यनाथ राम को उम्मीदवार बनाया है, वहीं कांग्रेस ने प्रणव झा को चुनावी मैदान में उतारने का फैसला लिया है।

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन द्वारा दिए महागठबंधन के नेताओं को दिशा निर्देश

राज्यसभा चुनाव को लेकर चल रही गहमा गहमी के बीच रविवार को मुख्यमंत्री आवास में हुए महागठबंधन के संयुक्त बैठक में राज्य के मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने सभी जनप्रतिनिधियों से एकजुट होकर चुनाव प्रक्रिया में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। बैठक में संगठनात्मक समन्वय को मजबूत करने तथा राज्यसभा चुनाव में सत्तारूढ़ दल के प्रत्याशियों की विजय सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए गए।

शक्ति प्रदर्शन के जरिए एकजुटता का दिया जाएगा संदेश

प्राप्त जानकारी के अनुसार, आज प्रत्याशियों के नामांकन के दौरान महागठबंधन अपनी ताकत और एकजुटता का प्रदर्शन भी करेगा। नामांकन में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, कांग्रेस के केंद्रीय पर्यवेक्षक, गठबंधन के मंत्री, विधायक तथा विभिन्न घटक दलों के वरिष्ठ नेता मौजूद रहेंगे। गठबंधन नेतृत्व चाहता है कि नामांकन के अवसर पर एक मजबूत राजनीतिक संदेश दिया जाए कि सभी सहयोगी दल पूरी तरह एकजुट हैं और राज्यसभा चुनाव को लेकर किसी प्रकार की असमंजस की स्थिति नहीं है।बैठक में विधानसभा में उपलब्ध संख्या बल, संभावित समर्थन और मतदान की रणनीति समेत कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। नेताओं ने चुनावी गणित का आकलन करते हुए दोनों उम्मीदवारों की जीत सुनिश्चित करने के लिए समन्वित प्रयासों पर जोर दिया।

महागठबंधन में मतभेद की अटकलों को किया गया खारिज

बैठक के बाद मीडिया से बातचीत के दौरान राज्यसभा सांसद सरफराज अहमद ने कहा कि इंडिया गठबंधन पूरी तरह एकजुट है और राज्यसभा की दोनों सीटों पर गठबंधन उम्मीदवारों की जीत तय है।

उन्होंने कहा कि सभी सहयोगी दल मिलकर चुनाव लड़ रहे हैं और किसी प्रकार का मतभेद नहीं है। वहीं , राज्य के मंत्री सुदिव्य सोनू से कहा कि महागठबंधन के विधायक और पूरी मजबूती के साथ उम्मीदवारों के पक्ष में खड़े हैं तथा चुनाव परिणाम गठबंधन के पक्ष में आएगा। उन्होंने विपक्ष के दावों को भी खारिज करते हुए कहा कि संख्या बल और राजनीतिक समर्थन दोनों ही गठबंधन के पक्ष में हैं।

राज्यसभा चुनाव से गरमाई झारखंड की राजनीति

राज्यसभा चुनाव की घोषणा के बाद से झारखंड की राजनीति में लगातार हलचल बनी हुई है।

एक ओर महागठबंधन अपने उम्मीदवारों की जीत को लेकर आश्वस्त नजर आ रहा है, वहीं विपक्षी दल भाजपा भी चुनावी समीकरणों पर पैनी नजर बनाए हुए हैं। हाल के दिनों में विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं की बैठकों और गतिविधियों ने चुनावी माहौल को और गर्म कर दिया है।

क्रूरता की हदें पार: स्विफ्ट कार में अमानवीय तरीके से ठूंसकर ले जाए जा रहे थे चार गोवंश, ग्रामीणों ने खदेड़ा तो वाहन छोड़ भागे तस्कर

तोपचांची/रफ्तार मीडिया

तोपचांची: थाना क्षेत्र के रामाकुंडा रेलवे हॉल्ट रोड पर रविवार की अहले सुबह ग्रामीणों की सतर्कता और बहादुरी से गो-तस्करी का एक बड़ा और बेहद चौंकाने वाला प्रयास विफल हो गया। तस्करों ने क्रूरता और चालाकी की सारी हदें पार करते हुए एक छोटी स्विफ्ट डिजायर कार में चार गोवंशों को अमानवीय तरीके से ठूंस-ठूंसकर भरा हुआ था। हालांकि, ग्रामीणों की पैनी नजर से तस्कर बच नहीं सके और खुद को घिरता देख वाहन छोड़कर अंधेरे का फायदा उठाते हुए भाग निकले।

संदेह होने पर ग्रामीणों ने किया पीछा, कीचड़ में फंसी कार

प्राप्त जानकारी के अनुसार, रविवार सुबह तड़के ग्रामीणों ने रामाकुंडा मार्ग पर एक संदिग्ध स्विफ्ट कार को तेज गति से जाते देखा। कार की बनावट और उसकी संदिग्ध हरकतों को देखकर ग्रामीणों को कुछ गड़बड़ी का अंदेशा हुआ, जिसके बाद कुछ युवाओं ने एकजुट होकर वाहन का पीछा करना शुरू कर दिया। ग्रामीणों को पीछे आते देख तस्करों में हड़कंप मच गया। खुद को चारों तरफ से घिरता देख चालक ने मुख्य सड़क छोड़ दी और कार को रामाकुंडा रेलवे हॉल्ट के समीप झाड़ियों और खुले मैदान की ओर मोड़ दिया। लेकिन जल्दबाजी और हड़बड़ाहट के चक्कर में तस्करों की कार एक गहरे कीचड़ में जाकर बुरी तरह फंस गई। गाड़ी फंसते ही चालक और उसके सहयोगी वाहन से कूदकर जंगलों की तरफ फरार हो गए।

कार का नजारा देख दहल गए ग्रामीण, फूटा आक्रोश

रामाकुंडा पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि अमृत रजक ने बताया कि जब ग्रामीणों ने कीचड़ में फंसी लावारिस कार के पास पहुंचकर उसकी जांच की, तो अंदर का नजारा देखकर सबकी रूह कांप गई। तस्करों ने कार की सीटों को मोड़कर उसके भीतर चार गोवंशों को पैर बांधकर बेहद दयनीय स्थिति में ठूंस रखा था। दम घुटने के कारण गोवंश तड़प रहे थे। बेजुबानों की ऐसी दुर्दशा देखकर मौके पर जुटे ग्रामीणों में भारी आक्रोश फैल गया और वहां तस्करों के खिलाफ जमकर नारेबाजी हुई।

पुलिस ने वाहन को किया जब्त, नंबर के आधार पर तस्करों की खोज जारी

घटना की लिखित सूचना तुरंत तोपचांची थाना पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस बल मौके पर पहुंचा और ग्रामीणों के सहयोग से कार के भीतर तड़प रहे चारों गोवंशों को सुरक्षित और सकुशल बाहर निकाला। पुलिस ने घायल गोवंशों के प्राथमिक उपचार की व्यवस्था की और घटना में इस्तेमाल की गई स्विफ्ट डिजायर कार को जब्त कर थाने ले आई।

तोपचांची थाना पुलिस ने बताया कि कार के रजिस्ट्रेशन नंबर और चेसिस नंबर के आधार पर वाहन मालिक और तस्करों के सिंडिकेट की पहचान की जा रही है। इधर, स्थानीय ग्रामीणों ने इस अनूठे और क्रूर तरीके से की जा रही तस्करी पर गहरी चिंता जताई है। लोगों का कहना है कि तोपचांची और जीटी रोड के इलाकों में गो-तस्कर अब पुलिस से बचने के लिए लग्जरी कारों का इस्तेमाल कर रहे हैं, इसलिए क्षेत्र में पुलिस गश्त और चेकिंग को और कड़ा किया जाना चाहिए।

लोक संवाद गोष्ठी में आमजन की समस्याएं सुनी गई, त्वरित समाधान के दिए निर्देश

गयाजी/ रफ्तार मीडिया
प्रभात सिन्हा/ वरीय संवाददाता

गयाजी में डेल्हा थाना क्षेत्र अंतर्गत बागेश्वरी परिसर एवं महिला थाना परिसर में शनिवार को पुलिस-जन संवाद को सशक्त बनाने के उद्देश्य से लोक संवाद गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मगध क्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक विकास वैभव तथा गयाजी के वरीय पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार ने भाग लेकर आमजनों से सीधे संवाद स्थापित किया। इस अवसर पर डेल्हा थानाध्यक्ष, महिला थानाध्यक्ष सहित अन्य पुलिस पदाधिकारी भी उपस्थित रहे।

गोष्ठी के दौरान क्षेत्र के नागरिकों ने अपनी समस्याएं, शिकायतें एवं सुझाव अधिकारियों के समक्ष रखे। पुलिस अधिकारियों ने सभी मुद्दों को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित मामलों के त्वरित, प्रभावी एवं निष्पक्ष निष्पादन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जनहित एवं जनसरोकार से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई तथा समस्याओं के समाधान को लेकर प्रशासन की प्रतिबद्धता दोहराई गई।

पुलिस महानिरीक्षक एवं वरीय पुलिस अधीक्षक ने उपस्थित लोगों से पुलिस-प्रशासन के साथ बेहतर समन्वय बनाए रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि सामाजिक सौहार्द, आपसी भाईचारा एवं क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने में आमजन की महत्वपूर्ण भूमिका है। अधिकारियों ने नागरिकों से कानून-व्यवस्था को मजबूत बनाने, सामाजिक एकता को बढ़ावा देने तथा क्षेत्र के समग्र विकास के लिए सकारात्मक सहभागिता सुनिश्चित करने का आह्वान किया।

गोष्ठी के माध्यम से पुलिस और आमजन के बीच संवाद को और अधिक मजबूत बनाने तथा जनसमस्याओं के त्वरित समाधान की दिशा में सार्थक पहल की गई।

जामताड़ा सदर अस्पताल में सहिया ने कब्जाया मरीज का बेड, जमीन पर सोते दिखे मरीज

सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो से स्वास्थ्य व्यवस्था पर उठे सवाल, जांच की मांग तेज

रफ्तार मीडिया / संवाददाता
जामताड़ा :

जामताड़ा सदर अस्पताल की स्वास्थ्य व्यवस्था एक बार फिर सवालों के घेरे में आ गई है। इस बार मामला किसी मरीज के इलाज में लापरवाही का नहीं, बल्कि अस्पताल के महिला वार्ड में मरीजों के लिए निर्धारित बेड पर एक सहिया के कब्जा जमाने का है। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद लोगों में नाराजगी देखी जा रही है। वायरल वीडियो में साफ तौर पर देखा जा सकता है कि महिला वार्ड के एक बेड पर एक सहिया आराम करती नजर आ रही है, जबकि मरीज जमीन पर लेटने को मजबूर हैं। वीडियो बनाने वाले व्यक्ति ने अस्पताल की व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए

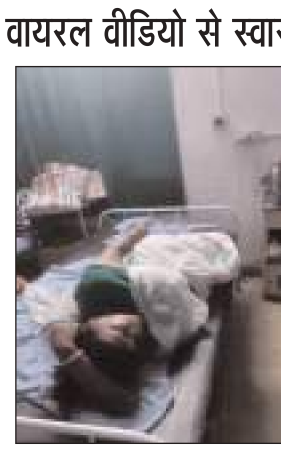

दावा किया है कि अस्पताल परिसर में सहिया के बैठने और विश्राम करने के लिए निर्धारित स्थान मौजूद है, लेकिन वह जगह खाली पड़ी हुई है। इसके बावजूद मरीजों के लिए आरक्षित बेड का उपयोग किया जा रहा है। वीडियो सामने आने के बाद

स्थानीय लोगों और मरीजों के परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन की कार्यशैली पर सवाल खड़े किए हैं। उनका कहना है कि जब अस्पताल में मरीजों को पर्याप्त सुविधाएं नहीं मिल पा रही हैं, तब कर्मचारियों और सहियाओं द्वारा मरीजों के बेड का उपयोग करना गंभीर मामला है। स्वास्थ्य विभाग की व्यवस्था को लेकर भी कई तरह की चचाएं शुरू हो गई हैं। लोगों का कहना है कि यदि अस्पताल में मरीजों के अधिकारों का इस तरह उल्लंघन होता रहा तो आम जनता का सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं से भरोसा उठ सकता है। हालांकि इस मामले में अस्पताल प्रबंधन की ओर से अब तक कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। वहीं वीडियो वायरल होने के बाद मामले की जांच कर उचित कार्रवाई की मांग उठने लगी है। लोगों को उम्मीद है कि संबंधित अधिकारियों द्वारा मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

भाजपा धनवार मंडल कार्य- समिति की बैठक संपन्न, संगठन की मजबूती पर दिया जोर।

रफ्तार मीडिया संवाददाता

राजधनवार:--धनवार प्रखंड क्षेत्र के ग्राम अरगाली स्थित दुखिया महादेव के समीप रविवार को भाजपा धनवार मंडल कार्य-समिति की बैठक आयोजित की गई । बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा नेता सह पूर्व आईजी लक्ष्मण प्रसाद सिंह उपस्थित थे। बैठक में संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने और केन्द्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने पर विशेष जोर दिया गया ।

बैठक को संबोधित करते हुए श्री सिंह ने कहा कि संगठन की शक्ति ही भाजपा की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने कार्यकताओं से केन्द्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को आम जनों तक पहुंचाने तथा संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने का आह्वान किया।

बैठक के दौरान "संगठन ही शक्ति है" एवं "विकसित भारत, समर्थ भारत" के संकल्प को दोहराते हुए संगठन विस्तार और आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर भी चर्चा की गई। अंत में उपस्थित सभी कार्यकताओं का आभार व्यक्त किया गया।

बैठक में भाजपा ग्रामीण जिला उपाध्यक्ष उदय सिंह, मंडल अध्यक्ष अरविन्द साव, अजय रंजन, श्याम सिंह,भोपाल सिंह, लीलावती देवी, रोबिन रवानी, गुड्डू सहित जिले के सम्मानित पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

जेपीएल 2026 की ट्रॉफी के साथ शहर भ्रमण पर निकली रांची टाइटंस टीम, एसपी, मेयर ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना, सलूजा गोल्ड है टीम ऑनर

रफ्तार मीडिया

गिरिडीह.: जेपीएल 2026 टी-20 की चमचमाती ट्रॉफी रविवार को गिरिडीह पहुंची. ट्रॉफी के साथ रांची टाइटंस के खिलाड़ी और टीम ऑनर सलूजा गोल्ड ने शहर का भ्रमण कर क्रिकेट का माहौल बना दिया. दोपहर 3. 30 बजे ट्रॉफी शहर भ्रमण पर निकली. आज सलूजा गोल्ड कार्यालय से ट्रॉफी यात्रा शुरू हुई. खिलाड़ियों के साथ ट्रॉफी पूरे शहर में घुमाई गई. ट्रॉफी यात्रा को एसपी डॉ. बिमल कुमार, मेयर प्रमिला मेहरा और डिप्टी मेयर सुमित कुमार ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया.

सलूजा गोल्ड के निदेशक डॉ अमरजीत सिंह सलूजा, सतविंदर सिंह सलूजा, तरणजीत सिंह सलूजा भी मौजूद थे. टीम ऑनर अमरजीत सिंह सलूजा ने कहा कि क्रिकेट की खुमारी पूरे भारत में है.

झारखंड में जेपीएल टी-20 से नई शुरूआत हुई है. 6 टीमों के टूनार्मेंट में रांची टाइटंस की ऑनरशिप गिरिडीह की सलूजा गोल्ड के पास है. उद्देश्य गांव-गांव तक क्रिकेट पहुंचाना है. रांची टाइटंस का दूसरा घर गिरिडीह है. लोगों से प्यार लुटाने की अपील की. वंही एसपी डॉ. बिमल कुमार, मेयर प्रमिला मेहरा, डिप्टी मेयर सुमित कुमार ने भी इसे एक बेहतर और यादगार पल बताते हुए टीम को जीत के लिए शुभकामनाएँ दी और कहा कि इस टूनार्मेंट में रांची टाइटंस की टीम शानदार प्रदर्शन कर पूरे राज्य का नाम रौशन करेगी.

टीम में ये खिलाड़ी

कप्तान ऑलराउंडर राजनदीप सिंह, उपकप्तान शिखर मोहन. टीम में आयुष भारद्वाज, सत्या सेतु, यश भगत, कुमार अंकित, श्रेष्ठ, युवराज सिंह, ओम सिंह, आर्यन हूदा, सचिन यादव, युवराज कुमार, मुकेश सिंह, प्रिंस मुर्मू, जतीन पांडेय, सौरभ सरकार, प्रेम कुमार चौरसिया, इशान ओम आदि शामिल है. तरणजीत सिंह सलूजा, कोच रतन कुमार, कौशल किशोर सिंह, टीम मैनेजर रजनीश सहाय मौजूद थे.

अनिश्चितकालीन धरना के छठे दिन शामिल हुए जिप उपाध्यक्ष छोटेलाल यादव

बिरनी/गिरिडीह, संवाददाता। बिरनी प्रखंड मुख्यालय परिसर में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) बिरनी में कथित 66 लाख रुपये के गबन तथा फर्जी डिग्रीधारी कर्मियों को कार्यरत रखने के विरोध में चल रहा अनिश्चितकालीन धरना रविवार को छठे दिन भी जारी रहा। धरना स्थल पर जिला परिषद उपाध्यक्ष छोटेलाल यादव भी पहुंचे और आंदोलनकारियों का समर्थन किया।

इस दौरान उन्होंने सिविल सर्जन डॉ. बच्चा सिंह से दूरभाष पर बातचीत कर मामले की जांच की प्रगति की जानकारी ली। बातचीत के दौरान सिविल सर्जन ने बताया कि मामले की जांच जारी है और जांच पूरी होने के बाद आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। धरना को संबोधित करते हुए छोटेलाल यादव ने कहा कि यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो संबंधित चिकित्सा प्रभारी एवं उनके सहयोगियों के विरुद्ध तत्काल प्राथमिकी दर्ज कर गबन की राशि की वसूली तथा गिरफ्तारी सुनिश्चित की जानी चाहिए।

जामजोरी में स्वास्थ्य उप केंद्र का हुआ शिलान्यास, ग्रामीणों में हर्ष।

रफ्तार मीडिया सवाददाता राजु मंडल गांडेय।

गांडेय प्रखंड अंतर्गत जामजोरी पंचायत भवन के समीप जिला परिषद वित्त आयोग हेल्थ ग्रांट मद से स्वीकृत स्वास्थ्य उप केंद्र का विधिवत शिलान्यास किया गया। इस नए स्वास्थ्य उप केंद्र का शिलान्यास प्रख्यात समाजसेवी मुफ्ती सईद आलम के हाथों फीता काटकर एवं नारियल फोड़कर किया गया।

?मिली जानकारी के अनुसार, इस उप स्वास्थ्य केंद्र का निर्माण जिला परिषद वित्त आयोग के हेल्थ ग्रांट मद से कराया जा रहा है, जिसकी प्राक्कलित लागत ?55 लाख बताई गई है।

?शिलान्यास के मौके पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि इस सुदूर ग्रामीण क्षेत्र में उप स्वास्थ्य केंद्र का निर्माण होने से स्थानीय व इसके आस-पास के दर्जनों गांवों के ग्रामीणों को प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा। अब ग्रामीणों को अपने ही क्षेत्र में बेहतर और त्वरित स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकेंगी, जिससे विशेषकर महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों को काफी सहूलियत होगी। मोके पर जेएमएम नेता प्रमोद राम, कमलदेव मंडल, कलाम अंसारी, मंजर मियां, महताब मियां समेत दर्जनों की संख्या में स्थानीय ग्रामीण और प्रबुद्ध नागरिक उपस्थित थे। सभी ने इस पहल की सराहना करते हुए क्षेत्र के विकास के लिए इसे एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

बोकारो पहुंचे भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, हुआ भव्य स्वागत

रफ्तार ब्यूरो
बोकारो

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद पहली बार झारखंड दौरे पर राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन बोकारो पहुंचे। बोकारो जिले के विभिन्न जगहों पर भाजपा नेता एवं कार्यकताओं ने गर्मजोशी से स्वागत किया।बोकारो के नया मोड़ स्थित भगवान बिरसा मुंडा के प्रतिमा पर उन्होंने माल्यार्पण किया, जहां उनका जोरदार भव्य स्वागत किया गया।मालूम हो कि नितिन नवीन बोकारो में आयोजित एक निजी कार्यक्रम में भाग लेंगे,इसके बाद वे वापस लौट जाएंगे। संभावना जताई जा रही है की निजी कार्यक्रम में भाग लेने के बाद वे कार्यकताओं एवं नेताओं के साथ एक बैठक भी कर सकते हैं। हालांकि उन्होंने ऐसा नहीं किया।

साइकिल के पैडल पर फिटनेस का संकल्प: चित्तरंजन में विश्व साइकिल दिवस और संडे ऑन साइकिल के जरिए दिया सेहत-पर्यावरण का दोहरा संदेश

दिनेश कुमार रजक
रफ्तार मीडिया संवाददाता
चित्तरंजन

फिट इंडिया अभियान को गति देते हुए रेलवे सुरक्षा बल और रे.सु.वि.बल ने रविवार को चित्तरंजन में दो अलग-अलग साइकिल रैलियों के जरिए फिटनेस और पर्यावरण संरक्षण का मजबूत संदेश दिया। विश्व साइकिल दिवस पर चिरेका आरपीएफ और आठवीं वाहिनी रे.सु.वि.बल के जवान सड़कों पर उतरे और फिट इंडिया, हिट इंडिया के नारे लगाए। विश्व साइकिल दिवस के अवसर पर रेलवे सुरक्षा बल चित्तरंजन रेल इंजन कारखाना द्वारा ओवल ग्राउंड से आर्म्स विंग कंपनी चिरेका तक भव्य साइकिल रैली निकाली गई। वरिष्ठ सुरक्षा आयुक्त पी. शंकर कुट्टी के नेतृत्व में करीब 40 आरपीएफ अधिकारी और जवानों ने इसमें भाग लिया। टाउन पोस्ट आईपीएफ मदन पासवान, टीएस पंकज कुमार, आईपीएफ एडब्ल्यू प्रशांत कुमार और आईपीएफ एसआईबी महेंद्र प्रसाद भी रैली में शामिल हुए। इसी दिन प्रधानमंत्री के आह्वान पर मुख्यालय आठवीं वाहिनी रेलवे सुरक्षा विशेष बल चित्तरंजन द्वारा रविवार साइकिल पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सैन्य सहायक बीरेंद्र सिंह के कुशल नेतृत्व में बल सदस्यों ने उत्साह के साथ साइकिल चलाई और शारीरिक तंदुरुस्ती के प्रति प्रतिबद्धता दिखाई। वरिष्ठ सुरक्षा आयुक्त शंकर कुट्टी के जागरूकता संदेश में साइकिल न केवल स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी अहम भूमिका निभाती है। यह प्रदूषण रहित यातायात का सबसे बेहतर साधन है। वहीं सैन्य सहायक बीरेंद्र सिंह ने कहा कि फिट इंडिया अभियान का उद्देश्य प्रत्येक नागरिक को शारीरिक रूप से सक्रिय बनाना है। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा बलों के लिए चुस्त-दुरुस्त रहना जरूरी है। नियमित साइकिलिंग से सहनशक्ति बढ़ती है और मन प्रसन्न रहता है। ऐसे आयोजनों से जवानों में टीम भावना और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ती है। साथ ही आम लोग भी प्रेरित होते हैं। दोनों कार्यक्रमों के समापन पर प्रतिभागियों ने हर रविवार को साइकिल चलाने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संकल्प लिया। जवानों ने कहा कि वे अब संडे ऑन साइकिल मुहिम से नियमित जुड़ेंगे। आरपीएफ की इस दोहरी पहल की स्थानीय लोगों ने खूब सराहना की।

राज्यसभा चुनाव से पहले गरमाई सियासत, खरीद-फरोख्त की आशंका से दल सतर्क

बाइलाइनः वरिय संवाददाता शंकर ठाकुर रांची

रांची, 07 जून 2026: झारखंड में दो राज्यसभा सीटों के चुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। नामांकन प्रक्रिया शुरू होते ही सत्ता पक्ष और विपक्ष अपने-अपने विधायकों को एकजुट रखने में जुट गए हैं। राजनीतिक गलियारों में विधायकों की खरीद-फरोख्त और क्रॉस वोटिंग की आशंकाओं को लेकर चचाओं का दौर भी शुरू हो गया है। राज्यसभा चुनाव के लिए उम्मीदवार को नामांकन दाखिल करने के लिए कम से कम 10 विधायकों का प्रस्तावक होना जरूरी है। इस नियम ने निर्दलीय उम्मीदवारों की सक्रियता बढ़ा दी है। निर्दलीय दावेदारों द्वारा समर्थन जुटाने की कोशिशों ने राजनीतिक समीकरणों को और जटिल बना दिया है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यदि किसी निर्दलीय उम्मीदवार को 10 प्रस्तावक और बाद में जीत के लिए जरूरी 27 वोट मिलते हैं, तो कई सवाल खड़े होंगे। इससे विधायकों के टूटने और क्रॉस वोटिंग की आशंका और गहरा जाती है।

चुनाव से पहले खरीद-फरोख्त की आशंकाओं को देखते हुए सभी दल सतर्क हैं। भाजपा, झामुमो और कांग्रेस लगातार विधायक दल की बैठकें कर रहे हैं। विधायकों के साथ संवाद बढ़ाया जा रहा है। उन्हें एकजुट रखने के लिए रणनीति बनाई जा रही है।

झामुमो के पास राजद और माले के साथ मिलाकर 40 विधायक हैं। कांग्रेस के 16 और भाजपा के 21 विधायक हैं। एक सीट जीतने के लिए 27 वोट चाहिए। झामुमो ने पहली सीट पर पूर्व मंत्री बैजनाथ राम का नाम तय कर दिया है। दूसरी सीट को लेकर खींचतान जारी है। फिलहाल किसी बड़े घटनाक्रम की पुष्टि नहीं हुई है। लेकिन निर्दलीय

अनसार नगर प्रीमियर लीग के समापन समारोह में पहुंचे मुन्ना सिंह

खिलाड़ियों का बढ़ाया उत्साह

खेल प्रतिभाओं को निखारने के लिए स्थानीय टूनार्मेंट महत्वपूर्ण मुन्ना सिंह
विजेता और उपविजेता टीमों को ट्रॉफी देकर किया सम्मानित,
युवाओं को खेलों से जुड़ने का दिया संदेश, वरीय संवाददाता सुमन सिन्हा हजारीबाग हजारीबाग पगमिल स्थित अनसार नगर खेल मैदान में आयोजित अनसार नगर प्रीमियर लीग (सीजन-2) का भव्य समापन शनिवार देर रात पुरस्कार वितरण समारोह के साथ हुआ। टूनार्मेंट के अंतिम दिन खिलाड़ियों, खेल प्रेमियों और स्थानीय नागरिकों की बड़ी संख्या मैदान में मौजूद रही। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व सदर विधानसभा प्रत्याशी मुन्ना सिंह शामिल हुए। समारोह के दौरान मुन्ना सिंह ने विजेता और उपविजेता टीमों को ट्रॉफी, मेडल तथा प्रशस्ति पत्र प्रदान कर उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की। उन्होंने खिलाड़ियों से मुलाकात कर उनका उत्साहवर्धन किया और खेल भावना बनाए रखने की अपील की।

अपने संबोधन में मुन्ना सिंह ने कहा कि खेल युवाओं के सर्वांगीण विकास का सशक्त माध्यम है। खेल न केवल शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाते हैं, बल्कि अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास और टीम भावना जैसे गुणों का भी विकास करते हैं। उन्होंने कहा कि युवाओं को अधिक से अधिक खेल गतिविधियों से जोड़ना समय की आवश्यकता है, जिससे वे सकारात्मक सोच के साथ अपने लक्ष्य की ओर आगे बढ़ सकें।

उन्होंने आयोजन समिति की सराहना करते हुए कहा कि स्थानीय स्तर पर होने वाले ऐसे टूनार्मेंट ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों की प्रतिभाओं को अपनी क्षमता दिखाने का अवसर प्रदान करते हैं। यदि इन आयोजनों को निरंतर प्रोत्साहन मिले तो क्षेत्र से कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी राज्य और राष्ट्रीय स्तर तक पहुंच सकते हैं।

पूरे टूनार्मेंट के दौरान रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट खेल कौशल, अनुशासन और टीम वर्क का प्रदर्शन किया, जिससे प्रतियोगिता का स्तर काफी ऊंचा रहा। फाइनल मुकाबले सहित सभी मैचों में दर्शकों का भरपूर उत्साह देखने को मिला।

समापन समारोह में आयोजन समिति ने खिलाड़ियों, अतिथियों, स्थानीय नागरिकों और सहयोगकताओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में प्रतियोगिता को और व्यापक स्तर पर आयोजित करने की बात कही।

रामगढ़ में भाजपा का महा-उत्सव: राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के आगमन पर उमड़ा जनसैलाब, 'केसरिया' रंग में रंगा पूरा जिला!

रामगढ़,: डीके राठौर

रामगढ़ की धरती पर आज इतिहास रच गया! भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के रामगढ़ जिले में कदम रखते ही सियासत का पारा अचानक सातवें आसमान पर पहुंच गया। रविवार की सुबह जैसे ही राष्ट्रीय अध्यक्ष का काफिला रामगढ़ की सीमा में दाखिल हुआ, हजारों कार्यकताओं का जोश और उत्साह बांध तोड़कर सड़कों पर बह निकला। मौका था राष्ट्रीय अध्यक्ष के भव्य और ऐतिहासिक स्वागत का, जिसने पूरे रामगढ़ जिले को एक पल में 'उत्सव नगरी' में तब्दील कर दिया। रांची से बोकारो जाने के मार्ग में पड़ने वाले रामगढ़ के हर चौक-चौराहे पर "जय श्री राम" और "भाजपा जिंदाबाद" के गगनभेदी नारों से पूरा आसमान गूंज उठा।

?निर्मल महतो चौक पर थमीं सांसें, झूम उठे कार्यकर्ता

?राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के साथ भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू भी मौजूद थे। काफिला जैसे ही कोठार स्थित निर्मल महतो चौक पहुंचा, वहां का नजारा देखने लायक था। सैकड़ों कार्यकताओं ने दोनों शीर्ष नेताओं को पलकों पर बैठा लिया। पारंपरिक झारखंडी लोकनृत्य की थाप पर थिरकते कार्यकताओं और महिलाओं ने आसमान से फूलों की ऐसी बारिश की कि पूरी सड़क केसरिया और लाल गुलाब की पंखुड़ियों से पट गई। दोनों नेताओं ने झारखंड के अमर शहीद स्वर्गीय निर्मल महतो की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया

?कार्यकताओं में भरा जीत का मंत्र, कहा- 'अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे विकास'?अंगवस्त्र, स्मृति-चिह्न और विशाल गुलदस्तों से लादे गए राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने कार्यकताओं के इस असीम प्यार को देख गद्गद होते हुए हुंकार भरी। अपने संक्षिप्त लेकिन धारदार संबोधन में उन्होंने कहा, "भाजपा का कार्यकर्ता सिर्फ राजनीति नहीं करता, वह सेवा और राष्ट्रहित के संकल्प से जीता है।" उन्होंने कार्यकताओं को आगामी चुनौतियों के लिए तैयार रहने और केंद्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का महा-मंत्र दिया।?सांसद मनीष जायसवाल ने सौंपा 'विशेष सम्मान' ?इस ऐतिहासिक मौके पर हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के कद्दावर सांसद मनीष जायसवाल ने राष्ट्रीय अध्यक्ष का विधिवत और जोरदार अभिनंदन किया। सांसद ने उन्हें एक विशेष तस्वीर और स्मृति-चिह्न भेंट कर रामगढ़ तथा हजारीबाग की जनता की ओर से शुभकामनाएं दीं। इसके बाद काफिला छत्तर-मांडू पहुंचा, जहां दुर्गा मंदिर के पास समर्थकों की भारी भीड़ ने एक बार फिर राष्ट्रीय अध्यक्ष का पलक-पावड़े बिछाकर स्वागत किया।

?दिग्गजों का लगा तांता, शक्ति प्रदर्शन में बदले स्वागत कार्यक्रम

?इस महा-स्वागत कार्यक्रम ने भाजपा की एकजुटता और जमीनी पकड़ का अहसास करा दिया। कार्यक्रम में प्रदेश महामंत्री गणेश मिश्रा, बड़कागांव विधायक रोशन लाल चौधरी समेत जिले के तमाम दिग्गज नेता और हजारों की संख्या में बूथ स्तर के पदाधिकारी और महिला शक्ति मौजूद थी।

केक नहीं, दुआएं काटीं: समाजसेवी कृष्णा राम ने जरूरतमंदों के बीच भोजन बांटकर मनाया जन्मदिन

दिनेश कुमार रजक
रफ्तार मीडिया संवाददाता
मिहिजाम

जन्मदिन पर केक काटने और जश्न मनाने की परंपरा से हटकर समाजसेवी कृष्णा राम ने शुक्रवार रात एक अनूठी पहल की। उन्होंने चित्तरंजन रेलवे स्टेशन के समीप गरीब, असहाय और जरूरतमंद लोगों के बीच भोजन सामग्री वितरित कर अपना जन्मदिन मनाया। भोजन पाकर लोगों के चेहरों पर मुस्कान लौट आई और उन्होंने कृष्णा राम को दुआओं के साथ जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर कृष्णा ने कहा कि जीवन की खुशियां तभी सार्थक हैं जब उन्हें दूसरों के साथ साझा किया जाए। समाज में कई लोग दो वक्त की रोटी के लिए संघर्ष करते हैं। विशेष अवसरों पर थोड़ी संवेदनशीलता दिखाकर हम उनके जीवन में भी खुशियां ला सकते हैं। एक दिन का भोजन किसी भूखे के लिए अमूल्य उपहार हो सकता है। उन्होंने युवाओं से भी सामाजिक कार्यों में आगे आने का आह्वान किया। कहा कि यदि हर व्यक्ति अपने खास दिन पर एक जरूरतमंद की मदद का संकल्प ले तो बड़ा बदलाव संभव है। स्थानीय लोगों ने उनके इस मानवीय कदम की खूब सराहना की।

नानी के घर छुट्टियां मनाने आया था प्रिंस, देवनद नदी में डूबने से हुई मौत

रफ्तार मीडिया चंदवा

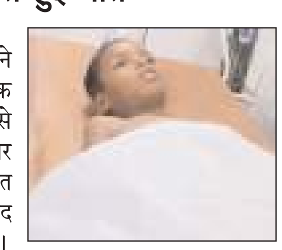

चंदवा चंदवा। गर्मी की छुट्टियां मनाने नानी के घर आया 12 वर्षीय बालक प्रिंस कुमार की देवनद नदी में डूबने से दर्दनाक मौत हो गई। यह घटना रविवार दोपहर चंदवा थाना क्षेत्र के जमीरा स्थित रोल गांव के समीप हुई। घटना के बाद पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। जानकारी के अनुसार, पलामू जिले के उंटारी निवासी महेंद्र रजवार का पुत्र प्रिंस कुमार छुट्टियां बिताने अपनी नानी के घर जमीरा आया हुआ था। रविवार को वह अपने कुछ दोस्तों के साथ देवनद नदी में नहाने गया था। नहाने के दौरान वह अचानक गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा। साथ मौजूद बच्चों के शोर मचाने पर ग्रामीण मौके पर पहुंचे और उसे बचाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी।ग्रामीणों की मदद से बच्चे को नदी से बाहर निकाला गया, लेकिन चिकित्सीय सहायता मिलने से पहले ही उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही चंदवा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।मासूम की असमय मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं स्थानीय लोगों ने नदी और जलाशयों के आसपास बच्चों की सुरक्षा को लेकर सतर्कता बरतने की आवश्यकता पर जोर दिया है। घटना ने एक बार फिर बच्चों की निगरानी और जल स्रोतों के पास सुरक्षा व्यवस्था की जरूरत को उजागर कर दिया है।

सीएलडब्ल्यू लेबर यूनियन ने रविवार को चलाया विशेष पौधारोपण अभियान

दिनेश कुमार रजक
रफ्तार मीडिया संवाददाता
चित्तरंजन

विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में रविवार को अमलादही बाजार के समीप सीएलडब्ल्यू लेबर यूनियन कार्यालय परिसर में विशेष पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। 5 जून को मनाए जाने वाले पर्यावरण दिवस को यूनियन ने एक विशेष अभियान के रूप में रविवार को मनाकर पर्यावरण संरक्षण और हरित भविष्य का संदेश दिया।

पाकुड़ में पत्थर खनन माफियायों पर बड़ा एक्शन, 13 कारोबारियों पर हुईं एफआईआर दर्ज!

रफ्तार मीडिया संवाददाता,पाकुड़

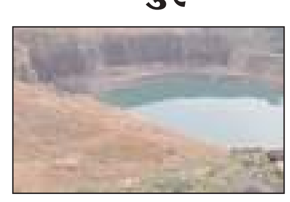

पाकुड़: जिले के खनन विभाग से एक बड़ी खबर आई हैं, जहां जिला प्रशासन ने अवैध और संदेहास्पद खनन गतिविधियों पर अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई की है। लंबे समय से पत्थर खनन माफियायों द्वारा गड़बड़ी और हेरा फेरी कर रहे 13 लोगों पर एफआईआर दर्ज कराई गईं।

13 कारोबारियों पर गिरी गाज:

जिला खनन पदाधिकारी (डीएमओ) ने नगर थाना, पाकुड़ में कुल 13 बड़े पत्थर खनन कारोबारियों के खिलाफ प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज कराई है।

दस्तावेजों में हेराफेरी:

यह कार्रवाई पत्थर खनन पट्टों (माइनिंग लीजेज) से संबंधित पर्यावरणीय स्वीकृतियों की जांच के बाद की गई है, जिसमें बड़े पैमाने पर विसंगतियां और फजीर्वाड़ा पाए जाने की आशंका है।

'परिवेश पोर्टल' से खुलेगा राज:

पुलिस और खनन विभाग की संयुक्त टीम अब मूल अभिलेखों के साथ-साथ केंद्र सरकार के परिवेश पोर्टल (परिवेश पोर्टल)पर अपलोड किए गए डिजिटल दस्तावेजों और कूट रचित रिकॉड्र्स का गहन मिलान करेगी।

बोकारो पुलिस ने 46 गुम हुए मोबाइल फोन असली मालिकों को लौटाए

दिनेश कुमार पांडेय
रफ्तार ब्यूरो
बोकारो

बोकारो पुलिस के लिए ये गर्व का पल। शहर थाना क्षेत्र में लगातार मिल रही मोबाइल गुम होने की शिकायतों पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने 46 मोबाइल फोन बरामद कर उनके असली मालिकों को वापस लौटाए हैं।

ये तस्वीरें बोकारो पुलिस के प्रेस कॉन्फ्रेंस की हैं। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि शहरी क्षेत्रों से मोबाइल गुम होने की लगातार शिकायतें मिल रही थीं। इस पर कार्रवाई करते हुए शहर क्षेत्र के सभी थाना प्रभारियों ने संयुक्त अभियान चलाया।

अभियान में तकनीकी अनुसंधान और गहन जांच के बाद कुल 46 मोबाइल फोन बरामद किए गए। आज एक कार्यक्रम आयोजित कर इन मोबाइलों को उनके असली मालिकों को सौंपा गया।

महोदय के आदेशानुसार शहरी क्षेत्रों में लगातार शिकायतें आ रही थीं मोबाइल की। उस पर कार्यवाही करते हुए शहर थाना क्षेत्र के शहर क्षेत्र के सभी थाना प्रभारियों ने लगभग 46 मोबाइल को बरामद कर आज ये कार्यक्रम रखा गया है मोबाइल को उनके जो रियल मालिक हैं उनको वापस किया जाए। इसमें कई महंगे मोबाइल भी शामिल हैं, आईफोन है, वीवो है, बहुत तरह-तरह के ब्रांड के हैं पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि अगर किसी का मोबाइल गुम होता है तो तुरंत पुलिस को सूचना दें। इसके अलावा सरकार द्वारा जारी उएक्क़ पोर्टल पर भी मोबाइल गुम होने की शिकायत दर्ज कर सकते हैं। इससे पुलिस मोबाइल ट्रैक कर जल्द बरामद करने में मदद करती है।

दो वाहनों के बीच टक्कर, एक बच्ची समेत तीन महिला जख्मी

बोकारो

बोकारो के सेक्टर 9 स्थित मुख्य सड़क मार्ग पर दो कारों के बीच हुई भीषण टक्कर में सड़क किनारे खड़ी तीन महिलाएं गंभीर रूप से घायल हो गई। सभी घायल महिलाओं को बेहतर इलाज के लिए बोकारो जनरल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हालांकि तीनों महिला खतरे से बाहर बताई जा रही है। मालूम हो कि दोपहर में दो वाहनों के बीच भीषण टक्कर हो गई, जिसके बाद एक गाड़ी असंतुलित होकर सड़क किनारे जाने लगी, तभी तीन महिलाएं दूध लाने के लिए सड़क पर जा रही थी,जिसमें टक्कर हो गई।इसके बाद तीनों लोग घटनास्थल पर ही गिर पड़े।हालांकि घटना में जो लोग जख्मी है उनमें सरस्वती देवी और रजनी कुमारी तथा एक अज्ञात महिला शामिल है।

आईआईटी (आईएसएम) में 'मार्गदर्शन 4.0': 52 संस्थानों के 520 मेधावी विद्यार्थी सम्मानित, शिक्षाविदों ने दिए स्वर्णिम करियर के मूल मंत्र

रफ्तार मीडिया संवाददाता गोवर्धन रजक धनबाद: धनबाद कोचिंग एसोसिएशन के तत्वावधान में रविवार को आईआईटी (आईएसएम) धनबाद के प्रेक्षागृह में विद्यार्थियों के शैक्षणिक, करियर चयन और व्यक्तित्व विकास के उद्देश्य से वृहद करियर सेमिनार ह्नमार्गदर्शन 4.0ह्नका भव्य आयोजन किया गया। इस ऐतिहासिक महासमागम में धनबाद जिले के 52 प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों के 520 मेधावी विद्यार्थियों को शिक्षा के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट और अद्वितीय प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में देश भर से आए नामचीन शिक्षाविदों और करियर परामर्शदाताओं ने बच्चों को भविष्य की चुनौतियों से निपटने और बेहतर करियर चुनने के अचूक मूल मंत्र दिए।

तकनीक के दौर में भी सर्वोपरि है गुरु का स्थान: कुलपति राम कुमार सिंह

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित विनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय (बीबीएमकेयू) के कुलपति राम कुमार सिंह ने दीप प्रज्वलित कर समारोह की शुरूआत की। विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए उन्होंने कहा कि सफलता का कोई संक्षिप्त मार्ग (शॉर्टकट) नहीं होता है। निरंतर कड़ा अभ्यास, कड़ा अनुशासन और सकारात्मक सोच ही जीवन में आगे बढ़ने की मुख्य कुंजी है। उन्होंने तकनीक के आधुनिक प्रभाव पर चर्चा करते हुए कहा:आज के दौर में शिक्षण संस्थान और कोचिंग सेंटर शिक्षा प्राप्त करने का एक बहुत बड़ा और सुलभ माध्यम हैं। वर्तमान वैज्ञानिक युग में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस - एआई) भी शिक्षा और ज्ञान का एक नया और शक्तिशाली साधन बनकर उभरा है। इसके बावजूद, कोई भी तकनीक साक्षात शिक्षक का विकल्प नहीं हो सकती। समाज में गुरु का स्थान सर्वोच्च है और भविष्य में भी हमेशा रहेगा। विद्यार्थियों को तकनीक का लाभ लेते हुए अपने शिक्षकों के प्रति आदर भाव बनाए रखना चाहिए।"

पटना कोचिंग विवाद पर कुलपति का बड़ा बयान: क्रोध ही विनाश का कारण

समारोह के समापन के बाद पत्रकारों से विशेष बातचीत करते हुए कुलपति राम कुमार सिंह ने हाल ही में हुए चर्चित पटना कोचिंग विवाद और शिक्षकों के आपसी टकराव पर भी अपनी बेबाक प्रतिक्रिया दी। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि इस प्रकार के अप्रिय विवाद अक्सर संस्थानों के बीच अत्यधिक व्यावसायिक प्रतिस्पर्धा और आपसी प्रतिद्वंद्विता (प्रतिस्पर्धात्मक ईर्ष्या) के कारण उत्पन्न होते हैं। उनका दृढ़ मानना है कि किसी भी परिस्थिति में मनुष्य को क्रोध को अपने मन में स्थान नहीं देना चाहिए, क्योंकि क्रोध सबसे पहले व्यक्ति की सही निर्णय लेने की क्षमता को पूरी तरह नष्ट कर देता है। उन्होंने कहा कि संयम, धैर्य और शांतिपूर्ण संवाद के माध्यम से बड़े से बड़े विवाद का समाधान संभव है।झारखंड टॉपर रशिदा नाज, पूनम कुमारी और श्रुति प्रिया झा को मिला विशेष सम्मान 'मार्गदर्शन 4.0' के गरिमामयी मंच से 520 सफल छात्र-छात्राओं को पदक और प्रमाण पत्र सौंपे गए। इस दौरान विशेष रूप से विज्ञान संकाय (साइंस स्ट्रीम) में झारखंड बोर्ड से पूरे राज्य में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली (स्टेट टॉपर) रशिदा नाज, केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की 12वीं विज्ञान परीक्षा में जिला टॉपर रहीं पूनम कुमारी और राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा (क्लैट) में देश भर में शीर्ष रैंक हासिल करने वाली होनहार छात्रा श्रुति प्रिया झा को मंच पर विशेष रूप से प्रतीक चिह्न देकर सम्मानित किया गया।

श्रमदान से बदली सड़क की तस्वीर, ग्रामीणों ने खुद बनाई 1.5 किलोमीटर राह

रफ्तार संवाददाता रंजीत पालकोट। प्रखंड के बघिमा पंचायत अंतर्गत अम्बाटोली गांव से जबरा पुल तक की जर्जर सड़क की मरम्मत के लिए जब प्रशासनिक पहल नहीं हुई, तो ग्रामीणों ने खुद ही जिम्मेदारी उठाते हुए श्रमदान के माध्यम से करीब 1.5 किलोमीटर सड़क की मरम्मत कर मिसाल पेश की।जानकारी के अनुसार, अम्बाटोली से जबरा पुल तक की सड़क लंबे समय से बदहाल स्थिति में थी। सड़क पर जगह-जगह बड़े गड्ढे बन जाने से ग्रामीणों को आवागमन में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़

रहा था। ग्रामीणों द्वारा कई बार संबंधित विभाग एवं जनप्रतिनिधियों से सड़क मरम्मत की मांग की गई, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हो सका।लगातार उपेक्षा से नाराज ग्रामीणों ने एकजुट होकर श्रमदान करने का निर्णय लिया। इसके बाद ग्रामीण कुदाल, फावड़ा और अन्य उपकरण लेकर सड़क पर उतरे तथा मिट्टी और मोरम डालकर सड़क को चलने योग्य बनाया। ग्रामीणों के सामूहिक प्रयास से करीब 1.5 किलोमीटर सड़क की मरम्मत की गई।ग्रामीणों का कहना है कि सड़क की खराब स्थिति के कारण रोजाना स्कूली बच्चों, मरीजों और आम लोगों को परेशानी उठानी पड़ती थी। प्रशासन से कई बार गुहार लगाने के बावजूद जब कोई पहल नहीं हुई, तब गांव के लोगों ने स्वयं आगे बढ़कर सड़क की मरम्मत कर दी।श्रमदान में ननकू चिक बड़ाइक, रंजीत चिक बड़ाइक, प्रदीप खड़िया, आशीष नाग, बुधनी देवी, सोमरा खड़िया, सरजू खड़िया, सावन लोहरा, मठा खड़िया, अनिल डुंगडुंग सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया।ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि अम्बाटोली से जबरा पुल तक सड़क का स्थायी निर्माण कराया जाए, ताकि क्षेत्र के लोगों को भविष्य में आवागमन संबंधी समस्याओं का सामना न करना पड़े।ग्रामीणों के इस प्रयास की क्षेत्र में सराहना हो रही है और इसे जनसहभागिता का उत्कृष्ट उदाहरण माना जा रहा है।

बाल-बाल बचे लोग, घरों तक जा पहुंचा कोयला; हाईवा दुर्घटना से तीन बिजली पोल धराशायी

रफ्तार मीडिया बालूमाथ

बालूमाथ। बालूमाथ-रांची मुख्य पथ एनएच-22 पर प्रखंड कार्यालय के समीप शनिवार देर रात हुए एक सड़क हादसे ने स्थानीय लोगों को दहशत में डाल दिया। कोयला लदा एक हाईवा अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगे तीन बिजली पोलों को तोड़ते हुए पलट गया। हादसे के समय आसपास के घरों में लोग सो रहे थे, जिससे बड़ा हादसा टल गया।जानकारी के अनुसार हाईवा संख्या जेएच 19एफ 8646 तुबेद क्षेत्र से कोयला लेकर कुसमाही साइडिंग की ओर जा रहा था। प्रखंड कार्यालय के समीप स्थित तीखे मोड़ पर चालक वाहन से नियंत्रण खो बैठा, जिसके बाद हाईवा बिजली पोलों से टकराते हुए पलट गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि वाहन में लदा कोयला आसपास के घरों और आंगनों तक जा पहुंचा।स्थानीय लोगों ने बताया कि यदि दुर्घटना कुछ मीटर इधर-उधर होती या वाहन रिहायशी मकानों की ओर बढ़ जाता तो जनहानि की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता था। घटना के बाद चालक मौके से फरार हो गया।दुर्घटना में तीन बिजली पोल क्षतिग्रस्त होने से प्रखंड कार्यालय सहित आसपास के क्षेत्रों की बिजली आपूर्ति ठप हो गई। बिजली विभाग की टीम रविवार को पूरे दिन क्षतिग्रस्त पोलों को बदलने और बिजली बहाल करने के कार्य में जुटी रही।हालांकि इस हादसे में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है, लेकिन घटना ने एक बार फिर एनएच-22 के इस तीखे मोड़ पर भारी वाहनों की तेज रफ्तार और सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से इस क्षेत्र में सुरक्षा उपाय बढ़ाने और दुर्घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने की मांग की है।

आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ा कदम: सेंट्रल बैंक के मेगा क्रेडिट शिविर में 60 महिला समूहों को 2.22 करोड़ रुपये ऋण स्वीकृत

रफ्तार मीडिया बालूमाथ

बालूमाथ बालूमाथ। ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने और वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया द्वारा शनिवार को बालूमाथ स्थित होटल प्रतीक्षा में मेगा एग्रीकल्चर क्रेडिट शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 60 स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) को कुल 2 करोड़ 22 लाख रुपये के ऋण स्वीकृति पत्र वितरित किए गए।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में क्षेत्रीय मुख्य प्रबंधक बलराम सिंह उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि बैंक का उद्देश्य केवल ऋण उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि ग्रामीण परिवारों, किसानों और महिला समूहों को आत्मनिर्भर बनाकर उन्हें आर्थिक विकास की मुख्यधारा से जोड़ना है। उन्होंने कहा कि वित्तीय समावेशन और आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को साकार करने में स्वयं सहायता समूहों की महत्वपूर्ण भूमिका है।उन्होंने बताया कि बालूमाथ शाखा के माध्यम से अब तक लगभग 400 महिला समूहों को विभिन्न ऋण योजनाओं से जोड़ा जा चुका है। शिविर के दौरान पीएम सूर्योदय योजना, साइबर अपराध से बचाव, केवाईसी एवं री-केवाईसी तथा निष्क्रिय खातों से संबंधित जानकारी भी लोगों को दी गई।विशिष्ट अतिथि बीडीओ सोमा उरांव ने महिलाओं के सामाजिक एवं आर्थिक उत्थान के लिए संचालित सरकारी योजनाओंकीजानकारी देते हुए लाभार्थियों से योजनाओंकाअधिकाधिक लाभ लेने की अपील की। वहींजेएसएलपीएस के बीपीएम सुरेंद्र कुमार ने कहा कि केसीसी एवं एसएचजी ऋण का मुख्य उद्देश्य किसानों और महिला समूहों को स्वरोजगार तथा आजीविका के बेहतर अवसर उपलब्ध कराना है।शिविर में बैंक सखी एवं जेएसएलपीएस से जुड़ी महिलाओं ने भी अपने अनुभव साझा किए और महिला सशक्तिकरण में बैंकिंग सेवाओं की भूमिका पर प्रकाश डाला।इस अवसर पर शाखा प्रबंधक राहुल कुमार शर्मा, कृषि अधिकारी तानिया शीतल, ऋण अधिकारी रितेश रंजन, सहायक प्रबंधक जितेंद्र कुमार, लेखापाल अंकुर कर्मकार, कैशियर मनीष भगत, क्लस्टर समन्वयक अशेश्वर प्रजापति सहित बड़ी संख्या में महिला समूहों की सदस्य और ग्रामीण उपस्थित रहे।

सैकड़ो समर्थकों के साथ राजू दूबे ने ग्रहण की भाकपा माले की सदस्यता

दिनेश कुमार पांडेय
रफ्तार ब्यूरो
बोकारो

भाकपा (माले) लिब्रेशन द्वारा सेक्टर 8 में एक सभा का आयोजन किया गया। सभा के दौरान निरसा विधायक अरूप चटर्जी के समक्ष बोकारो के चर्चित रहे राजू दूबे ने सैकड़ों कार्यकताओं के साथ भाकपा माले का दामन थाम लिया। मौके पर आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित निरसा विधायक अरूप चटर्जी ने कहा कि राजू दूबे के पार्टी में आने से संगठन को मजबूती मिलेगी। शहरी क्षेत्रों के अलावे ग्रामीण क्षेत्रों में भी इनके नेतृत्व से पार्टी मजबूत होगी। उन्होंने कहा है सभी चुनावों में पार्टी मजबूती से खड़ी होगी। दूसरी ओर राजू दूबे ने कहा कि मैने कई दलों में रहकर संगठनों को मजबूत किया लेकिन जनसमस्याओं, मजदूरों,विस्थापितों के समस्याओं की जब बात आयी तो वे निराकरण नहीं कर पाये। इसलिए हमने माले में जब देखा तो लगा कि गरीबों के हितैषी वाली पार्टी है। विधायक अरूप चटर्जी ने हमेशा लोगों के साथ खड़ा रहने का काम किया है। आज मैं हजारों लोगों के साथ पार्टी की सदस्यता ग्रहण किया है, लोगों की समस्याओं को लेकर आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि बोकारो में विस्थापन , मजदूरों को वेतन, उनकी सुरक्षा, सवार्गीण विकास हमारी प्राथमिकता होगी।

मसलिया मे भाजपा मंडल बैठकों में संगठन विस्तार और योग दिवस पर चर्चा

रफ्तार मीडिया ,कुमार विक्रम

दुमका जिला के भाजपा मसलिया पूर्वी मंडल की बैठक रविवार को दलाही पार्टी कार्यालय में मंडल अध्यक्ष सहदेव मरांडी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। वहीं पश्चिमी मंडल की बैठक आश्रममोड़ स्थित पार्टी कार्यालय में मंडल अध्यक्ष नंदकिशोर मंडल की अध्यक्षता में आयोजित की गई। दोनों बैठकों में जिला महामंत्री बिमल मरांडी मुख्य रूप से उपस्थित रहे। बैठक में संगठन विस्तार और अधिक कार्यकताओं को जोड़ने पर विस्तृत चर्चा हुई। पश्चिमी मंडल अध्यक्ष नंदकिशोर मंडल ने कहा कि वर्तमान सरकार की दमनकारी नीतियों से लोग परेशान हैं और भाजपा को पीड़ित, शोषित तथा वंचित लोगों की मदद के लिए आगे आना होगा। उन्होंने कार्यकताओं से संगठन को मजबूत बनाने का आह्वान किया।बैठक में 21 जून को विश्व योग दिवस को सफल बनाने पर भी सहमति बनी। पूर्वी मंडल अध्यक्ष सहदेव मरांडी ने कार्यकताओं से अपील की कि 21 जून तक प्रतिदिन फलदार और छायादार पौधे लगाकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पर्यावरण संकल्प को पूरा किया जाए।बैठक में सुबल यादव, राजेश कुमार दत्ता, कृष्णा मंडल, कुन्दन टुडू, कृष्णा माझी, सुदर्शन राय, जितेश्वर हांसदा, हेमगोपाल मंडल, नदिया ननद यादव, हराधन ठाकुर, भुवनेश्वर टुडू, विभीषण हांसदा, तापस कुमार नन्दी, कमल किशोर यादव, राजेश पुजहर, कृष्णा

मनिका में आजसू का शक्ति प्रदर्शन, महिलाओं की रही बड़ी भागीदारी

लातेहार, संवाददाता। आजसू पार्टी ने रविवार को मनिका प्रखंड में शक्ति प्रदर्शन किया। पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश महतो के लातेहार आगमन पर जिलाध्यक्ष अमित पांडेय के नेतृत्व में कार्यकताओं ने समाहरणालय गेट के समीप उनका भव्य स्वागत किया। इसके बाद मनिका स्थित प्रखंड अध्यक्ष नंदन कुमार गुप्ता के आवासीय परिसर में महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष रीमा देवी की अध्यक्षता में कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कार्यक्रम का संचालन जिला सचिव वीरेंद्र ठाकुर ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन नंदन कुमार गुप्ता ने दिया। कार्यक्रम में महिलाओं की भागीदारी उल्लेखनीय रही। मुख्य अतिथि सुदेश महतो ने अपने संबोधन में राज्य की वर्तमान सरकार और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर तीखा प्रहार किया।

उन्होंने कहा, "सरकार अपने चुनावी वादों को पूरा करने में विफल रही है। राज्य की जनता, विशेषकर महिलाओं और किसानों की अपेक्षाओं की लगातार उपेक्षा की जा रही है।" महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष रीमा देवी ने मंईयां सम्मान योजना पर सवाल उठाते हुए कहा कि यह योजना महिलाओं को भ्रमित करने का कार्य कर रही है। उन्होंने महिलाओं से किसी भी प्रकार के झांसे में नहीं आने की अपील की। आजसू के प्रमुख प्रवक्ता डॉ. देवशरण भगत ने कहा कि आजसू केवल एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि झारखंडी अस्मिता का आंदोलन है। "झारखंड का युवा अब अपने अधिकारों और भविष्य को लेकर जागरूक हो चुका है। पलामू प्रमंडल से पलायन, बेरोजगारी और शोषण को समाप्त करने के लिए आजसू प्रतिबद्ध है," उन्होंने कहा। कार्यक्रम को केंद्रीय महासचिव संजय मेहता, उमेश सिंह भोक्ता, केंद्रीय उपाध्यक्ष प्रवीण प्रभाकर, लातेहार जिलाध्यक्ष अमित पांडेय ने भी संबोधित किया इस अवसर पर उपाध्यक्ष विजेंद्र दास, जिला कोषाध्यक्ष सदाम अंसारी, नगर अध्यक्ष विकास साहू, युवा जिला प्रभारी मुकेश यादव, लातेहार प्रखंड अध्यक्ष अमर उरांव, गारू प्रखंड अध्यक्ष आशीष सिंह, चंदवा प्रखंड से राजा दुबे, बालूमाथ प्रखंड अध्यक्ष शंकर उरांव समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश महतो सहित अन्य अतिथियों को फूल-माला एवं अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया।

अशोकनगर शिव मंदिर में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन जी का भव्य स्वागत

आज अशोकनगर स्थित शिव मंदिर प्रांगण में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष Nitin Nabin के आगमन पर श्रद्धा, उत्साह और आत्मीयता का अद्भुत वातावरण देखने को मिला। यह स्थान नितिन नवीन जी के जीवन से भी विशेष रूप से जुड़ा हुआ है, क्योंकि उनका विवाह समारोह भी इसी पावन शिव मंदिर परिसर में संपन्न हुआ था। माननीय Deepak Prakasके नेतृत्व में शिव मंदिर के पुजारियों, शिवभक्तों एवं भाजपा कार्यकताओं ने नितिन नवीन जी का पुष्पगुच्छ, अंगवस्त्र एवं जयघोष के साथ भव्य

स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस अवसर पर भाजपा के अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे, जिनमें हर्ष भैया, उपाध्यक्षगण एवं अन्य सम्मानित साथी भी शामिल थे। नितिन नवीन जी का व्यक्तित्व उनकी सादगी, सहजता और कार्यकताओं के प्रति आत्मीय व्यवहार के लिए विशेष रूप से जाना जाता है। राष्ट्रीय अध्यक्ष जैसे महत्वपूर्ण पद पर आसीन होने तथा पूर्व में पाँच बार विधायक रहने के बावजूद उनमें किसी प्रकार का अहंकार नहीं है। वे प्रत्येक कार्यकर्ता से आत्मीयता के साथ मिलते हैं, उनका सम्मान करते हैं तथा संगठन की शक्ति को सर्वोपरि मानते हैं। यही गुण उन्हें कार्यकताओं के बीच अत्यंत लोकप्रिय बनाते हैं। यशस्वी प्रधानमंत्री Narendra Modi के नेतृत्व में तथा माननीय Amit Shah एवं Rajnath Singh के मार्गदर्शन में भारतीय जनता पार्टी "सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास" के मंत्र के साथ निरंतर आगे बढ़ रही है।

प्रतिबंधित पशु के अवशेष एवं धार्मिक स्थल तोड़फोड़ मामले को लेकर जमुआ थाना में शांति समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित

गिरिडीह/रेम्बा रप्तार संवादाता पवन कुमार राम

गिरिडीह जिले के जमुआ थाना क्षेत्र चरघारा पंचायत तीनमहुआ गांव में हाल ही में सामने आए प्रतिबंधित पशु के अवशेष मिलने तथा धार्मिक स्थल में तोड़फोड़ के मामले को लेकर रविवार को जमुआ थाना परिसर में एक महत्वपूर्ण शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र में शांति, सौहार्द और आपसी भाईचारा बनाए रखना था।

बैठक की अध्यक्षता खोरीमहुआ के अनुमंडल पदाधिकारी समीर रेनिल खालको (एसडीएम) ने की, जबकि संचालन जमुआ अंचल पुलिस निरीक्षक प्रदीप दास द्वारा किया गया। इस दौरान दोनों समुदायों के गणमान्य नागरिकों, बुद्धिजीवियों, समाजसेवियों एवं विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक में लगभग सैकड़ों

की संख्या में लोग उपस्थित रहे। इस अवसर पर एसडीपीओ अमरेंद्र कुमार जमुआ अंचल पुलिस निरीक्षक प्रदीप कुमार दास एवं जमुआ थाना प्रभारी विभूति देव की पहल की सराहना की गई, जिनके प्रयासों से दोनों समुदायों के लोगों को एक मंच पर लाकर संवाद स्थापित किया गया। बैठक में उपस्थित लोगों ने क्षेत्र में शांति और सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाए रखने पर विशेष जोर दिया। प्रशासनिक अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि मामले की निष्पक्ष जांच की जा रही है और जो भी दोषी पाए जाएंगे, उनके विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

बैठक के दौरान पुलिस प्रशासन ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान नहीं देने तथा किसी भी प्रकार की भ्रामक सूचना मिलने पर तुरंत प्रशासन को सूचित करने की अपील की। अधिकारियों ने कहा कि समाज में आपसी विश्वास और भाईचारे को मजबूत करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

दोनों समुदायों के प्रतिनिधियों ने भी प्रशासन के समक्ष अपने विचार रखे और क्षेत्र में शांति बनाए रखने के लिए सहयोग का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि कुछ असामाजिक तत्वों की वजह से समाज का माहौल खराब नहीं होने दिया जाएगा और सभी लोग मिल-जुलकर क्षेत्र की एकता एवं अखंडता को बनाए रखेंगे।

बैठक के अंत में प्रशासन की ओर से सभी उपस्थित लोगों को आश्वस्त किया गया कि मामले की गहन जांच की जा रही है तथा दोषियों की पहचान कर जल्द ही उचित कार्रवाई की जाएगी। साथ ही क्षेत्र में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस की निगरानी भी बढ़ाई जाएगी।

जगदेव बाबू के आदर्शों पर ही समतामूलक समाज की स्थापना संभव: अशोक

दिनेश कुमार पांडेय
रफ्तार ब्यूरो
बोकारो

समाजिक समन्वय समिति बोकारो द्वारा आयोजित विचार गोष्ठी-शहीद जगदेव बाबू के विचार और हमारा बहुसंख्यक समाज का आयोजन कुशवाहा भवन चास में किया गया।

इस संगोष्ठी का उदधाटन सभा अध्यक्ष अधिवक्ता अशोक कुमार महतो, ललन आनंदकर, राम सागर दास, अवधेश कुमार सिंह, सुरेश बैठा, कुंवर सिंह कुशवाहा, रेणु प्रसाद, रामाश्रय प्रसाद, अधिवक्ता रविन्द्र प्रसाद सिंह आदि लोगों ने भारत लेनिन अमर शहीद जगदेव बाबू के प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्जवलित और माल्यार्पण कर किया। इस संगोष्ठी के वक्ताओं ने जगदेव बाबू के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर चर्चा करते हुए उनके नारों और संदेशों का समाजिक आर्थिक और सांस्कृतिक प्रभाव पर प्रकाश डाला।

जगदेव बाबू के नारे -

दो बातें हैं मोटी मोटी, सबको इज्जत सबको रोटी के माध्यम से जगदेव बाबू ने समाजिक विषमता को उजागर किया तो सौ में नब्बे शोषित हैं, नब्बे भाग हमारा है के नारे के माध्यम से अपनी राजनीतिक और सामाजिक भागीदारी की बात कही। भारतीय समाज में जातिगत भेदभाव को मिटाने के लिए मानववाद की क्या पहचान, ब्रह्मण भंगी एक समान की वकालत किया। संगोष्ठी के मुख्य वक्ता संजय शान, मनोज कुमार, ए पी वर्मा, राम गहन सिंह, श्रीचंद प्रसाद, देव कुमार, रामाशंकर, सरयु प्रसाद, मीना बागी, रामजी रजक, सुखदेव रजक, लालबाबु यादव, के एक पी वर्मा आदि लोगों ने संबोधित किया। इस अवसर पर समाजिक कार्यों में विशेष योगदान देने के लिए कई लोगों को शहीद जगदेव बाबू सम्मान से सम्मानित किया गया।

सभा का संचालन सुनील गांधी और ललन आनंदकर ने किया। संगोष्ठी को सफल बनाने में सुनील प्रसाद, धर्मेंद्र पटेल, अरुण कुमार सिंह, सिद्धार्थ, अखिलेश कुमार सिंह, अमरेंद्र कुमार सिंह, यशवंत सिंह आदि लोगों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

राज्यसभा चुनाव: रवि पीटर ने नामांकन से लिया यू-टर्न, परिमल नाथवानी को दिया समर्थन

बाइलाइनः वरिय संवाददाता
शंकर ठाकुर रांची

रांची// झारखंड में दो राज्यसभा सीटों के चुनाव को लेकर सियासी समीकरण तेजी से बदल रहे हैं। नामांकन प्रक्रिया के बीच उनगुलान मोर्चा के नेता रवि पीटर ने बड़ा सियासी उलटफेर कर दिया है। नामांकन पत्र खरीदने और पूरी तैयारी के बावजूद उन्होंने आखिरी वक्त पर पर्चा दाखिल करने से इनकार कर दिया। मोराबादी स्थित एक निजी होटल में प्रेस वार्ता कर रवि पीटर ने अपने फैसले की घोषणा की। उन्होंने पूर्व राज्यसभा सांसद परिमल नाथवानी को समर्थन देने की अपील की है। रवि पीटर ने कहा, ह्लमैंने राज्यसभा के लिए नामांकन पत्र खरीदा था। मेरी पूरी तैयारी थी। लेकिन झारखंड के हित को देखते हुए मैंने फैसला बदला है। मैं नामांकन दाखिल नहीं कर रहा हूं। मैं सभी से अपील करता हूं कि पूर्व राज्यसभा सांसद परिमल नाथवानी जी को समर्थन दें। वे झारखंड के लिए काम कर चुके हैं और आगे भी करेंगे।

राज्यसभा चुनाव 2026 को लेकर सभी प्रमुख दलों के साथ निर्दलीय उम्मीदवारों ने भी नामांकन पत्र खरीद लिए हैं। रवि पीटर की एंट्री से मुकाबला त्रिकोणीय होने की अटकलें थीं। लेकिन उनके अचानक बैकआउट से सियासी गलियारों में चचाओं का बाजार गर्म हो गया है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि परिमल नाथवानी निर्दलीय तौर पर मैदान में उतर सकते हैं। उद्योग जगत से जुड़े नाथवानी के झामुमो और कांग्रेस दोनों खेमों में अच्छे संबंध माने जाते हैं। रवि पीटर के समर्थन के बाद उनकी दावेदारी मजबूत मानी जा रही है।

रवि पीटर के इस कदम को सियासी डील से भी जोड़कर देखा जा रहा है। सवाल उठ रहे हैं कि आखिर नामांकन से ठीक पहले उनका मन क्यों बदला। क्या उनगुलान मोर्चा ने किसी रणनीति के तहत कदम पीछे खींचा है?

झारखंड में राज्यसभा की दो सीटों के लिए चुनाव होना है। एक सीट जीतने के लिए 27 विधायकों का समर्थन जरूरी है। झामुमो गठबंधन के पास 40 और भाजपा के पास 21 विधायक हैं। कांग्रेस के 16 विधायक हैं। ऐसे में निर्दलीय उम्मीदवार के आने से क्रॉस वोटिंग की आशंका भी बढ़ गई है।

राज्यसभा चुनाव का गणित

- कुल सीटः 2
- जीत के लिए जरूरीः 27 वोट प्रति सीट
- खटट+ गठबंधनः 40 विधायक
- भाजपाः 21 विधायक

दमदमी माइंस के गड्ढे में डूबकर युवक की मौत मामले में प्राथमिकी दर्ज, माइंस संचालक समेत तीन पर आरोप

हुसैनाबाद ,पलामूः
हुसैनाबाद थाना क्षेत्र के दमदमी स्थित खनन क्षेत्र में बने गहरे जलभरावयुक्त गड्ढे में डूबने से 24 वर्षीय लवकुश कुमार की मौत के मामले में पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर ली है। प्राथमिकी में माइंस संचालक समेत तीन लोगों को आरोपी बनाया गया है। मामला अंचल अधिकारी जपला पंकज कुमार के आवेदन पर दर्ज किया गया है। प्राथमिकी के अनुसार, दमदमी माइंस में खनन कार्य के बाद बने गहरे गड्ढों को सुरक्षित नहीं किया गया था और न ही वहां

आम लोगों के प्रवेश को रोकने के लिए पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। आरोप है कि खनन क्षेत्र में सुरक्षा मानकों की अनदेखी के कारण ही युवक की जान गई।एफआईआर में कहा गया है कि 3 जून को लवकुश कुमार की डूबने से मौत होने के बाद प्रशासनिक जांच की गई। जांच में पाया गया कि जिस स्थान पर घटना हुई, वह खनन गतिविधियों के कारण बना गहरा गड्ढा था, जिसमें पानी भरा हुआ था। संबंधित क्षेत्र में सुरक्षा घेराबंदी, चेतावनी बोर्ड तथा अन्य आवश्यक सुरक्षात्मक उपाय नहीं किए गए थे।मामले में दमदमी माइंस से जुड़े सुनील कुमार सिंह, लोकेश कुमार सिंह तथा एक अन्य जिम्मेदार व्यक्ति को नामजद आरोपी बनाया गया है। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 106, 125 एवं 3(5) के तहत कांड संख्या 125/2026 दर्ज किया है।

प्राथमिकी में यह भी उल्लेख किया गया है कि खनन पट्टा धारकों और संचालकों की जिम्मेदारी है कि खनन क्षेत्र में बने गड्ढों एवं संभावित खतरनाक स्थानों की सुरक्षा सुनिश्चित करें, ताकि किसी प्रकार की जनहानि न हो। लेकिन सुरक्षा व्यवस्था में कथित लापरवाही के कारण यह दुखद घटना हुई।हुसैनाबाद थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू कर दिया है। पुलिस का कहना है कि मामले के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है तथा जांच के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

गौरतलब है कि सोहेया पहाड़ स्थित खनन क्षेत्र में बने गहरे गड्ढे में डूबने से लवकुश कुमार की मौत के बाद क्षेत्र में काफी आक्रोश देखने को मिला था। स्थानीय लोगों ने मृतक के परिजनों को उचित मुआवजा देने तथा जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई की मांग की थी। अब प्राथमिकी दर्ज होने के बाद मामले की जांच और कानूनी प्रक्रिया आगे बढ़ेगी।

चांपी घाटी में लोहे की प्लेट लदा ट्रक पलटा, केबिन में फंसे तीन लोगों का रेस्क्यू

लातेहार, संवाददाता। चंदवा थाना क्षेत्र के लुकिया मोड़ से लोहरदगा रोड स्थित चांपी पथ पर शनिवार को लोहे की प्लेट लदा एक ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में चालक समेत तीन लोग ट्रक के केबिन में बुरी तरह फंस गए। सूचना मिलते ही चंदवा थाना प्रभारी अशोक सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और राहत-बचाव कार्य शुरू किया। इसी दौरान युवा समाजसेवी सह झारखंड मुक्ति मोर्चा लातेहार अल्पसंख्यक उपाध्यक्ष मोहम्मद नौशाद आलम (नौशाद अंसारी) भी घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने तत्काल गैस कटर की व्यवस्था कराई। कई घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद क्षतिग्रस्त केबिन को काटकर तीनों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। घायलों की पहचान चालक धर्मेंद्र कुमार (23 वर्ष), पिता उदय यादव, ग्राम जबड़ा, चतरा के रूप में हुई। धर्मेंद्र ने बताया कि वह राउरकेला से लोहे की प्लेट लेकर आ रहा था। चांपी घाटी में अचानक वाहन का संतुलन बिगड़ गया और ट्रक सड़क किनारे पलट गया। हादसे में ट्रक में लिफ्ट लेकर सफर कर रहे रामधारी यादव (40 वर्ष), पिता जगदेव यादव, इटखोरी, चतरा तथा सत्येंद्र यादव (22 वर्ष), पिता महावीर यादव, छतरपुर, पलामू भी गंभीर रूप से घायल हो गए। रेस्क्यू के बाद तीनों घायलों को चंदवा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर स्थिति को देखते हुए सभी को बेहतर इलाज के लिए रिम्स, रांची रेफर कर दिया गया बचाव अभियान में मोहम्मद नौशाद आलम, शमशाद आलम, इरशाद, दिलशाद, अंकित, राजेश, आर्यन पांडेय, अभिषेक समेत कई स्थानीय युवाओं ने सक्रिय भूमिका निभाई। चंदवा पुलिस की तत्परता और स्थानीय लोगों के सहयोग से एक बड़ा हादसा टल गया।

जामताड़ा परिसदन साभार में झामुमो जिला समिति की हुई अहम बैठक, एसएआर प्रशिक्षण को लेकर बनी रूपरेखा, महासचिव विनोद पांडे होंगे शामिल

एसएआर प्रशिक्षण के जरिए कार्यकताओं को मिलेगी नई धार : झामुमो

दीनबंधु राउत / रफ्तार मीडिया संवाददाता जामताड़ा : झारखंड मुक्ति मोर्चा जिला समिति ने जामताड़ा परिसदन साभार में रविवार को एसएआर प्रशिक्षण एवं बूथ कमेटी सम्मेलन को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष नरेंद्र मुर्मू ने की। बैठक में आगामी 11 जून 2026 को आयोजित होने वाले कार्यकर्ता सम्मेलन को सफल बनाने तथा एसएआर कार्यक्रम को बूथ स्तर तक प्रभावी ढंग से संचालित करने की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में जिला समिति, केंद्रीय समिति के सदस्य, प्रखंड अध्यक्ष, प्रखंड सचिव, नगर अध्यक्ष एवं नगर सचिव समेत बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता

उपस्थित रहे। इस दौरान संगठन की मजबूती, बूथ कमेटियों की सक्रियता, कार्यकताओं के प्रशिक्षण तथा सम्मेलन की तैयारियों को लेकर विचार-विमर्श किया गया।उपस्थित नेताओं एवं कार्यकताओं ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए अपने-अपने सुझाव भी दिए।वही जिला अध्यक्ष नरेंद्र मुर्मू ने कहा कि एसएआर प्रशिक्षण कार्यक्रम संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि पार्टी की शक्ति बूथ स्तर के कार्यकताओं में निहित है और प्रशिक्षण के माध्यम से उन्हें संगठन की नीतियों, कार्यक्रमों तथा जनसंपर्क की बेहतर जानकारी दी जाएगी। नरेंद्र मुर्मू ने कहा कि झामुमो हमेशा से जनता के मुद्दों को प्राथमिकता देने वाली पार्टी रही है। एसएआर प्रशिक्षण के माध्यम से कार्यकताओं की क्षमता और नेतृत्व कौशल का विकास होगा। हमारा लक्ष्य है कि प्रत्येक बूथ पर संगठन की मजबूत और सक्रिय इकाई तैयार हो। सभी कार्यकर्ता सम्मेलन में बढ़-चढ़कर भाग लें और इसे ऐतिहासिक बनाएं। बैठक को संबोधित करते हुए झामुमो नेता सह जिला कोषाध्यक्ष प्रदीप कुमार मंडल ने कहा कि एसएआर प्रशिक्षण कार्यक्रम कार्यकताओं को संगठनात्मक रूप से सशक्त करने का प्रभावी माध्यम साबित होगा। उन्होंने कहा कि मजबूत बूथ कमेटियां ही पार्टी की वास्तविक ताकत होती हैं और इन्हीं के आधार पर संगठन जनता के बीच अपनी पहुंच को और मजबूत कर सकता है। प्रदीप मंडल ने कहा कार्यकताओं को प्रशिक्षित और जागरूक बनाना समय की आवश्यकता है। एसएआर कार्यक्रम के जरिए संगठन के प्रत्येक स्तर पर समन्वय और कार्यकुशलता बढ़ेगी। बूथ कमेटियों की सक्रिय भागीदारी से पार्टी को जमीनी स्तर पर नई ऊर्जा मिलेगी। सभी कार्यकताओं को सम्मेलन की सफलता के लिए अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए।बैठक में यह भी जानकारी दी गई कि झारखंड मुक्ति मोर्चा के महासचिव विनोद पांडे 11 जून को आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन में मुख्य रूप से शामिल होंगे। उनके आगमन को लेकर स्वागत, कार्यक्रम संचालन तथा विभिन्न व्यवस्थाओं की जिम्मेदारियां भी तय की गईं। पार्टी नेताओं ने विश्वास जताया कि यह सम्मेलन संगठन को और अधिक सशक्त बनाने में मील का पत्थर साबित होगा। बैठक में जिला उपाध्यक्ष रविंद्र नाथ दुबे, जिला उपाध्यक्ष प्रो. कैलाश प्रसाद, जिला सचिव परेश यादव, नगर अध्यक्ष किशोर रवानी,जिला उपाध्यक्ष इम्तियाज अंसारी, जिला प्रवक्ता सह केंद्रीय समिति सदस्य आनंद टुडु, बासुदेव मरांडी, लालू अंसारी, अल्पसंख्यक जिला अध्यक्ष सगीर खान, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष मेरी मरांडी,देवीषण हांसदा सहित छह प्रखंडों के प्रखंड अध्यक्ष एवं सचिव तथा दो नगर इकाइयों के अध्यक्ष एवं सचिव उपस्थित थे।

15 साल बाद आई राहत: पांचगछिया के कदमतला में पेयजल संकट दूर करने को शुरू हुआ काम, ग्रामीणों में खुशी की लहर

दिनेश कुमार रजक
रफ्तार मीडिया संवाददाता
चित्तरंजन

बाराबनी विधानसभा क्षेत्र की पांचगछिया ग्राम पंचायत के बी-ब्लॉक स्थित कदमतला इलाके में पिछले करीब 15 साल से चली आ रही पेयजल समस्या के समाधान की पहल शुरू होते ही ग्रामीणों के चेहरे खिल उठे। लंबे समय से स्थायी समाधान न होने के कारण लोगों को पानी के लिए कड़ी मशक्कत करनी पड़ रही थी। इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए भाजपा विधायक अरिजीत रॉय के नेतृत्व में भाजपा जिला नेता अभिजीत रॉय ने कदमतला क्षेत्र का दौरा किया। क्षेत्र में बुलडोजर और मशीनरी पहुंचने पर कुछ लोगों को तोड़फोड़ की आशंका हुई, लेकिन अभिजीत रॉय ने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि किसी का घर नहीं तोड़ा जाएगा। उन्होंने कहा कि यह कार्य जनता से किए गए वादे को पूरा करने के लिए शुरू किया जा रहा है, जिसका मकसद पेयजल व्यवस्था को बेहतर बनाना है। इसके बाद पेयजल व्यवस्था सुधारने के लिए आवश्यक कार्य तुरंत शुरू कर दिया गया। इस पहल से पूरे इलाके में खुशी का माहौल बन गया। ग्रामीणों ने विधायक अरिजीत रॉय और नेता अभिजीत रॉय का आभार जताते हुए कहा कि यह वर्षों पुरानी समस्या के समाधान की दिशा में बड़ा कदम है। मौके पर बड़ी संख्या में महिलाएं, स्थानीय निवासी और भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

ग्रुप लोन के बोझ से एक व्यक्ति ने की थी आत्महत्या, फॉरवर्ड ब्लॉक ने खोला मोर्चा

रफ्तार मीडिया सवाददाता राजु मंडल गांडेय।
गांडेय प्रखंड के रसनजोरी पंचायत अंतर्गत कोलडीह गांव में ग्रुप लोन के मानसिक दबाव के चलते एक यव्यक्ति द्वारा आत्महत्या कर लिए जाने का मामला सामने आने पर । मृतक की पहचान मितन दास के रूप में हुई थी । इस हृदयविदारक घटना के बाद क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है।

आर्थिक तंगी और लोन का दबाव बना जानलेवा

परिजनों के अनुसार, आर्थिक तंगी से जूझ रहे मितन दास ने जीवन यापन के लिए अलग-अलग संस्थाओं से 50-50 हजार रुपये के चार लोन ले रखे थे। परिजनों ने बताया कि लोन की किस्तों को चुकाने का भारी दबाव और लगातार आर्थिक तंगी ने मितन को मानसिक रूप से तोड़ दिया था, जिसके चलते उन्होंने यह आत्मघाती कदम उठा लिया।

सरकार पर भड़के राजेश यादव

घटना की सूचना मिलते ही पूर्व जिप सदस्य एवं फॉरवर्ड ब्लॉक के जिला संयोजक राजेश यादव मृतक के घर पहुंचे और शोकाकुल परिजनों को ढांढस बंधाया। सरकार पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि यदि शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सुविधाएं गरीबों को उपलब्ध होतीं, तो उन्हें कर्ज के जाल में नहीं फंसना पड़ता। उन्होंने सवाल उठाया कि बड़े उद्योगपतियों का करोड़ों का कर्ज माफ करने वाली सरकार गरीबों के प्रति उपेक्षा क्यों बरत रही है।

लोन माफी के लिए व्यापक अभियान की चेतावनी

राजेश यादव ने मृतक परिवार का समस्त ऋण माफ करने और उन्हें उचित सरकारी मुआवजा देने की मांग की है। उन्होंने स्पष्ट किया कि पार्टी अब राज्य के गरीब परिवारों के 'ग्रुप लोन' को माफ कराने के लिए एक व्यापक आंदोलन शुरू करेगी। उन्होंने आम जनता से इस मानवीय मुद्दे पर एकजुट होने का आह्वान किया। माइक पर विजय कुमार, परमेश्वर दास, रामधन दास, चौधरी दास, सिद्याल दास, संजय राणा, शंकर दास, किशोर दास, शांति देवी, सुराजी देवी, सुगिया देवी, पोतो देवी सहित गांव के अन्य लोग मौजूद रहे।

संडे ऑन साइकिल: सलानपुर में गूंजा फिटनेस का जुनून, वर्ल्ड बाइसिकल डे पर सैकड़ों साइकिलें दौड़ीं

दिनेश कुमार रजक
रफ्तार मीडिया संवाददाता
चित्तरंजन

प्रधानमंत्री के फिट इंडिया मूवमेंट को धरातल पर उतारते हुए रविवार सुबह सलानपुर ब्लॉक में वर्ल्ड बाइसिकल डे 2026 के अवसर पर संडे ऑन साइकिल स्पेशल एडिशन का आयोजन हुआ। पश्चिम बंगाल सरकार के युवा कल्याण एवं क्रीड़ा विभाग की पहल पर अछरा जोगेश्वर इंस्टीट्यूट परिसर से अछरा पंचायत कार्यालय तक भव्य साइकिल रैली निकाली गई। सुबह 7 बजे शुरू हुई इस रैली का मकसद आम नागरिकों और छात्रों के बीच फिजिकल फिटनेस को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाना था। ताजी हवा के बीच अछरा जोगेश्वर इंस्टीट्यूट और अछरा राय बलराम हाई स्कूल के शिक्षक-छात्र, समाजसेवी संस्थाओं से जुड़े लोग और स्थानीय नागरिकों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। ब्लॉक यूथ ऑफिसर उदय कुमार पाल, अछरा जोगेश्वर इंस्टीट्यूट के प्रधान शिक्षक सभ्यसाची महाता, स्वास्थ्य कर्मी रुमाली दास समेत कई गणमान्य लोग साइकिल लेकर इस मुहिम में शामिल हुए। सभी ने पर्यावरण संरक्षण और शारीरिक स्वास्थ्य का संदेश दिया। सलानपुर ब्लॉक युवा कल्याण कार्यालय के प्रयासों से सफल हुए इस आयोजन ने यह साबित किया कि व्यस्त जीवनशैली के बावजूद स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहना जरूरी है। 2019 में शुरू हुए फिट इंडिया मूवमेंट के मूल मंत्र फिटनेस की आजादी को इस साइकिल रैली ने नई रफ्तार दी।

धनबाद में चंद्रवंशी समाज की राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक, संगठन विस्तार और एकजुटता पर बल

रफ्तार मीडिया संवाददाता गोवर्धन रजक धनबाद। अखिल भारतीय क्षत्रिय चंद्रवंशी समाज की राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक का आयोजन स्थानीय उत्सव भवन में किया गया। बैठक की अध्यक्षता समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक आजाद ने की। इस बैठक में देश के विभिन्न हिस्सों से आए चंद्रवंशी समाज के प्रतिनिधियों और प्रबुद्ध जनों ने हिस्सा लिया। बैठक के दौरान संगठन के विस्तार, सामाजिक मजबूती और समाज को सशक्त बनाने के उपायों पर गंभीर मंथन किया गया।बैठक में मुख्य रूप से आगामी राष्ट्रीय परिषद की बैठक की तिथि और स्थान के निर्धारण को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। इसके साथ ही संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने, नए सदस्यों को जोड़ने और समाज की एकजुटता को बढ़ाने पर विशेष रणनीति तैयार की गई।बैठक को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक आजाद ने कहा कि समाज के सर्वांगीण विकास के लिए युवाओं और महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करना आवश्यक है। वहीं, युवा प्रदेश अध्यक्ष आकाश कुमार रवानी ने युवाओं को संगठित कर सामाजिक कार्यों में आगे आने का आह्वान किया। बैठक के अंत में समाज के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव भी पारित किए गए।

मांडर गैंगरेप कांड का 8 घंटे में खुलासा, 8 आरोपी गिरफ्तार, एक नाबालिग हिरासत में

रफ़्तार संवाददाता अभिषेक गुप्ता मांडर। मांडर थाना क्षेत्र के करगे गांव में हुए सामूहिक दुष्कर्म मामले का पुलिस ने महज आठ घंटे के भीतर खुलासा करते हुए आठ आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। वहीं मामले में संलिप्त एक 15 वर्षीय नाबालिग को किशोर न्याय अधिनियम के तहत हिरासत में लिया गया है। पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई को बड़ी सफलता माना जा रहा है।

गिरफ्तार आरोपियों में आयुष उरांव (22), प्रकाश मुंडा उर्फ पापड़ मुंडा (19), रामलूस कुजूर (23), रंजीत उरांव (24), उमेश भगत (23), दीपक उरांव (19), राम उरांव (19) तथा विकास उरांव (23) शामिल हैं। एक 15 वर्षीय नाबालिग की संलिप्तता पाए जाने पर उसे भी हिरासत में लिया गया है। जानकारी के अनुसार, 6 जून को पीड़िता ने मांडर थाना में लिखित आवेदन देकर अपने साथ सामूहिक दुष्कर्म होने की शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के आधार पर प्राथमिकी दर्ज करते हुए वरीय पुलिस अधीक्षक रांची के निर्देश पर खलारी डीएसपी रामनारायण चौधरी के नेतृत्व में एक विशेष जांच टीम का गठन किया गया। गठित टीम में पुलिस निरीक्षक जयप्रकाश राणा, मांडर थाना प्रभारी मनोज करमाली, चान्हो थाना प्रभारी टिंकू रजक, ठाकुरगांव थाना प्रभारी शुभम कुमार, बुढ़मू थाना प्रभारी नवीन कुमार शर्मा सहित अन्य पुलिस पदाधिकारी एवं जवान शामिल थे। विशेष टीम ने लगातार छापेमारी अभियान चलाकर सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने पीड़िता को चिकित्सीय जांच एवं उपचार के लिए रांची भेज दिया है। मामले की जांच जारी है और अनुसंधान पूरा होने के बाद न्यायालय में आरोप पत्र समर्पित किया जाएगा।

खलारी डीएसपी रामनारायण चौधरी ने प्रेस वार्ता में बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए न्यायालय से स्पीडी ट्रायल चलाने का अनुरोध किया जाएगा, ताकि दोषियों को शीघ्र सजा मिल सके। उन्होंने कहा कि इस जघन्य अपराध में शामिल किसी भी आरोपी को बख्शा नहीं जाएगा और मामले में आगे की कार्रवाई भी तेजी से जारी होगी।

भक्ति और संगठन का संगम: राम मंदिर फतेहपुर में विधायक अरिजीत राय की मौजूदगी में कीर्तन कार्यक्रम संपन्न, सैकड़ों कार्यकर्ता हुए शामिल

दिनेश कुमार रजक
रफ्तार मीडिया संवाददाता
चित्तरंजन

माननीय विधायक अरिजीत राय के चित्तरंजन मंडल दौरे के अवसर पर रविवार को दोपहर 1 बजे फतेहपुर स्थित राम मंदिर में भव्य कीर्तन कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। दोपहर शुरू हुए इस धार्मिक कार्यक्रम में चित्तरंजन मंडल के पदाधिकारी, कर्मचारी संघ के सदस्य तथा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सैकड़ों पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में शामिल हुए। निर्धारित समय पर राम मंदिर फतेहपुर पहुंचे विधायक अरिजीत राय का कार्यकताओं ने फूल-मालाओं और जयकारों के साथ गर्मजोशी से स्वागत किया। मंदिर परिसर जय श्रीराम के उद्घोष से गूंज उठा। विधायक ने मंदिर में पूजा-अर्चना कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की। कार्यक्रम में आयोजित कीर्तन में सभी ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। भजन-कीर्तन की मधुर ध्वनि से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। विधायक अरिजीत राय भी कार्यकताओं के साथ कीर्तन में सम्मिलित हुए और धर्म के साथ-साथ संगठन को मजबूत करने का संदेश दिया। इस अवसर पर चित्तरंजन मंडल के पदाधिकारी, कर्मचारी संघ के सभी सदस्य और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकताओं ने समय पर पहुंचकर अनुशासन और एकजुटता का परिचय दिया। वक्ताओं ने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजन सामाजिक समरसता और संगठन की शक्ति को बढ़ाते हैं। कार्यक्रम के अंत में प्रसाद वितरण किया गया। विधायक ने सभी कार्यकताओं के सहयोग के लिए आभार जताया और कहा कि जनता से जुड़ाव ही असली सेवा है। आयोजकों ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी का धन्यवाद किया।

14 जून से शुरू होंगे जेस्ट फैशन शो के ऑडिशन, गृहणियों और बच्चों को मिलेगा मंच

रफ्तार मीडिया संवाददाता गोवर्धन रजक धनबाद: समाज में अक्सर गृहणियां अपने परिवार और घर की जिम्मेदारियों में इतनी व्यस्त रहती हैं कि उनकी प्रतिभा घर की चारदीवारी तक ही सीमित रह जाती है। लेकिन अब महिलाओं को अपनी क्षमताओं को प्रदर्शित करने के लिए एक बड़ा मंच मिलने जा रहा है। गृहणियों की छिपी हुई प्रतिभा को बाहर लाने, उनके आत्मविश्वास को बढ़ाने और उन्हें नई पहचान देने के उद्देश्य से 'जेस्ट फैशन शो' का आयोजन किया जा रहा है।आयोजकों ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि इस फैशन शो के लिए देश और राज्य के अलग-अलग शहरों में ऑडिशन आयोजित किए जाएंगे। ऑडिशन की शुरूआत 14 जून को धनबाद से होगी। इसके बाद 21 जून को रांची के अलीशा डांस स्टूडियो, 28 जून को देवघर और 5 जुलाई को दुगार्पुर में ऑडिशन लिए जाएंगे।दो श्रेणियों में होगा ऑडिशन आयोजकों के मुताबिक, इस प्रतियोगिता में दो श्रेणियाँ रखी गई हैं। पहली श्रेणी में 4 से 12 वर्ष तक के बच्चे शामिल हो सकते हैं, जबकि दूसरी श्रेणी में 18 वर्ष से अधिक आयु की महिलाओं (गृहणियों) को मंच पर अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिलेगा।इन्होंने की प्रेस कॉन्फ्रेंसइस भव्य शो का संचालन काजल झा, मनीषा सिंह, अंजना, पूजा, अनीशा और धर्मजीत चौधरी द्वारा किया जा रहा है। इस मौके पर मिसेस झारखंड 2024 पुष्पा सिंह और आयोजक काजल झा ने बताया कि इस शो का मुख्य उद्देश्य महिलाओं के सशक्तिकरण को बढ़ावा देना और बच्चों के भीतर छुपे हुनर को निखारना है।

आकाशीय बिजली गिरने से 16 वर्षीय किशोर की मौत, पिता समेत दो घायल

आशीष कुमार मुखर्जी/रफ्तार मीडिया
कुजू (रामगढ़)। कुजू कोयलांचल क्षेत्र में रविवार दोपहर हुई तेज बारिश के दौरान आकाशीय बिजली गिरने से एक 16 वर्षीय किशोर की मौत हो गई, जबकि उसके पिता समेत दो लोग घायल हो गए।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, मुरपा कठरा टोला निवासी विनोद महतो अपने 16 वर्षीय पुत्र साहिल कुमार उर्फ तूफान तथा मनीष कुमार के साथ घर के आंगन की सीढ़ी पर बैठे हुए थे। इसी दौरान तेज गर्जना के साथ आकाशीय बिजली गिरी, जिसकी चपेट में तीनों आ गए। घटना के बाद परिजनों एवं स्थानीय लोगों की मदद से साहिल कुमार और विनोद महतो को इलाज के लिए रांची रोड स्थित अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने साहिल कुमार को मृत घोषित कर दिया। वहीं विनोद महतो की स्थिति गंभीर बनी हुई है। दूसरी ओर घायल मनीष कुमार को मुरपा स्थित मनोरमा हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज चल रहा है।

घटना की सूचना मिलते ही कुजू ओपी पुलिस अस्पताल पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है।इस दर्दनाक हादसे के बाद पूरे गांव में शोक की लहर है। मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। ग्रामीणों ने प्रशासन से पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा एवं सरकारी सहायता उपलब्ध कराने की मांग की है।

सरकार बदली, धंधा नहीं: आसनसोल में झारखंड लॉटरी का काला कारोबार फिर बेलगाम, पुलिस-प्रशासन की चुप्पी पर उठे सवाल

दिनेश कुमार रजक
रफ्तार मीडिया संवाददाता
चित्तरंजन

राज्य में सत्ता परिवर्तन और नई सरकार के गठन के एक महीने बाद भी आसनसोल से सटे औद्योगिक क्षेत्र में झारखंड लॉटरी के नाम से चल रहा अवैध धंधा बेरोकटोक जारी है। पुलिस की नाक के नीचे फल-फूल रहे इस सिंडिकेट ने प्रशासन की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। चुनाव से पहले बड़ी बरामदगी के बावजूद यह काला कारोबार फिर से सक्रिय होना राजनीतिक संरक्षण की ओर इशारा कर रहा है। जानकारी के अनुसार, इस अवैध कारोबार का मुख्य केंद्र कुल्टी है। यहां से कुल्टी थाना क्षेत्र के नियामतपुर, चौरंगी, कल्याणेश्वरी और सालानपुर थाना क्षेत्र के देन्दुआ, सालानपुर, रूपनारायणपुर तक जाल फैला है। सरकारी लॉटरी के रिजल्ट का इस्तेमाल कर दिन में तीन बार यह खेल चलता है। 10 से 12 रुपये के टिकट पर ज्यादा कमीशन के लालच में विक्रेता और रातोंरात अमीर बनने की चाह में लोग फंस रहे हैं। स्थानीय सूत्रों के मुताबिक, कुल्टी के दानिश और रॉबिन इस सिंडिकेट के मुख्य संचालक बताए जा रहे हैं। चौरंगी निवासी चंदन पर सालानपुर, जेमाहारी, देन्दुआ क्षेत्र में टिकट सप्लाई का आरोप है। वहीं मिहिजाम के राजू पर रूपनारायणपुर में ऑनलाइन बुकिंग से धंधा चलाने का आरोप है। नियामतपुर के संजय, अंतू, बबलू और उत्तम के नाम भी संदेह के घेरे में हैं। डिजिटल सबूत से बचने के लिए अब हाथ से पर्ची लिखकर नंबर दिए जा रहे हैं। भाजपा नेता अभिजीत राय ने कहा, राज्य सरकार अवैध कारोबार बंद करने को प्रतिबद्ध है। दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। वहीं टीएमसी जिला सचिव शुभाशीष मुखर्जी ने पलटवार किया, कानून-व्यवस्था सत्ताधारी दल के हाथ में है। चुनाव से पहले बरामदगी के बाद भी धंधा चलना साफ बताता है कि संरक्षण कहां से है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि अवैध धंधों पर नियमित अभियान चलता है। चुनाव के दौरान भी बड़ी कार्रवाई हुई थी। संदिग्ध ठिकानों पर नजर है और जल्द सरगनाओं पर शिकंजा कसा जाएगा। इस खुलासे से इलाके में हड़कंप है।

मुख्यमंत्री राहत कोष के सहारे जरूरतमंद परिवारों को मिली सहायता

सौरभ राय/ रफ्तार मीडिया
रांची: खिजरी विधानसभा के जरूरतमंद और गंभीर बीमारियों से जूझ रहे परिवारों के लिए रविवार का दिन महत्वपूर्ण रहा। बता दें,खिजरी विधायक राजेश कच्छप द्वारा लुपुंगटोली स्थित आवासीय कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री राहत कोष के तहत आठ लाभुकों को आर्थिक सहायता के चेक प्रदान किए गया।

जनप्रतिनिधि होने के नाते लोगों के सुख दुख में रहना प्राथमिकता- राजेश कच्छप

मौके पर विधायक राजेश कच्छप ने कहा कि एक जनप्रतिनिधि के रूप में मेरी प्राथमिकता हमेशा क्षेत्र के लोगों के सुख दुख में सहभागी बनने की रही है। उन्होंने कहा कि गंभीर बीमारी से जूझ रहे परिवारों के लिए इलाज का खर्च कई बार बड़ी चुनौती बन जाता है। ऐसे समय में मुख्यमंत्री राहत कोष से मिलने वाली सहायता उनके लिए महत्वपूर्ण संबल साबित होती है।

जरूरतमंद परिवारों को मिला राहत का सहारा

कार्यक्रम के दौरान विधायक राजेश कच्छप ने मुख्यमंत्री राहत कोष से स्वीकृत सहायता राशि के चेक लाभुकों को सौंपे। उन्होंने कहा कि कोई भी परिवार कठिन परिस्थितियों में खुद को अकेला महसूस न करे, इसके लिए सरकार लगातार संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रही है।उन्होंने मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके सहयोग और पहल से क्षेत्र के जरूरतमंद लोगों को समय पर राहत मिल रही है। विधायक ने कहा कि यह आर्थिक सहायता लाभुकों के इलाज और अन्य आवश्यक जरूरतों को पूरा करने में सहायक होगी।

संपादकीय

राहुल गांधी का 20 साल पुराना सपना,

भारतीय राजनीति के सबसे पुराने दल कांग्रेस के भीतर इन दिनों एक खामोश लेकिन बेहद गहरा बदलाव आकार ले रहा है। यह बदलाव अचानक नहीं हुआ है, बल्कि इसके पीछे दो दशकों की एक लंबी राजनीतिक तपस्या और जिद छिपी है। साल 2004 में जब राहुल गांधी ने सक्रिय राजनीति में कदम रखा था, तब से उनका एक सबसे बड़ा और महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट था कांग्रेस का सांगठनिक कायाकल्प और जनरेशन चेंज यानी पीढ़ीगत बदलाव। वह कांग्रेस को पार्टी के उन बुजुर्ग और ड्राइंग रूम पॉलिटिक्स करने वाले नेताओं के चंगुल से बाहर निकालना चाहते थे, जो सिर्फ बंद कमरों में नीतियां बनाते थे। राहुल का सपना एक ऐसी युवा, आक्रामक और जमीन पर चौबीसों घंटे लड़ने वाली पार्टी तैयार करना था, जो सीधे जनता के बीच खड़ी दिखे। शुरूआती दौर में राहुल गांधी का यह सियासी प्रयोग पुराने दिग्गजों (ओल्ड गार्ड) के कड़े विरोध, अंदरूनी खींचतान और सोनिया गांधी के दरबार में बुजुर्ग नेताओं के वीटो पावर के चलते परवान नहीं चढ़ सका था। लेकिन आज की तारीख में कांग्रेस के भीतर जो फैसले लिए जा रहे हैं, उससे साफ जाहिर होता है कि राहुल गांधी का 20 साल पुराना यह सपना अब हकीकत में बदलने लगा है।

इस पीढ़ीगत बदलाव की सबसे ताजा और दमदार बानगी हालिया राज्यसभा चुनावों के टिकट वितरण में देखने को मिली है। कांग्रेस ने राज्यसभा के लिए अपने जिन उम्मीदवारों के नाम का ऐलान किया है, उनमें पुराने और पारंपरिक चेहरों को दरकिनार कर पूरी तरह संगठन और राहुल गांधी के करीबियों पर भरोसा जताया गया है। कर्नाटक से स्वयं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के साथ पवन खेड़ा और मंसूर अली खान को राज्यसभा का उम्मीदवार बनाना इसी रणनीति का हिस्सा है। मध्य प्रदेश से मीनाक्षी नटराजन, राजस्थान से नीरज डांगी, तमिलनाडु से प्रवीण चक्रवर्ती और झारखंड से प्रणव झा को राज्यसभा का टिकट दिया गया है। ये सभी नाम किसी परिचय के मोहताज नहीं हैं और इन्हें राहुल गांधी की कोर टीम का हिस्सा माना जाता है। प्रवीण चक्रवर्ती को राहुल का बेहद करीबी रणनीतिकार माना जाता है, जो पार्टी के प्रोफेशनल कांग्रेस और डेटा विभाग के प्रमुख के तौर पर आर्थिक व तकनीकी मामलों को देखते हैं। अभिनेता से नेता बने सी जोसेफ विजय की पार्टी टीवीके के साथ तमिलनाडु में कांग्रेस का गठबंधन कराने में भी उनकी अग्रणी भूमिका रही थी। इसी तरह, राष्ट्रीय सचिव प्रणव झा कांग्रेस अध्यक्ष कार्यालय का कामकाज संभालते हैं, जबकि पवन खेड़ा अपनी मुखर आवाज से टीवी डिबेट्स में सरकार को फ्रंटफुट पर घेरने के लिए जाने जाते हैं। राहुल गांधी ने पवन खेड़ा को कर्नाटक जैसी सुरक्षित सीट से उच्च सदन भेजकर पूरे कैडर को एक साफ संदेश दिया है कि जो जमीन पर लड़ेगा, उसे उसका हक और इनाम जरूर मिलेगा।

यह बदलाव सिर्फ दिल्ली के गलियारों या राज्यसभा के टिकटों तक सीमित नहीं है, बल्कि राज्यों की सत्ता और कमान सौंपने में भी राहुल गांधी की पसंद साफ दिखाई दे रही है। केरल में कांग्रेस ने 69 साल के रमेश चैन्निथला और 64 साल के केसी वेणुगोपाल जैसे कद्दावर नेताओं को नजरअंदाज कर 61 साल के वीडी सतीशन को मुख्यमंत्री की कुर्सी सौंप दी। इतना ही नहीं, केरल की नई सरकार के मंत्रिमंडल में 50 फीसदी मंत्रियों की उम्र 50 साल से कम रखकर युवाओं को तरजीह दी गई। इसी तरह का एक बड़ा और साहसिक प्रयोग कर्नाटक में देखने को मिला। वहां 77 साल के सिद्धारमैया की जगह 64 साल के आक्रामक और संकटमोचक नेता डीके शिवकुमार की ताजपोशी की गई। कर्नाटक जैसे राज्य में जहां सामाजिक और जातीय समीकरण बेहद जटिल हैं, वहां नेतृत्व परिवर्तन करना एक बड़ी चुनौती थी। सिद्धारमैया ओबीसी (कुरुबा) समुदाय से आते हैं, जिन्हें नाराज करने का जोखिम कोई दल नहीं उठाना चाहता। लेकिन कांग्रेस ने राजनीतिक रूप से ताकतवर वोक्कालिगा जाति के डीके शिवकुमार पर दांव लगाया और संतुलन बनाए रखने के लिए ओबीसी समुदाय से आने वाले जी परमेश्वर को डिप्टी सीएम और बीके हरिप्रसाद को प्रदेश अध्यक्ष की कमान सौंपी। साथ ही, कैबिनेट में मल्लिकार्जुन खरगे और सिद्धारमैया के बेटों को जगह देकर भविष्य की लीडरशिप की राह भी खोल दी गई। इसी फेहरिस्त में तेलंगाना की कमान 56 साल के युवा और ऊर्जावान नेता रेवंत रेड्डी को सौंपना और हिमाचल प्रदेश में 62 साल के सुखविंदर सिंह सुक्खू को मुख्यमंत्री बनाना यह साबित करता है कि अब राज्यों में ओल्ड गार्ड को राष्ट्रीय भूमिकाओं में भेजकर नई पीढ़ी को आगे किया जा रहा है।

देखा जाए तो कांग्रेस में यह जेनरेशनल शिफ्ट करीब दो दशक बाद देखने को मिल रहा है। कुछ समय पहले जब बीजेपी में पीढ़ीगत बदलाव के तहत नेतृत्व में नए चेहरे सामने आए थे, तब कांग्रेस के बुजुर्ग नेतृत्व को लेकर काफी आलोचनाएं होती थीं। लेकिन अब कांग्रेस अपनी राजनीतिक सीमाओं के भीतर रहते हुए इस ढर्रे को पूरी तरह बदल चुकी है। पहले राज्यों के बड़े फैसले वहां के क्षत्रप लिया करते थे, लेकिन अब हाईकमान ने संगठन के लोकतांत्रीकरण की प्रक्रिया को तेज कर दिया है। प्रादेशिक और जिला संगठनों में राहुल गांधी की यूथ कांग्रेस वाली मूल टीम के नेताओं को बड़ी जिम्मेदारियां दी जा रही हैं।

मिलावट-मुक्त भारत से ही विकसित भारत संभव

ललित गर्ग

हर वर्ष 7 जून को मनाया जाने वाला विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस केवल सुरक्षित भोजन की आवश्यकता का स्मरण कराने वाला दिवस नहीं है, बल्कि यह मानव स्वास्थ्य, सामाजिक कल्याण, आर्थिक समृद्धि और सतत विकास के लिए एक वैश्विक संकल्प का अवसर भी है। वर्ष 2026 की थीम खाद्य सुरक्षाः विज्ञान की सक्रिय भूमिका इस बात पर बल देती है कि विज्ञान, अनुसंधान, तकनीक और प्रभावी निगरानी प्रणालियों के माध्यम से ही सुरक्षित खाद्य व्यवस्था सुनिश्चित की जा सकती है। लेकिन विडम्बना यह है कि भारत जैसे विशाल कृषि प्रधान देश में खाद्य पदार्थों, दवाइयों और दैनिक उपभोग की वस्तुओं में बढ़ती मिलावट इस लक्ष्य को गंभीर चुनौती दे रही है। मिलावट केवल खाद्य सुरक्षा का प्रश्न नहीं है, यह राष्ट्र के स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था, नैतिकता और वैश्विक प्रतिष्ठा से जुड़ा हुआ विषय है। जिस देश को विश्वगुरु और विकसित भारत बनने का सपना है, वहां यदि दूध, घी, मावा, मसाले, अनाज, मिठाइयां, फल-सब्जियां और यहां तक कि जीवनरक्षक दवाइयां भी मिलावट की शिकार हों, तो यह स्थिति अत्यंत चिंताजनक है। यह केवल कानून का उल्लंघन नहीं, बल्कि मानवता के विरुद्ध अपराध है।भारत में मिलावट का कारोबार आज एक संगठित आर्थिक अपराध का रूप ले चुका है। दूध में डिटर्जेंट, यूरिया और सिंथेटिक रसायनों का प्रयोग, मावे में स्टार्च और रासायनिक पदार्थों की मिलावट, मसालों में रंग और धूल, शहद में चीनी सिरप, खाद्य तेलों में सस्ते तेलों का मिश्रण तथा फलों और सब्जियों को कृत्रिम रसायनों से पकाना आम बात हो गई है। बाजार में बिकने वाले अनेक उत्पाद देखने में आकर्षक होते हैं, लेकिन भीतर

से विषैले सिद्ध होते हैं। स्थिति तब और भयावह हो जाती है जब दवाइयों में मिलावट या नकली दवाओं का मामला सामने आता है। पिछले वर्षों में विभिन्न राज्यों में नकली अथवा घटिया दवाओं के सेवन से अनेक लोगों की मृत्यु और गंभीर स्वास्थ्य संकट की घटनाएं सामने आईं। राजस्थान के कोटा सहित कई स्थानों पर ऐसी खबरों ने पूरे देश को झकझोर दिया। जब जीवन बचाने वाली दवा ही मौत का कारण बनने लगे, तब यह केवल स्वास्थ्य व्यवस्था की विफलता नहीं, बल्कि सामाजिक संवेदनहीनता की पराकाष्ठा है।

मिलावट का सबसे बड़ा दुष्प्रभाव मानव स्वास्थ्य पर पड़ता है। कैंसर, किडनी रोग, हृदय रोग, यकृत संबंधी विकार, हार्मोन असंतुलन, बच्चों में कुपोषण, महिलाओं में स्वास्थ्य समस्याएं तथा रोग प्रतिरोधक क्षमता में कमी जैसी अनेक गंभीर समस्याओं का संबंध दूषित एवं मिलावटी खाद्य पदार्थों से जुड़ता जा रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार असुरक्षित भोजन के कारण हर वर्ष करोड़ों लोग बीमार पड़ते हैं। भारत में भी स्वास्थ्य पर पड़ने वाला यह बोझ लगातार बढ़ रहा है। किन्तु मिलावट का संकट केवल स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है। यह देश की अर्थव्यवस्था पर भी गहरा प्रहार करता है। जब किसी देश के खाद्य उत्पादों की गुणवत्ता संदिग्ध हो जाती है, तब अंतरराष्ट्रीय बाजार में उसकी विश्वसनीयता प्रभावित होती है। निर्यात घटता है, विदेशी निवेश प्रभावित होता है और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में देश पिछड़ जाता है। भारत कृषि उत्पादों और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग का एक बड़ा केंद्र बन सकता है, लेकिन मिलावट की समस्या उसकी संभावनाओं पर ग्रहण लगा रही है। इससे भी अधिक चिंता का विषय यह है कि मिलावट सामाजिक मूल्यों के क्षरण का प्रतीक बनती जा रही है। कुछ लोग त्वरित लाभ और अधिक मुनाफे की लालसा में दूसरों के जीवन से खिलवाड़ कर रहे हैं। यह केवल आर्थिक भ्रष्टाचार नहीं, बल्कि नैतिक पतन का भी संकेत है। जब समाज में ईमानदारी और उत्तरदायित्व की भावना कमजोर पड़ती है, तब ऐसे अपराध फलने-फूलने लगते हैं। सरकारों ने समय-समय पर खाद्य सुरक्षा और मानक कानून बनाए हैं। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) सहित अनेक संस्थाएं निगरानी और परीक्षण का कार्य करती हैं। फिर भी जमीनी स्तर पर भ्रष्टाचार, रिश्वतखोरी, निरीक्षण तंत्र की कमजोरी और कानूनी प्रक्रियाओं की धीमी गति मिलावट के विरुद्ध अभियान को प्रभावी नहीं बनने देती। अनेक मामलों में दोषियों को दंड मिलने में वर्षों लग जाते हैं, जिससे अपराधियों के हौसले बढ़ते हैं।

आज आवश्यकता केवल कानून बनाने की नहीं, बल्कि उन्हें कठोरता और पारदर्शिता के साथ लागू करने की है। खाद्य पदार्थों की नियमित जांच, आधुनिक प्रयोगशालाओं का विस्तार, डिजिटल ट्रैकिंग प्रणाली, त्वरित न्याय व्यवस्था और दोषियों के लिए कठोर दंड आवश्यक हैं। मिलावट को सामान्य आर्थिक अपराध नहीं, बल्कि जनस्वास्थ्य के विरुद्ध गंभीर अपराध माना जाना चाहिए। विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस 2026 की थीम विज्ञान की भूमिका पर जोर देती है। विज्ञान और तकनीक मिलावट के विरुद्ध सबसे प्रभावी हथियार बन सकते हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), ब्लॉकचेन आधारित आपूर्ति श्रृंखला, आधुनिक परीक्षण तकनीक, मोबाइल फूड टेस्टिंग लैब तथा उपभोक्ता जागरूकता एप्लिकेशन खाद्य सुरक्षा को नई दिशा दे सकते हैं। वैज्ञानिक निगरानी से उत्पादन से लेकर उपभोग तक हर चरण में गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सकती है। लेकिन केवल सरकार या विज्ञान ही इस समस्या का समाधान नहीं कर सकते। समाज और उपभोक्ताओं की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। जागरूक नागरिकों को संदिग्ध उत्पादों की शिकायत करनी चाहिए, प्रमाणित उत्पादों का उपयोग करना चाहिए तथा स्थानीय स्तर पर खाद्य सुरक्षा के प्रति जनजागरण अभियान चलाने चाहिए। विद्यालयों, महाविद्यालयों, सामाजिक संस्थाओं और धार्मिक संगठनों को भी इस विषय को सामाजिक आंदोलन का रूप देना होगा।भारत आज विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। वर्ष 2047 में स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे होने पर यदि हम वास्तव में एक विकसित, स्वस्थ और सम्मानित भारत का निर्माण करना चाहते हैं, तो मिलावट-मुक्त भारत को राष्ट्रीय अभियान बनाना होगा। जिस प्रकार स्वच्छ भारत अभियान ने जनभागीदारी से व्यापक परिवर्तन लाया, उसी प्रकार मिलावट के विरुद्ध भी राष्ट्रीय चेतना का निर्माण आवश्यक है। भारत की पहचान योग, आयुर्वेद, शुद्ध आहार, नैतिक जीवन-मूल्यों और सर्वे भवन्तु सुखिनः की संस्कृति से रही है। यह पहचान तभी सार्थक होगी जब हमारे भोजन, दवाइयों और उपभोग की वस्तुओं में शुद्धता और विश्वसनीयता सुनिश्चित हो। एक ऐसा भारत, जहां भोजन विश्वास का प्रतीक हो, जहां दवा जीवन का संरक्षण करे, जहां व्यापार नैतिकता पर आधारित हो और जहां उपभोक्ता निश्चिंत होकर बाजार से वस्तुएं खरीद सके-वही विकसित भारत का वास्तविक स्वरूप होगा। विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस हमें यह संदेश देता है कि सुरक्षित भोजन केवल स्वास्थ्य का अधिकार नहीं, बल्कि मानव गरिमा और राष्ट्रीय विकास की आधारशिला है। यदि हम आज मिलावट के विरुद्ध निर्णायक संघर्ष का संकल्प लें, तो आने वाली पीढ़ियों को एक स्वस्थ, सुरक्षित और समृद्ध भारत दे सकते हैं। शुद्ध आहार, स्वस्थ परिवार, मिलावट-मुक्त भारत, विकसित भारत का आधार, यही 2047 के विकसित भारत की दिशा में सबसे महत्वपूर्ण कदम होगा और यही विश्व समुदाय के समक्ष भारत को एक आदर्श राष्ट्र के रूप में स्थापित करेगा।

बिना किसी पहचान के नायक: जिन्होंने संकट में मानवता को बचाए रखा

सुनील कुमार महला

इंसानियत को सबसे बड़ा धर्म कहा जाता है, और हाल ही में मीडिया की सुर्खियों में आई एक घटना ने इस सत्य को फिर से प्रमाणित किया है।पाठक जानते होंगे कि दिल्ली के मालवीय नगर इलाके के एक होटल में 3 जून 2026, बुधवार को सुबह लगभग 9:45 बजे भीषण आग लग गई, जिसमें 21 लोगों की जान चली गई। मृतकों में 11 विदेशी नागरिक भी शामिल थे, जिनमें से अधिकांश अपने रिश्तेदारों के इलाज के लिए दिल्ली आए थे और उसी होटल में ठहरे हुए थे। इस दुखद घटना के दौरान एक तस्वीर ने पूरे देश का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। तस्वीर में कई लोग होटल की ऊंचाई से सड़क पर बिछाए गए गद्दों पर कूदकर अपनी जान बचाते दिखाई दिए। मीडिया में प्रकाशित समाचारों के अनुसार यह साहसिक और सूझबूझ भरा कार्य होटल के ठीक सामने गद्दों की दुकान चलाने वाले रियाजुद्दीन मंसूरी और उनके बेटे अरमान मंसूरी ने किया था। आग की भयावहता को देखते हुए उन्होंने तुरंत अपनी दुकान के गद्दे सड़क पर बिछा दिए, जिससे होटल में फंसे लोग उन पर कूदकर सुरक्षित बाहर निकल सके।उपलब्ध जानकारी के अनुसार सड़क पर बिछाए गए गद्दों पर एक बार में सात से आठ लोगों ने छलांग लगाई, जबकि बाद में यह संख्या बढ़कर बारह से पंद्रह लोगों तक पहुंच गई। इस प्रयास से कई लोगों की जान बच गई। रियाजुद्दीन और उनके बेटे ने केवल इतना ही नहीं किया, बल्कि उन्होंने घायलों को बाहर निकालने में भी सहायता की और उन्हें अस्पताल भिजवाने के लिए चादरें तथा अन्य आवश्यक कपड़े उपलब्ध कराए। यहां तक कि एंबुलेंस से शव ले जाने के लिए भी उन्होंने बेडशीट और रजाइयों के कवर दिए। इस मानवीय कार्य के दौरान उनकी दुकान का काफी सामान नष्ट हो गया। हालांकि, इस

लेख के लिखे जाने तक उनके नुकसान की भरपाई के लिए प्रशासन की ओर से कोई सहायता नहीं मिली थी। इसके बावजूद रियाजुद्दीन मंसूरी इस बात से संतुष्ट हैं कि उन्होंने संकट की घड़ी में लोगों की जान बचाने में योगदान दिया। उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा, आग देखकर जब हमें लगा कि शायद लोग नहीं बच पाएंगे, तो हमने अपनी दुकान के गद्दे रोड पर बिछा दिए। उस पर एक बार में सात से आठ लोग कूदे। फिर उनकी संख्या बढ़कर 12 से 15 हो गई। ये सब सुरक्षित बच गए। फिर हमने एंबुलेंस से बॉडी ले जाने के लिए भी बेड-शीट और रजाई के कवर दिए। मदद का सुकून है, पर दुकान के माल की भरपाई के लिए कोई नहीं आया। रियाजुद्दीन मंसूरी ने यह भी बताया कि यदि होटल का दूसरा निकास द्वार खुला होता, तो और अधिक लोगों की जान बचाई जा सकती थी। इस दुर्घटना के दौरान मालवीय नगर थाने में तैनात हवलदारों और सिपाहियों ने भी राहत एवं बचाव अभियान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई तथा लोगों को सुरक्षित निकालने के लिए लगातार प्रयास किए, यह सराहनीय है। दिल्ली की इस भीषण आग के दौरान जो दृश्य सामने आए, वे इस बात का जीवंत प्रमाण हैं कि आज के स्वार्थ और भागदौड़ से भरे युग में भी इंसानियत पूरी तरह जीवित है। संकट के समय कुछ लोगों द्वारा दिखाया गया साहस, संवेदनशीलता और निःस्वार्थ सेवा मानवता की सर्वोच्च भावना को अभिव्यक्त करता है। राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त ने भी कहा है-वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे, यही पशु-प्रवृत्ति है कि आप ही आप चरे। ईश्वर ने मनुष्य को इस धरती का सबसे विवेकशील प्राणी बनाया है। इसलिए केवल अपने स्वार्थ, भोजन और संग्रह के लिए जीवन व्यतीत करना पशु-प्रवृत्ति के समान है। मानव जीवन का उद्देश्य इससे कहीं अधिक व्यापक और उच्च होना चाहिए। जब मनुष्य अपने विवेक को भूलकर अभिमान और अहंकार के प्रभाव में जीने लगता है, तब वह पतन के मार्ग पर अग्रसर हो जाता है। आपदाएं और विपरीत परिस्थितियां पलभर में मनुष्य को उसकी सीमाओं और बेबसी का एहसास करा देती हैं।

वास्तव में संसार में इंसानियत से बड़ा कोई धर्म, मजहब या आस्था नहीं है। सच्चा मनुष्य वही है जो बिना किसी भेदभाव के संकट में फंसे लोगों की सहायता करे और उनके दुःख को अपना दुःख समझे। परोपकार, करुणा, सहानुभूति और सेवा की भावना ही मानव जीवन को सार्थक बनाती है। दिल्ली की यह घटना हमें याद दिलाती है कि मानवता आज भी जीवित है और यही मानव सभ्यता की सबसे बड़ी शक्ति है।

जब मौत बन जाए सोशल मीडिया का कंटेंट

डॉ. सत्यवान सौरभ

हाल के दिनों में एक मासूम बच्चे की निर्मम हत्या और हांसी में एक दुकानदार की दर्दनाक हत्या से जुड़े वीडियो सोशल मीडिया पर धड़ल्ले से पोस्ट और शेयर किए जा रहे हैं। इन वीडियो की एक झलक मात्र ही किसी भी संवेदनशील व्यक्ति की रूह कंपा देने के लिए पर्याप्त है। पूरे वीडियो को देखने की हिम्मत बहुत कम लोग जुटा पा रहे हैं। जो भी इन्हें देख रहा है, वह उनकी भयावहता और अमानवीयता से विचलित हो रहा है। ऐसे वीडियो में न कोई संदेश है, न कोई सकारात्मक उद्देश्य, बल्कि केवल पीड़ा, भय और मानसिक असहजता है। इसलिए यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या सोशल मीडिया पर ऐसी सामग्री का खुलेआम प्रसार उचित है और क्या प्लेटफॉर्म्स को इसे तुरंत हटाने की जिम्मेदारी नहीं निभानी चाहिए?

डिजिटल युग में सूचना का आदान-प्रदान पहले की तुलना में कहीं अधिक तेज हो गया है। कोई भी घटना कुछ ही मिनटों में लाखों लोगों तक पहुँच जाती है। यह तकनीक का सकारात्मक पक्ष है, क्योंकि इससे लोगों को त्वरित जानकारी मिलती है। लेकिन जब इसी तकनीक का उपयोग किसी की हत्या, दुर्घटना या व्यक्तिगत त्रासदी के भयावह दृश्यों को फैलाने के लिए होने लगे, तब यह चिंता का विषय बन जाता है। सूचना और सनसनी के बीच एक स्पष्ट अंतर होता है। किसी घटना की जानकारी देना आवश्यक हो सकता है, लेकिन उस घटना के वीभत्स दृश्यों को बार-बार प्रसारित करना किसी भी दृष्टि से उचित नहीं कहा जा सकता।

जब किसी बच्चे की हत्या होती है या किसी व्यक्ति को बेरहमी से मार दिया जाता है, तब वह केवल एक खबर नहीं होती। उसके पीछे एक परिवार का दर्द, असंख्य टूटे हुए सपने और जीवनभर का दुःख छिपा होता है। ऐसे वीडियो वायरल होने पर पीड़ित परिवारों की पीड़ा और बढ़ जाती है। वे लोग जो पहले से ही अपनों को खोने के सदमे में होते हैं, उन्हें बार-बार वही दृश्य सोशल मीडिया पर देखने पड़ते हैं। यह उनके लिए मानसिक यातना से कम नहीं है। किसी भी सभ्य समाज में मृतक और उसके परिवार की गरिमा का सम्मान किया जाना चाहिए, लेकिन वायरल संस्कृति ने कई बार इस संवेदनशीलता को पीछे छोड़ दिया है। सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव के साथ वायरल होने की होड़ भी बढ़ी है। अधिक लाइक, व्यूज, शेयर और फॉलोअर्स पाने की चाह में कई लोग बिना किसी नैतिक विचार के ऐसी सामग्री साझा कर देते हैं। कई बार लोग यह कहकर वीडियो पोस्ट करते हैं कि वे सच्चाई दिखा रहे हैं, जबकि वास्तविकता यह होती है कि वे अनजाने या जानबूझकर एक दर्दनाक घटना को डिजिटल तमाशे में बदल रहे होते हैं। किसी की मृत्यु या पीड़ा को लोकप्रियता प्राप्त करने का माध्यम बनाना न केवल असंवेदनशीलता का परिचायक है, बल्कि सामाजिक मूल्यों के क्षरण का भी संकेत है।

मनोवैज्ञानिक दृष्टि से भी ऐसे वीडियो बेहद हानिकारक होते हैं। हिंसक और रक्तरंजित दृश्य देखने से लोगों में तनाव, भय, चिंता और मानसिक बेचैनी बढ़ सकती है। कई संवेदनशील व्यक्तियों को लंबे समय तक ऐसे दृश्य परेशान करते रहते हैं। बच्चों और किशोरों पर इसका प्रभाव और भी गंभीर हो सकता है। वे या तो अत्यधिक भयभीत हो सकते हैं या फिर हिंसा को सामान्य व्यवहार के रूप में स्वीकार करने लगते हैं। इंटरनेट की खुली दुनिया में यह सुनिश्चित करना लगभग असंभव है कि ऐसे वीडियो केवल वयस्कों तक ही सीमित रहें। इसलिए इनका अनियंत्रित प्रसार समाज के मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी खतरा है।

एक और गंभीर समस्या यह है कि लगातार हिंसक सामग्री देखने से लोगों में संवेदनहीनता बढ़ने लगती है। जो दृश्य पहले मन को झकझोर देते थे, वे धीरे-धीरे सामान्य लगने लगते हैं। बार-बार हत्या, दुर्घटना और रक्तपात के दृश्य देखने से मनुष्य के भीतर करुणा और सहानुभूति की भावना कमजोर पड़ सकती है। यह किसी भी समाज के लिए शुभ संकेत नहीं है। एक स्वस्थ समाज की पहचान उसकी संवेदनशीलता होती है। यदि लोग दूसरों के दुःख को महसूस करना छोड़ दें, तो सामाजिक संबंधों और मानवीय मूल्यों की नींव कमजोर होने लगती है।

यहाँ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स की जिम्मेदारी भी अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। फेसबुक, इंस्टाग्राम, एक्स, यूट्यूब और अन्य डिजिटल मंचों के पास आधुनिक तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के ऐसे साधन उपलब्ध हैं, जिनकी मदद से हिंसक सामग्री की पहचान की जा सकती है। फिर भी अनेक भयावह वीडियो घंटों और कभी-कभी दिनों तक प्लेटफॉर्म पर बने रहते हैं और लाखों लोगों तक पहुँच जाते हैं। यह स्थिति स्वीकार्य नहीं है। जिन वीडियो में हत्या, गंभीर हिंसा या बच्चों के विरुद्ध अपराध के दृश्य हों, उन्हें तत्काल हटाया जाना चाहिए। साथ ही ऐसे कंटेंट को अपलोड और प्रसारित करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई भी होनी चाहिए।

मीडिया की भूमिका भी इस संदर्भ में महत्वपूर्ण है। पत्रकारिता का उद्देश्य केवल दर्शकों का ध्यान आकर्षित करना नहीं, बल्कि जिम्मेदार तरीके से सूचना देना भी है। वर्षों से पत्रकारिता में कुछ नैतिक मानदंड स्थापित रहे हैं, जिनके तहत मृतकों की गरिमा, पीड़ितों की निजता और दर्शकों की मानसिक सुरक्षा का ध्यान रखा जाता है। डिजिटल मीडिया और सोशल मीडिया पर भी इन्हीं मूल्यों का पालन आवश्यक है। किसी घटना के बारे में जानकारी दी जा सकती है, लेकिन उसकी भयावहता को बार-बार प्रदर्शित करना पत्रकारिता नहीं, बल्कि सनसनीखेज प्रस्तुति कहलाएगी।

हालाँकि केवल प्लेटफॉर्म्स और मीडिया को दोष देना पर्याप्त नहीं है। दर्शकों और सामान्य नागरिकों की भी जिम्मेदारी है। किसी भी हिंसक वीडियो को देखने या प्राप्त करने के बाद उसे आगे साझा करना आवश्यक नहीं होता। यदि लोग ऐसे वीडियो को रिपोर्ट करें, उन्हें आगे न बढ़ाएँ और दूसरों को भी ऐसा न करने के लिए प्रेरित करें, तो इनके प्रसार को काफी हद तक रोका जा सकता है। डिजिटल नागरिकता का अर्थ केवल इंटरनेट का उपयोग करना नहीं, बल्कि उसका जिम्मेदारीपूर्वक उपयोग करना भी है। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम तकनीक का उपयोग मानवता को मजबूत करने के लिए करें, न कि पीड़ा को तमाशे में बदलने के लिए। किसी दुखद घटना पर हमारी पहली प्रतिक्रिया संवेदना, सहानुभूति और न्याय की मांग होनी चाहिए, न कि भयावह वीडियो को आगे भेजने की। किसी मासूम बच्चे की हत्या या किसी निर्दोष व्यक्ति की मौत समाज के लिए शोक और आत्ममंथन का विषय है, मनोरंजन या जिज्ञासा का नहीं।

वास्तव में, किसी भी सभ्य और संवेदनशील समाज की पहचान इस बात से होती है कि वह अपने सबसे कमजोर और पीड़ित लोगों के प्रति कितना सम्मान और करुणा रखता है। यदि हम किसी की अंतिम पीड़ा को सोशल मीडिया की सामग्री बनाकर प्रसारित करते हैं, तो हम केवल एक वीडियो साझा नहीं कर रहे होते, बल्कि अपनी संवेदनशीलता का भी एक हिस्सा खो रहे होते हैं।

इसलिए समय की मांग है कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स ऐसी सामग्री को तुरंत हटाएँ, कानून अपना कार्य करे और समाज स्वयं भी यह संकल्प ले कि किसी की त्रासदी को वायरल नहीं, बल्कि मानवता और संवेदना को वायरल करना है। यही डिजिटल युग की सबसे बड़ी नैतिक आवश्यकता है।

पहलाज निहलानी:सिनेमा जगत का एक बेबाक चेहरा हुआ खामोश

सत्य भूषण शर्मा

भारतीय फिल्म उद्योग से जुड़ी एक दुखद खबर ने सिनेमा प्रेमियों को भावुक कर दिया। केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सी बी एफ सी) के पूर्व अध्यक्ष एवं प्रसिद्ध फिल्म निमार्ता पहलाज निहलानी का 4 जून 2026 को मुंबई में निधन हो गया। वे 76 वर्ष के थे और पिछले कुछ समय से लिवर संबंधी बीमारी से पीड़ित थे। उनके निधन से बॉलीवुड जगत में शोक की लहर दौड़ गई है।

पहलाज निहलानी केवल एक सफल निमार्ता ही नहीं, बल्कि अपने स्पष्ट विचारों, साहसी निर्णयों और बेबाक व्यक्तित्व के कारण भी लंबे समय तक चर्चा में रहे। उनके निधन के साथ हिंदी सिनेमा का एक ऐसा अध्याय समाप्त हो गया जिसने फिल्म उद्योग और सेंसर व्यवस्था दोनों को गहराई से प्रभावित किया। पहलाज निहलानी ने भारतीय सिनेमा को अनेक सफल और लोकप्रिय फिल्में दीं। उन्होंने वर्ष 1982 में हाथकड़ी फिल्म से निमार्ता के रूप में अपने करियर की शुरूआत की। इसके बाद इल्जाम, आग ही आग, पाप की दुनिया, गुनाहों का फैसला, मिट्टी और सोना, शोला और शबनम, आंखें, अंदाज तथा भाई भाई जैसी फिल्मों का निर्माण किया। विशेष रूप से अभिनेता गोविंदा के साथ उनकी फिल्मों ने दर्शकों के दिलों में खास स्थान बनाया। इल्जाम फिल्म से उन्होंने गोविंदा को बड़ा अवसर दिया, जबकि आग ही आग के

माध्यम से अभिनेता चंकी पांडे को पहचान मिली।

वर्ष 1993 में आई उनकी फिल्म आंखें उस दौर की सबसे बड़ी सुपरहिट फिल्मों में गिनी गई। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार सफलता अर्जित की और पहलाज निहलानी को व्यावसायिक रूप से अत्यंत सफल निमार्ताओं की श्रेणी में स्थापित कर दिया। शोला और शबनम तथा राजा बाबू जैसी फिल्मों ने भी दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया और लंबे समय तक लोकप्रिय बनी रहीं।

फिल्म उद्योग में उनके योगदान को देखते हुए उन्हें कई प्रतिष्ठित सम्मान और पुरस्कार भी प्राप्त हुए। वे लंबे समय तक एसोसिएशन ऑफ पिक्चर्स एंड टीवी प्रोग्राम प्रोड्यूसर्स के अध्यक्ष रहे। हिंदी फिल्म उद्योग में नए कलाकारों को अवसर देने तथा व्यावसायिक सिनेमा को नई दिशा प्रदान करने के लिए उन्हें अनेक फिल्म एवं सामाजिक संस्थाओं द्वारा सम्मानित किया गया। केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में भी उनका कार्यकाल अत्यंत चर्चित रहा। वर्ष 2015 में उन्हें सी बी एफ सी का अध्यक्ष नियुक्त किया गया था।

फिल्म निर्माण के क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बनाने के बाद जब उन्हें केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड का अध्यक्ष नियुक्त किया गया, तब वे राष्ट्रीय स्तर पर चचाओं के केंद्र बन गए। उनके कार्यकाल में फिल्मों के कई दृश्यों और संवादों को लेकर विवाद सामने आए। उन्होंने फिल्मों में भारतीय संस्कृति, नैतिकता और सामाजिक मयार्दाओं को बनाए रखने पर जोर दिया। हालांकि कई फिल्मकारों ने उनके निर्णयों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर प्रतिबंध के रूप में देखा, फिर भी उन्होंने अपने सिद्धांतों से समझौता नहीं किया।

उनकी सबसे बड़ी विशेषता थी उनकी स्पष्टवादिता। वे किसी भी मुद्दे पर बिना लाग-लपेट अपनी बात रखते थे। चाहे फिल्म उद्योग की चुनौतियाँ हों या सामाजिक विषय, उन्होंने हमेशा खुलकर अपने विचार व्यक्त किए। यही कारण था कि वे मीडिया और जनचचाओं में लगातार बने रहते थे। कई बार उनके बयान विवादों का कारण भी बने, लेकिन उन्होंने कभी अपनी शैली नहीं बदली।

पहलाज निहलानी का जीवन संघर्ष और आत्मविश्वास की मिसाल रहा। साधारण परिवेश से निकलकर उन्होंने हिंदी फिल्म उद्योग में अपनी मजबूत पहचान बनाई। उन्होंने यह सिद्ध किया कि निरंतर परिश्रम, आत्मविश्वास और काम के प्रति समर्पण व्यक्ति को सफलता की ऊंचाइयों तक पहुंचा सकता है।

अगले दो दशक तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में दबदबा बनाना चाहते हैं वैभव

मुम्बई (एजेंसी)। 15 साल के उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी भारतीय टी20 टीम में जगह मिलने पर बेहद खुश हैं। वैभव का कहना है कि उनका लक्ष्य अगले दो दशक तक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलना है। इस बल्लेबाज ने एक राजस्थान रॉयल्स के मैनेजर रोमी भिंडर को दिए गए एक साक्षात्कार में कहा कि वह इस प्रारूप में दबदबा बनाना चाहते हैं। वैभव को घरेलू क्रिकेट के बाद आईपीएल में भी बेहतरीन प्रदर्शन के लिए आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ टी20 दौरों के साथ-साथ ही एशियाई खेलों के लिए शामिल किया गया है। अपने लक्ष्यों को लेकर वैभव ने कहा, मैं केवल खेलने नहीं आया हूं। मैं अगले 10 से 20 साल तक प्रभावी प्रदर्शन चाहता हूं। उन्होंने आईपीएल फाइनल के बाद पूर्व कप्तान विराट कोहली के साथ हुई मुलाकात को याद करते हुए कहा जब उन्होंने मेरे कंधे पर हाथ रखा, तो असल में मुझे लग रहा था कि मेरा सपना पूरा हो गया है। वह पल उनके लिए केवल एक मुलाकात से कहीं बढ़कर था, यह एक युवा खिलाड़ी के लिए किसी सपने के सच होने जैसा था।

आईपीएल 2026 के अपने प्रदर्शन को लेकर हुए, वैभव ने माना है कि व्यक्तिगत सफलता के बावजूद कुछ निराशा भी थी। उन्होंने कहा, अगर अंतिम मैच में हम जल्दी विकेट नहीं खोते तो हम आईपीएल 2026 का फाइनल खेल रहे होते। अपनी टीम राजस्थान रॉयल्स के भविष्य के लिए उन्होंने कहा कि आने वाले समय में हम अधिक से अधिक बार ट्रॉफी जीतना चाहेंगे। साथ ही कहा कि उन्हें लाल गेंद क्रिकेट से भी प्यार है। उन्होंने कहा, मुझे लाल गेंद वाला क्रिकेट खेलना है क्योंकि मैं इसे पसंद करता हूं। मेरा सपना तीनों प्रारूपों में खेलना है। वैभव अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलने को लेकर उत्साहित होने के साथ ही आत्मविश्वास से भरे दिखे।

सूर्यकुमार को बाहर नहीं किया गया बल्कि आराम दिया गया है: एमएसके प्रसाद

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के पूर्व चयनकर्ता एमएसके प्रसाद का कहना है कि सूर्यकुमार यादव को भारतीय टी20 टीम से बाहर किये जाने की खबरें गलत हैं। वास्तविकता ये है कि उन्हें आराम दिया गया है। वहीं इससे पहले शनिवार को भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे के अलावा एशियाई खेलों के लिए भी टीम घोषित कर दी थी पर इसमें सूर्यकुमार को शामिल नहीं किया गया। चयनकर्ताओं ने सूर्यकुमार की जगह श्रेयस अय्यर को नया कप्तान भी बना दिया। इससे ये कहा जा रहा है कि सूर्यकुमार का अंतरराष्ट्रीय करियर अब समाप्त हो गया है। उनकी कप्तानी में भारतीय टीम ने 2026 टी20 विश्व कप खिताब जीता था पर उस दौरान उनका स्वयं का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। इसी कारण इस बार उसे टीम में जगह नहीं मिली। वहीं प्रसाद का कहना है कि सूर्यकुमार को जसप्रीत बुमराह और हार्दिक पांड्या की तरह आराम दिया गया है और वह जल्द ही टीम में वापसी करेंगे।

प्रसाद ने कहा, आप अपने विश्वकप विजेता कैप्टन को ऐसे नहीं हटाते। जिस प्रकार से बुमराह और हार्दिक पांड्या को आराम दिया गया है। मेरा मानना है कि उसी प्रकार से ही सूर्यकुमार को भी आराम दिया गया होगा। उन्होंने आगे कहा, -वह बहुत अच्छा और बहुत बड़ा खिलाड़ी है, उसे इस प्रकार से अचानक ही बाहर नहीं किया जा सकता।

दूसरी ओर बोर्ड ने सूर्या को किसी भी दौरे के लिए नहीं रखा है जबकि बुमराह का नाम एशियाई खेलों के लिए शामिल है। इससे साफ है कि चयनसमिति की भविष्य की योजनाओं में सूर्यकुमार शामिल नहीं है। इसका एक कारण उनकी बढ़ती उम्र भी माना जा रहा है।

शुभमन को टी20 टीम से बाहर रखने का कारण सामने आया

–बीसीसीआई चाहता है कि अभी एकदिवसीय विश्वकप पर ही ध्यान दें

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय टी20 टीम के नये कप्तान की दौड़ में शुभमन गिल को प्रमुख दावेदार माना जा रहा था पर उनकी जगह पर श्रेयस अय्यर को कप्तानी मिल गयी। इस पर कई प्रशंसकों को हैरानी भी हुई क्योंकि शुभमन ने हाल ही में समाप्त हुए आईपीएल में 700 से अधिक रन बनाये थे। वहीं अब उन्हें टी20 टीम की कप्तानी नहीं दिये जाने का कारण सामने आया है।

चयन समिति ने शुभमन कहा दिया था कि अभी वह 2027 एकदिवसीय विश्व कप तक टेस्ट और एकदिवसीय मुकाबलों तक ही सीमित रहें। जिससे वह बड़े आईसीसी टूर्नामेंटों के लिए तरोताजा बने रहें। चयनकर्ताओं को लगता था कि अगर शुभमन तीनों प्रारूपों की कप्तानी करेंगे तो उन्हें थकान होने की आशंका है क्योंकि भारतीय टीम का अगले 18 महीने का कार्यक्रम बेहद व्यस्त है।

गौरतलब है कि गिल को 2027 विश्व कप शुरू होने से पहले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के नौ टेस्ट मैचों में भारत की कप्तानी करनी है और करीब 35 एकदिवसीय भी खेलने हैं। इसके अतिरिक्त, वह आईपीएल में गुजरात टाइटन्स के कप्तान भी हैं। ऐसे में उन्हें टेस्ट और एकदिवसीय विश्व कप के लिए पूरी तरह से फिट और केंद्रित रखना जरूरी है। इसी कारण चयनकर्ता उन्हें सभी प्रारूपों में एक साथ खेलने के बोझ से बचाना चाहते हैं जिससे उनकी फॉर्म और फिटनेस प्रभावित न हो और वह बड़े मुकाबलों में प्रभावी भूमिका निभा सकें।

इसके अलावा, वर्तमान टी20 टीम में शीर्ष क्रम में संजू सैमसन, अभिषेक शर्मा, ईशान किशन और पदार्पण करने जा रहे वैभव सूर्यवंशी जैसे खिलाड़ी पहले से ही मौजूद हैं। ऐसे में किसी और बल्लेबाज को शीर्ष क्रम में शामिल करना टीम संतुलन को बिगाड़ देगा। शुभमन को कमजोर आईपीएल फॉर्म को देखते हुए, उन्हें टी20 टीम से बाहर रखने का मुख्य कारण भविष्य को देखते हुए बनायी गयी रणनीतिक प्राथमिकता है, न कि प्रदर्शन।

इसी कारण शुभमन को टी20 प्रारूप में शामिल नहीं किया गया है पर माना जा रहा है कि साल 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक या ऑस्ट्रेलिया में होने वाले टी20 विश्व कप से पहले उन्हें फिर से इस प्रारूप में शामिल किया जा सकता है। साल 2028 में होने वाले दो बड़े टी20 टूर्नामेंट के लिए अभी काफी समय है। ऐसे में शुभमन का ध्यान निकट भविष्य के मुकाबलों पर है।

भारत के पहली पारी के 564 रनों के जवाब में अफगानिस्तान ने 113 रनों पर ही पांच विकेट गंवाये

– राहुल के बाद शुभमन ने भी लगाया शतक

न्यू चंडीगढ़ (एजेंसी)। शुभमन गिल और केएल राहुल के शानदार शतकों और ऋषभ पंत के अर्धशतक की सहायता से भारतीय क्रिकेट टीम ने यहां अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र क्रिकेट टेस्ट मैच की पहली पारी आठ विकेट पर 564 रनों पर घोषित कर दी। इसके बाद बल्लेबाजी करते हुए अफगानिस्तान ने दूसरे दिन का खेल समाप्त होने के समय तक अपनी पहले पारी में पांच विकेट पर केवल 113 रन ही बनाये। दिन का खेल समाप्त होने के समय रहमत शाह 41 रनों पर खेल रहे थे। वहीं अन्य बल्लेबाज सस्ते में ही सिमट गये।

इस प्रकार अफगान टीम भारतीय टीम से पहली पारी के आधार पर 451 रनों से पीछे है। भारत की ओर से पदार्पण कर रहे गेंदबाज मानव सुथार ने केवल 21 रन देकर तीन खिलाड़ियों को आउट किया। वहीं प्रसिद्ध कृष्णा ने दो विकेट लिए।

इससे पहले आज पूरे दिन भारतीय बल्लेबाज और गेंदबाज हावी रहे। भारत ने 368/3 से आगे खेलना शुरू किया।

भारतीय टीम की ओर से कप्तान शुभमन गिल ने 126 रन की बेहतरीन पारी खेली जबकि केएल राहुल ने 100 रन बनाए। वॉशिंगटन सुंदर 52 रन बनाकर नाबाद रहे।

पहले दिन की तरह ही भारतीय बल्लेबाजों ने दूसरे दिन भी जमकर रन बनाये। पहले दिन जहां केएल राहुल ने शतक लगाया था, वहीं दूसरे दिन कप्तान शुभमन ने कप्तानी पारी खेलकर 126 रन बनाकर स्कोर आगे बढ़ाया। तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे साई सुदर्शन ने भी 81 रन बनाए और टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया।

दूसरे दिन आक्रामक बल्लेबाज ऋषभ ने अपने स्वाभाविक अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए 81 रन बनाए। इसके अलावा मानव सुथार ने दो छक्के लगाकर 28 रन बनाये। वहीं जबकि मोहम्मद सिराज ने सिर्फ 12 गेंदों में 22 रन बना दिये। कुलदीप यादव 9 रन बनाकर नाबाद रहे। इससे भारतीय टीम ने 564 रन का विशाल स्कोर बनाया।

वहीं अफगान टीम की ओर से सलीम सफी ने 140 रन देकर सबसे अधिक छह विकेट लिए। सफी ने नई गेंद से शानदार गेंदबाजी करते हुए भारतीय बल्लेबाजों को कोई अवसर नहीं दिया। वहीं हशमतुल्लाह शाहिदी ने एक विकेट लिया।

श्रेयस अय्यर सफल कप्तान साबित होंगे : रोहित

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने टी20 प्रारूप के लिए कप्तान बनाये गये श्रेयस अय्यर की प्रशंसा करते हुए कहा है कि उनमें वो सभी खूबियां है जो सफल कप्तान में होनी चाहिये। ऐसे में कप्तान के तौर पर उनका कार्यकाल सफल रहेगा। रोहित के अनुसार कप्तान के तौर पर उन्हें आईपीएल और घरेलू क्रिकेट में अच्छा अनुभव है जो उनके काम आयेगा। उन्होंने कहा है कि अय्यर भारतीय टीम को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए पूरी तरह तैयार है और देश के भावी कप्तान के रूप में एक शानदार कार्यकाल बिताएंगे। रोहित ने कहा कि श्रेयस को आईपीएल कप्तानी के अनुभवों का भी लाभ मिलेगा। रोहित ने कहा कि कोलकाता नाइट राइडर्स को 2024 का खिताब जिताने और फिर 2025 में पंजाब किंग्स को फाइनल तक पहुंचाने के उनके अच्छे रिकॉर्ड को देखते हुए, उन्हें पूरा विश्वास है कि वह भारतीय टीम की कमान संभालने के लिए तैयार हैं। टी20 मुंबई लीग के ब्रांड एंबेसडर बने रोहित ने कहा, मुझे भरोसा है कि पिछले कुछ साल में उन्होंने अपनी फॅंचाइजी के लिए जिस तरह से कप्तानी की है, उसे देखते हुए उनका समय अच्छा रहेगा। रोहित ने कहा कि मुंबई के क्रिकेटरों के लिए कुछ भी आसान नहीं होता क्योंकि मुकाबला कड़ा होता है। उन्होंने कहा, देखिए, मुंबई में खेलना और मुंबई का प्रतिनिधित्व करना आपको बहुत कुछ सिखाता है क्योंकि यहां कुछ भी आसानी से नहीं मिलता। रोहित ने स्पष्ट किया कि कप्तानी ऐसी चीज है जिसे हासिल करना पड़ता है और अपने आसपास के लोगों का सम्मान पाना होता है, और अय्यर के पास ये सभी खूबियां मौजूद हैं।

भारतीय टी20 टीम की कप्तानी मिलने से सम्मानित अनुभव कर रहा : श्रेयस अय्यर

मुम्बई। भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के नये कप्तान बनाये जाने से श्रेयस अय्यर बेहद खुश है। श्रेयस ने कहा कि वह कप्तानी दिये जाने से सम्मानित अनुभव कर रहे है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) चयन समिति ने शनिवार को हुई बैठक में सूर्यकुमार यादव की जगह पर अय्यर को नया कप्तान घोषित कर दिया था। कप्तानी की जिम्मेदारी मिलने से अय्यर ने कहा कि उन्हें गर्व का अनुभव हो रहा है। मुंबई टी20 लीग में सोबो मुंबई फाल्कन्स की ओर से खेल रहे श्रेयस ने कहा कहा, यह बहुत अच्छा एहसास है और इस स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व करना और टीम की कप्तानी करना सम्मान की बात है। अय्यर ने अपनी खुशी व्यक्त करते हुए आगे कहा कि उन्होंने उसी दिन अपनी टीम के लिए महत्वपूर्ण रन बनाए और जीत दिलाई। इससे राष्ट्रीय टीम की कमान संभालने से पहले उनका आत्मविश्वास और बढ़ा है।

जब उनसे उन प्रशंसकों के लिए कोई संदेश देने को कहा गया जिन्होंने वर्षों से उनका समर्थन किया है, तो श्रेयस ने स्वीकार किया कि उन्हें प्रशंसकों से अपार प्यार मिला है। उन्होंने कहा, मुझे प्रशंसक बहुत पसंद है - जिस तरह से उन्होंने मेरा समर्थन किया है और इतने सालों में अपना योगदान दिया है। मुझे लगता है कि यह बहुत बड़ी बात है, और मैं उन पर अपना प्यार और सम्मान बरसाना चाहता हूं। उन्होंने अपने प्रशंसकों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया और उनके निरंतर समर्थन के महत्व पर जोर दिया। वहीं, कप्तानी में इस महत्वपूर्ण बदलाव की आधिकारिक घोषणा के बाद, निवर्तमान कप्तान सूर्यकुमार यादव ने भी उन्हें बधाई दी। । सूर्यकुमार ने इस घटनाक्रम को मुंबई क्रिकेट के लिए एक गर्व का क्षण भी बताया।

2027 विश्व कप हेतु विकेटकीपिंग को लेकर पठान ने रखा अपना पक्ष

नई दिल्ली। भारत के पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान ने 2027 क्रिकेट विश्व कप को लेकर भारतीय टीम की संभावित विकेटकीपिंग रणनीति पर अपने विचार साझा किए हैं। उनका मानना है कि आगामी विश्व कप के लिए केएल राहुल और ईशान किशन भारत की पहली पसंद के विकेटकीपर-बल्लेबाज हो सकते हैं। साथ ही उन्होंने संजू सैमसन को भी एक मजबूत विकल्प बताया है। दक्षिण अफ्रीका, नामीबिया और जिम्बाब्वे की संयुक्त मेजबानी में होने वाले 2027 विश्व कप के लिए भारतीय टीम के पास विकेटकीपर की भूमिका निभाने वाले कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी मौजूद हैं। ऐसे में टीम प्रबंधन के सामने चयन को लेकर दिलचस्प चुनौती रहने वाली है। एक बातचीत के दौरान इरफान पठान ने कहा कि उनकी प्राथमिकता सूची में केएल राहुल सबसे ऊपर हैं। उनके अनुसार राहुल एक ऐसे विकेटकीपर-बल्लेबाज हैं जो मध्यक्रम में बल्लेबाजी करने के साथ-साथ टीम की जरूरत के अनुसार विभिन्न भूमिकाएं निभा सकते हैं। पठान ने राहुल को बहुमुखी खिलाड़ी बताते हुए कहा कि वह टीम संतुलन के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण हैं। पूर्व भारतीय ऑलराउंडर का मानना है कि ईशान किशन भी विश्व कप योजनाओं का अहम हिस्सा हो सकते हैं। उनके मुताबिक टीम को ऐसे बल्लेबाज की जरूरत होती है जो शीर्ष क्रम में आक्रामक बल्लेबाजी कर सके और तेज गेंदबाजों की शॉर्ट गेंदों का प्रभावी ढंग से सामना कर सके। इस कारण ईशान किशन को भी मजबूत दावेदार माना जाना चाहिए। हालांकि पठान ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि टीम में अतिरिक्त स्थान उपलब्ध होता है तो संजू सैमसन को अवसर मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि सैमसन ने जब भी वनडे क्रिकेट में मौका पाया है, उन्होंने प्रभावशाली प्रदर्शन किया है। उनके अनुसार संजू अब पहले की तुलना में अधिक परिपक्व बल्लेबाज बन चुके हैं और दबाव की परिस्थितियों में लंबी पारियां खेलने की क्षमता विकसित कर चुके हैं। संजू सैमसन का वनडे रिकॉर्ड भी उनके पक्ष में जाता है। उन्होंने अब तक 16 एकदिवसीय मुकाबलों में 56.66 की शानदार औसत और लगभग 100 के स्ट्राइक रेट से 510 रन बनाए हैं। सीमित अवसरों के बावजूद उनका प्रदर्शन लगातार प्रभावशाली रहा है। दूसरी ओर केएल राहुल पिछले कुछ वर्षों में भारत के प्रमुख विकेटकीपर-बल्लेबाज के रूप में स्थापित हुए हैं।

गुलाबी गेंद के इस्तेमाल के पक्ष में गौतम गंभीर: बोले- मैच का नतीजा निकलना सबसे जरूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने टेस्ट क्रिकेट में खराब रोशनी की स्थिति से निपटने के लिए गुलाबी गेंद के इस्तेमाल का समर्थन किया है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) द्वारा हाल ही में लिए गए फैसले का स्वागत करते हुए उन्होंने कहा कि यदि किसी मैच का परिणाम निकालने का अवसर मौजूद हो तो उसे हर हाल में सुनिश्चित किया जाना चाहिए। टेस्ट क्रिकेट में अक्सर खराब रोशनी के कारण खेल रोकना पड़ता है, जिससे मैच का समय प्रभावित होता है और कई बार नतीजा भी नहीं निकल पाता। इसी समस्या के समाधान के लिए आईसीसी ने एक नया प्रयोग मंजूर किया है। इसके तहत पारंपरिक लाल गेंद से शुरू होने वाले टेस्ट मैचों में यदि रोशनी की समस्या पैदा होती है और दोनों टीमें सहमत हों, तो फ्लडलाइट की रोशनी में गुलाबी गेंद का इस्तेमाल किया जा सकेगा। इस व्यवस्था का उद्देश्य खेल के अधिक से अधिक ओवर पूरे कराना और मैच को परिणाम तक पहुंचाने की संभावना बढ़ाना है।

आईसीसी बोर्ड की हालिया बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। नया नियम एक अक्टूबर से लागू होगा। इसके तहत लाल गेंद से खेल शुरू होगा, लेकिन रोशनी कम होने की स्थिति में गुलाबी गेंद का उपयोग कर मैच जारी रखा जा सकेगा। हालांकि इसके लिए दोनों टीमों की सहमति अनिवार्य होगी। अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच से पहले मीडिया से बातचीत में गौतम गंभीर ने कहा कि उन्हें यह फैसला बेहद पसंद आया है। उनके अनुसार क्रिकेट का उद्देश्य केवल खेलना नहीं बल्कि परिणाम तक पहुंचना भी है। उन्होंने कहा कि यदि परिस्थितियां अनुमति देती हैं और दोनों टीमें तैयार हैं तो मैच को बीच में रोकने के बजाय वैकल्पिक व्यवस्था अपनाई जानी चाहिए। गंभीर ने इस फैसले के पीछे व्यावहारिक पहलुओं का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भारत को अगले वर्ष फरवरी-मार्च में घरेलू मैदान पर बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी खेलनी है। इस श्रृंखला के कुछ मुकाबले पूर्वी भारत के शहरों में प्रस्तावित हैं, जहां सूर्यास्त अपेक्षाकृत जल्दी होता है। ऐसे में खराब रोशनी के कारण खेल प्रभावित होने की आशंका बनी रहती है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि यदि कोई टीम विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में जगह बनाने की दौड़ में हो और आखिरी टेस्ट मैच खराब रोशनी के कारण बिना नतीजे के समाप्त हो जाए, तो यह खेल और टीम दोनों के लिए निराशाजनक स्थिति होगी। हालांकि उन्होंने स्वीकार किया कि एक ही मैच में लाल गेंद से गुलाबी गेंद में बदलाव खिलाड़ियों के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकता है, लेकिन बड़े लक्ष्य हासिल करने के लिए परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढालना भी जरूरी है।

श्रेयस की जगह शुभमन को बनाया जाना चाहिये था कप्तान : मांजरेकर

मुम्बई। पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर का मानना है कि श्रेयस अय्यर की जगह पर शुभमन गिल को भारतीय टी20 टीम का कप्तान बनाया जाता तो बेहतर रहता। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) चयन समिति ने शनिवार को सूर्यकुमार यादव को हटाकर श्रेयस को कप्तानी सौंप दी थी। इस फैसले पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए मांजरेकर ने कहा था कि शुभमन के पास अधिक काबिलियत और अनुभव है। वह 6 महीने पहले तक टी20 प्रारूप में शामिल थे पर अब उन्हें बाहर कर दिया गया है। श्रेयस को आयरलैंड के खिलाफ दो मैच, इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैच और फिर एशियन गेम्स के लिए टी20 टीम का कप्तान नियुक्त किया गया है। उन्होंने कहा कि श्रेयस ने करीब 3 साल से टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं खेला है। उन्होंने आईपीएल में 500 रन बनाये थे, वहीं शुभमन दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज थे। उन्होंने 732 रन बनाए थे। मांजरेकर ने कहा है कि टी20 इस बार ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में खेला जाएगा, जहां शुभमन का रिकार्ड काफी अच्छा रहा है। इसके अलवा उनका तकनीक भी इन देशों में सफल रहती। की टेक्निक अच्छी हो सकती है। मांजरेकर ने कहा, ' श्रेयस को कप्तानी दिया जाना हैरानी की बात है। उन्हें पिछले कुछ महीनों से टी20 दल में जगह तक नहीं मिल पा रही थी जबकि अब उन्हें सीधे तौर पर ही कप्तानी दे दी है। वहीं होता ये है कि किसी भी खिलाड़ी को पहले उपकप्तानी दी जाती है। वहीं जगह पक्के पर कप्तान बनाया जाता है। मुझे लगता है कि शुभमन में लंबे समय टी20 कप्तान बनने के लिए श्रेयस से बेहतर योग्यता है।' ऐसे में मेरा मानना है कि शुभमन को कप्तान बनाया जाता तो अधिक बेहतर होता।

वैभव सूर्यवंशी को टेस्ट खेलना चाहिए, लेकिन थोपना नहीं चाहिए : रविचंद्रन अश्विन

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट के दिग्गज स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने टेस्ट क्रिकेट के भविष्य, युवा खिलाड़ियों की सोच और आधुनिक क्रिकेट की चुनौतियों पर खुलकर अपने विचार रखे हैं। अश्विन ने कहा कि युवा प्रतिभा वैभव सूर्यवंशी को टेस्ट क्रिकेट जरूर खेलना चाहिए, लेकिन किसी खिलाड़ी पर इस प्रारूप को थोपना उचित नहीं होगा। अश्विन ने कहा कि व्यक्तिगत तौर पर वह मानते हैं कि वैभव सूर्यवंशी जैसे प्रतिभाशाली खिलाड़ी को टेस्ट क्रिकेट में अपनी क्षमता आजमानी चाहिए क्योंकि यह खेल का सर्वोच्च प्रारूप है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि किसी युवा खिलाड़ी को वह रास्ता अपनाने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता जिसे वह स्वयं नहीं चुनना चाहता। उनके अनुसार आज का क्रिकेट माहौल और बदलती प्राथमिकताएं खिलाड़ियों की सोच को प्रभावित कर रही हैं। उन्होंने कहा कि जमीनी स्तर पर कोचिंग के दौरान उन्होंने शायद ही किसी युवा क्रिकेटर को रेड बॉल क्रिकेट खेलने की तीव्र इच्छा के साथ आते देखा हो। अधिकांश खिलाड़ी जल्दी से आक्रामक शॉट सीखना चाहते हैं और सीमित ओवरों के क्रिकेट की ओर आकर्षित होते हैं। टेस्ट क्रिकेट के भविष्य को लेकर चिंता व्यक्त करते हुए अश्विन ने कहा कि इस प्रारूप को समय के साथ विकसित होने की जरूरत है। उनका मानना है कि टेस्ट टीम में जगह बनाने का प्रमुख आधार प्रथम श्रेणी क्रिकेट होना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है, लेकिन कई उत्कृष्ट प्रथम श्रेणी खिलाड़ी अवसरों के अभाव में राष्ट्रीय टीम तक नहीं पहुंच पाते। ऐसे में सवाल यह है कि युवा खिलाड़ी वर्षों तक घरेलू क्रिकेट को समर्पित क्यों रहें, जब उन्हें पर्याप्त आर्थिक लाभ और अवसर नहीं मिलते। अश्विन के अनुसार टेस्ट क्रिकेट केवल भारत की नहीं बल्कि वैश्विक चुनौती बन चुका है। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों को लंबे दौरों, लगातार यात्रा, चार दिवसीय और पांच दिवसीय मैचों तथा शारीरिक दबाव का सामना करना पड़ता है, जबकि सीमित ओवरों के क्रिकेट में कम समय में अधिक कमाई की संभावना रहती है। इसके बावजूद उन्होंने कहा कि किसी रोमांचक टेस्ट मैच में जीत का जो संतोष मिलता है, उसकी तुलना किसी अन्य प्रारूप से नहीं की जा सकती। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि यदि क्रिकेट प्रशासक वास्तव में टेस्ट क्रिकेट को मजबूत बनाना चाहते हैं तो युवा खिलाड़ियों को ऐसे कोचों के मार्गदर्शन में तैयार किया जाना चाहिए जो पारंपरिक क्रिकेट मूल्यों को महत्व देते हों।

शमी ने बंगाल प्रो टी20 लीग में हैट्रिक लगाकर सिलिगुड़ी स्ट्राइकर्स को जीत दिलायी

कोलकाता। भारतीय क्रिकेट टीम में वापसी करने में असफल रहे अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने बंगाल प्रो टी20 लीग में हैट्रिक लगाकर एक नया रिकार्ड बनाया है। शमी ने इस लीग में सर्वोटेक सिलिगुड़ी स्ट्राइकर्स की ओर से खेलते हुए शमी ने टूर्नामेंट की पहली हैट्रिक लेकर एक नया रिकार्ड अपने नाम किया है। उनके इस असाधारण प्रदर्शन से सिलिगुड़ी स्ट्राइकर्स ने श्राची राढ़ टाइगर्स को 24 रनों से हरा दिया। शमी ने लगातार तीन विकेट लेकरउनके प्रदर्शन, फॉर्म और फिटनेस पर सवाल उठाने वालों को करारा जवाब दिया है। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए सर्वोटेक सिलिगुड़ी स्ट्राइकर्स ने तेजी से खेलते हुए 20 ओवरों में केवल 4 विकेट के नुकसान पर 208 रन बना दिये। युवा बल्लेबाज विशाल भाटी ने केवल 46 गेंदों में 86 रन बना दिये। उनकी इस पारी में 5 चौके और 6 छक्के शामिल थे, जिसने। भाटी के अलावा करण लाल ने 39 रनों की पारी खेली। वहीं प्रमोद चंदीला ने केवल 16 गेंदों में नाबाद 36 रन बनाकर टीम को 200 रनों के ऊपर पहुंचाया। शमी ने दो गेंदों पर 8 रन बनाये। इसके बाद 209 रनों के कठिन लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्राची राढ़ टाइगर्स ने भी आक्रामक शुरुआत की। उसके सलामी बल्लेबाजों ने तेजी से रन बनाये। शुभम डे ने 25 गेंदों पर 48 रन जबकि राहुल प्रसाद ने भी 26 गेंदों में 44 रन बना दिये। टीम तेजी से लक्ष्य की ओर बढ़ रही थी तभी लगातार अंतराल पर विकेट गिरने से उनकी लय बिगड़ गयी। टीम बड़ी साझेदारियां बनाने में विफल रही और यही जिससे उसे हार का सामना करना पड़ा।

भारत के लिए खेलना सपना सच होने जैसा है, घरेलू क्रिकेट में की गई मेहनत रंग लाई:मानव सुथार

नई दिल्ली (एजेंसी)। युवा मानव सुथार के लिए अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच में पहली बार भारतीय टीम में जगह बनाना सपने के सच होने जैसा है जिन्होंने गली-मोहल्ले में क्रिकेट का ककहरा सीखा और लगातार हतोत्साहित किए जाने के बावजूद क्रिकेट को करियर के रूप में चुना। राजस्थान के इस 30 वर्षीय खिलाड़ी ने घरेलू क्रिकेट और भारत ए की तरफ से लगातार अच्छे प्रदर्शन के बलबूते पर भारतीय टीम में जगह बनाई।

सुथार ने जियोस्टार पर कहा, 'क्रिकेट हमेशा से मेरे परिवार का एक अहम हिस्सा रहा है। मेरे पिताजी को क्रिकेट बहुत पसंद है और घर में सभी लोग नियमित रूप से मैच देखते हैं। बचपन में मैं भी उनके साथ बैठकर मैच देखा करता था। यहीं से क्रिकेट के प्रति मेरी दिलचस्पी बढ़ी। मैंने अपने दोस्तों के साथ गलियों में खेलना शुरू किया। गली क्रिकेट में मैंने इस खेल का ककहरा सीखा जैसे बल्ला पकड़ना और गेंदबाजी करना।'

उन्होंने कहा, 'जब मैं 10 या 11 साल का था, तब मैंने एक अच्छी क्रिकेट अकादमी में प्रवेश लिया तथा कोच धीरज सर और विनोद सर के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण लेना शुरू किया। उन्होंने मुझे सही तकनीक सिखाई और मेरे खेल को बेहतर बनाने में मदद की।' सुथार ने कहा, 'मुझे पहली बड़ी सफलता तब मिली जब मैं अंडर-14 वर्ग में राजस्थान के लिए खेला। उससे मुझे काफी प्रेरणा मिली और मुझे लगा कि मैं क्रिकेट को अपना करियर बना सकता हूं।'

मानव के लिए राष्ट्रीय टीम में जगह बनाने तक का सफर आसान नहीं रहा लेकिन टीम में एक स्थान के लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा को देखते हुए उन्होंने हौसला नहीं खोया और मेहनत करते रहे। उन्होंने कहा, 'भारत जैसे बड़ी जनसंख्या वाले देश में क्रिकेट में सफल होना कभी आसान नहीं होता। कुछ ही स्थान के लिए कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी प्रतिस्पर्धा करते हैं। मुझे भी कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा। कई लोगों ने मुझे अपनी पढ़ाई पर ध्यान देने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि क्रिकेट में कोई संभावना नहीं है और मैं अपना समय बर्बाद कर रहा हूं।'

मानव ने कहा, 'लेकिन मैंने हार नहीं मानी। मैं लगातार कड़ी मेहनत करता रहा। मुझे भारतीय टीम में चुने जाने की उम्मीद थी। यह इंतजार का खेल था और मैंने धैर्य बनाए रखा।' सुथार ने 2022-23 रणजी ट्रॉफी से ही लगातार अच्छा प्रदर्शन किया। उन्होंने अब तक 29 प्रथम श्रेणी के मैचों में 129 विकेट लिए हैं। उन्होंने बल्लेबाजी में भी अच्छा प्रदर्शन किया और खुद को एक ऑलराउंडर के रूप में स्थापित किया। उनके नाम पर प्रथम श्रेणी क्रिकेट में अभी तक एक शतक और छह अर्धशतक दर्ज हैं।'

मानव ने 2024 में गुजरात टाइटन्स के साथ डुआमें पदार्पण किया, लेकिन उस सत्र में केवल एक मैच खेला। उन्हें 2025 में खेलने का मौका नहीं मिला, लेकिन 2026 में उन्होंने चार मैच खेले। उन्होंने कहा, 'भारतीय टीम में जगह बनाकर अच्छा लग रहा है। घरेलू क्रिकेट और भारत ए के लिए की गई सारी मेहनत रंग लाई है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करना मेरे लिए एक सपने के सच होने जैसा है। सारी कुर्बानियों का आखिरकार फल मिल गया। मैं देश के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए तैयार हूं।'

इंडस्ट्री में मेरा शुरुआती दौर बहुत मुश्किलों भरा था

मनोरंजन जगत की चकाचौंध भरी दुनिया में नाम बनाना आसान नहीं है। किस्मत और मेहनत के दम पर काम तो मिल जाता है, लेकिन इंडस्ट्री की थका देने वाली भागदौड़ और तनाव भरी जिंदगी के कारण कई लोग यहां से दूरी बना लेते हैं। ऐसा ही कुछ अनुभव अभिनेत्री ईशा सिंह के साथ हुआ था। अभिनेत्री ईशा सिंह ने बातचीत में बताया कि उनका शुरुआती सफर बेहद मुश्किलों और चुनौतियों से भरा रहा था। अभिनेत्री ने शुरुआती दिनों के संघर्ष को याद करते हुए बताया, 'मेरा शुरुआती दौर यकीनन बहुत मुश्किलों भरा था। एक वक्त तो ऐसा भी था, जब परेशान होकर मैंने अपना पहला शो बीच में ही छोड़ दिया था और वापस अपने घर भोपाल चली गई थी, लेकिन मेरा मानना है कि भगवान ने मेरे लिए कुछ और ही सोच रखा था। उनकी कृपा और मेरी मेहनत की वजह से ही आज मैं इस मुकाम पर खड़ी हूं।' हालांकि, ईशा ने ये भी स्पष्ट किया कि इंडस्ट्री में उन्हें लोगों का भी बहुत साथ मिला और कभी आउटसाइडर जैसा महसूस नहीं हुआ। अभिनेत्री ईशा सिंह कई म्यूजिक वीडियोज और रियलिटी शो बिग-बॉस में भी नजर आ चुकी है, जहां उन्हें दर्शकों से प्यार मिला, तो कई बार ट्रोलिंग का भी सामना करना पड़ा। ट्रोलिंग को लेकर अभिनेत्री का कहना है, 'रियलिटी शोज आपको जनता के सामने एक खुली किताब की तरह रख देते हैं। लोग लगातार आपकी आलोचना करते हैं, लेकिन अब मैंने सीख लिया है कि इन नकारात्मक बातों का खुद पर असर न होने दूं। आज मैं मानसिक और भावनात्मक, दोनों ही स्तर पर पहले से कहीं ज्यादा मजबूत हो चुकी हूं। जब अभिनेत्री ईशा सिंह से पूछा, 'खबरें हैं कि आप अपने आने वाले किसी प्रोजेक्ट में एक 'ऑटिस्टिक' किरदार निभाती हुई नजर आ सकती हैं।

आपको इस तरह के संवेदनशील विषयों की ओर क्या चीज आकर्षित करती है?

अभिनेत्री ने इस सवाल का जवाब देते हुए कहा, 'यह एक बहुत ही खूबसूरत प्रोजेक्ट है और सही समय आने पर मैं इसके बारे में जरूर बात करूंगी, लेकिन अभी के लिए, मेरा पूरा ध्यान सिर्फ और सिर्फ अपनी फिल्म 'ऑब्सेस' पर ही केंद्रित है। यह एक इमोशनल और बेहद प्रभावशाली फिल्म है और मैं चाहती हूं कि दर्शक इसे सिनेमाघरों में जाकर जरूर देखें।'

मलयालम फिल्मों में काम नहीं करना चाहतीं जाह्नवी

हिंदी के साथ ही साउथ की फिल्मों में काम कर चुकीं जाह्नवी कपूर ने कहा कि वह दोबारा मलयालम सिनेमा में काम नहीं करना चाहती हैं। उन्होंने इसके पीछे की वजह भी बताई। हाल ही में फिल्म 'परम सुंदरी' में काम करने के बाद उन्होंने माना कि मलयालम भाषा उनके लिए काफी मुश्किल साबित हुई। जाह्नवी कपूर ने को दिए एक इंटरव्यू में बताया कि साल 2024 में तेलुगु फिल्म 'देवरा : पार्ट 1' से दक्षिण भारतीय सिनेमा में डेब्यू करने के बाद अब वे खुद को कई भाषा जानने वाली अभिनेत्री मानती हैं। उन्होंने बताया, 'सच कहूं तो मुझे सभी भाषाएं सीखनी हैं। लेकिन मलयालम भाषा की फोनेटिक्स (उच्चारण) मेरे लिए बहुत चुनौतीपूर्ण रही। मुझे नहीं लगता कि मुझे दोबारा मलयालम में काम करना चाहिए क्योंकि यह मेरे लिए बहुत मुश्किल है। यह बहुत खूबसूरत और प्यारी भाषा है, लेकिन तमिल और तेलुगु की आवाजों से मैं काफी हद तक परिचित हूं।' साल 2018 में फिल्म 'धड़क' से करियर की शुरुआत करने वाली जाह्नवी कपूर 'गुंजन सक्सेना', 'मिली' और 'देवरा: पार्ट 1' जैसी फिल्में दे चुकी हैं। जाह्नवी तेलुगु फिल्मों का भरपूर आनंद ले रही है और तमिल सिनेमा में भी काम करने की इच्छा जताई है। उन्होंने कहा, 'मैं तेलुगु फिल्मों में काम करने का सच में आनंद ले रही हूं। मैं तमिल फिल्मों में भी काम करना चाहूंगी।' 'पेद्दी' एक एक्शन ड्रामा फिल्म है। फिल्म का ट्रेलर हाल ही में रिलीज हुआ है, जिसे दर्शक काफी पसंद कर रहे हैं। ट्रेलर में गांव की जिंदगी, मेहनत, संघर्ष और खेलों के प्रति जुनून साफ दिखाई दे रहा है। राम चरण एथलीट 'पेद्दी' की भूमिका में हैं, जो क्रिकेट, कुश्ती और दौड़ जैसे कई खेलों के लिए मैदान में उतरता है। वर्तमान में जाह्नवी तेलुगु फिल्म 'पेद्दी' की रिलीज की तैयारी में व्यस्त हैं। बुची बाबू सना के निर्देशन में बनी इस फिल्म में जाह्नवी के साथ राम चरण लीड रोल में नजर आएंगे। फिल्म में मजबूत सपोर्टिंग कास्ट भी है, जिसमें शिव राजकुमार, दिव्येंदु और बोमन ईरानी शामिल हैं। फिल्म गांव के माहौल, एक्शन और भावनात्मक कहानी का रोमांचक मिश्रण है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ईशान का जलवा

अभिनेता ईशान खट्टर हॉलीवुड अभिनेत्री क्रिस्टन स्टीवर्ट और अन्य कई जाने-माने नामों के साथ बियारित्ज फिल्म फेस्टिवल के चौथे एडिशन में जूरी पैनल में शामिल होंगे। यह घोषणा खुद फिल्म फेस्टिवल की ओर से की गई है। ईशान के साथ-साथ फ्रांसीसी निर्देशक, स्क्रिप्ट राइटर और एडिटर नाथन एम्ब्रोसियोनी, फ्रांसीसी अभिनेत्री सूजी बेम्बा, कनाडाई अभिनेत्री व्हिटनी पीक और अन्य लोग भी शामिल होंगे।

ईशान खट्टर के इंटरनेशनल करियर की शुरुआत उनकी पहली फिल्म 'बियॉन्ड द क्लाउड्स' से ही हो गई थी। इसे 2018 में ईरानी फिल्म निर्माता माजिद मजीदी ने निर्देशित किया था। इसके बाद उन्होंने 2021 में लियोनार्डो डि कैप्रियो और जेनिफर लॉरेंस स्टारर फिल्म 'डोंट लुक अप' में एक कैमियो भूमिका निभाई। 2020 में उन्होंने मीरा नायर की ब्रिटिश सीरीज 'ए सूटेबल बॉय' में तब्बू के साथ मुख्य भूमिका निभाई। उनकी 2025 में आई फिल्म 'होमबाउंड' को ऑस्कर के लिए भारत की आधिकारिक एंट्री के रूप में चुना गया था और इसे शॉर्टलिस्ट भी किया गया था।

इस फिल्म में नजर आएंगे ईशान खट्टर

वर्कफ्रंट की बात करें तो ईशान खट्टर आखिरी बार पिछले साल रिलीज हुई फिल्म 'होमबाउंड' में नजर आए थे। दो दोस्तों की कहानी और जातिवाद जैसे गंभीर मुद्दे पर बात करती इस फिल्म को ऑस्कर के लिए भी भारत की ओर से भेजा गया था। फिल्म को कान समेत कई फिल्म फेस्टिवल में भी काफी सराहा गया। नीरज घेवान द्वारा निर्देशित इस फिल्म में ईशान के साथ विशाल जेठवा और जान्हवी कपूर भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आए हैं। वहीं उनकी आगामी फिल्मों में पलाश वासवानी द्वारा निर्देशित फिल्म 'जुगाडू' शामिल है। इसके अलावा पिछले साल आया उनके शो 'द रॉयल्स' के भी दूसरे सीजन की तैयारी चल रही है।

बाबिल खान ने मलयालम फिल्म इंडस्ट्री को बताया बेमिसाल

अभिनेता इरफान खान के बेटे बाबिल खान मलयालम सिनेमा में कदम रखने के लिए तैयार हैं। उन्होंने अपनी पहली मलयालम फिल्म 'गांधी बाजार संडे मार्केट' की शूटिंग शुरू कर दी है। इस फिल्म का निर्देशन जाने-माने फिल्ममेकर बाबू जनार्दन कर रहे हैं। यह बाबिल खान के अभिनय करियर में एक नए दौर की शुरुआत है। अपकमिंग फिल्म 'गांधी बाजार संडे मार्केट' में अपर्णा बालमुरली, दीपक परंबोल, निखिल नायर, जॉनी एंटनी, जगदीश, सुधीर करमना, आथमिया राजन और जयशंकर जैसे कलाकार होंगे। मलयालम फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखने के बारे में बात करते हुए, बाबिल ने बताया कि वह हमेशा से मलयालम सिनेमा और उसकी कहानी कहने के अंदाज से प्रभावित हैं। बाबिल ने की मलयालम सिनेमा की तारीफ उन्होंने कहा 'मलयालम सिनेमा ने हमेशा मेरे दिल में एक बहुत ही खास जगह बनाई है। यहां कहानियां जिस ईमानदारी, संवेदनशीलता और भावनात्मक गहराई के साथ कही जाती हैं, वह बेमिसाल है। सिलीगुड़ी में 'गांधी बाजार संडे मार्केट' की शूटिंग शुरू करना मेरे लिए बेहद रोमांचक और रचनात्मक है।'

पिछले कुछ वर्षों में, बाबिल खान ने अपने अनोखे और भावनात्मक रूप से गहरी परफॉर्मेंस के दम पर अपनी एक खास पहचान बनाई है। उन्हें आखिरी बार साइबर थ्रिलर फिल्म 'लॉगआउट' में देखा गया था। इसके अलावा, एक्टर को 'कला', 'फ्राइडे नाइट प्लान' और 'द रेलवे मैन' जैसी फिल्मों और सीरीज में अपने काम के लिए भी काफी तारीफ मिली है।

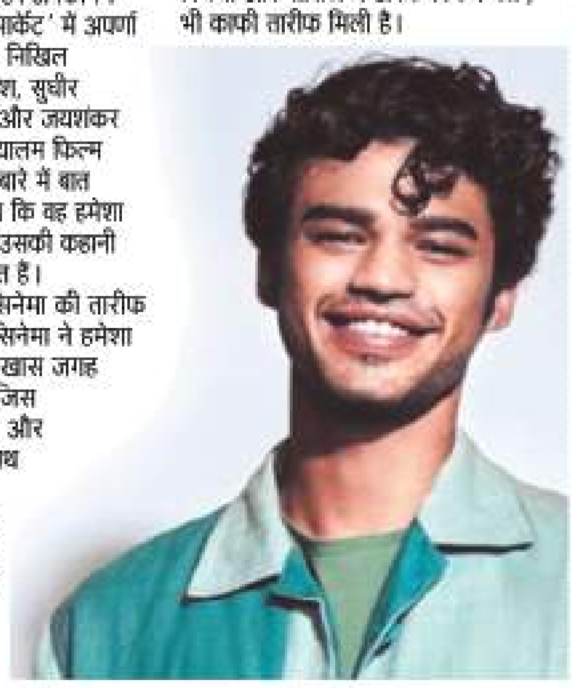

5 जुलाई को गौरी स्प्रैट संग शादी कर सकते हैं आमिर खान!

बॉलीवुड के 'मिस्टर परफेक्शनिस्ट' आमिर खान एक बार फिर अपनी निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, आमिर खान अपनी गर्लफ्रेंड गौरी स्प्रैट के साथ तीसरी शादी करने जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि दोनों 5 जुलाई को विवाह बंधन में बंध सकते हैं। आमिर के करीबी सूत्रों के अनुसार, यह शादी बेहद सादगीपूर्ण तरीके से की जाएगी। दोनों परिवार के सदस्यों और कुछ करीबी दोस्तों की मौजूदगी में घर पर ही रजिस्टर्ड मैरिज करेंगे। रिपोर्ट्स में यह भी दावा किया गया है कि शादी के बाद फिल्म इंडस्ट्री के लिए किसी भव्य रिसेप्शन का आयोजन नहीं किया जाएगा। हालांकि, इस संबंध में अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। रिश्ते को सार्वजनिक करने के बाद से गौरी स्प्रैट कई मौकों पर आमिर खान के साथ नजर आ चुकी हैं। गौरी एक सात वर्षीय बेटे की मां हैं। बताया जाता है कि आमिर और गौरी लगभग 25 वर्षों से एक-दूसरे को जानते हैं और लंबे समय तक दोस्त रहने के बाद दोनों ने अपने रिश्ते को नया नाम देने का फैसला किया। गौरतलब है कि मार्च 2025 में अपने 60वें जन्मदिन के अवसर पर आमिर खान ने मीडिया के सामने गौरी स्प्रैट को अपनी पार्टनर के रूप में परिचित कराया था। इस दौरान उन्होंने बताया था कि दोनों करीब 25 साल से दोस्त हैं, लेकिन कुछ समय पहले ही उनके बीच प्रेम संबंध की शुरुआत हुई। अगर आमिर और गौरी शादी करते हैं, तो यह अभिनेता की तीसरी शादी होगी। आमिर की पहली शादी रीना दत्ता से हुई थी, जिनसे उनके दो बच्चे जुनैद खान और ईरा खान हैं। वर्ष 2002 में दोनों का तलाक हो गया था। इसके बाद आमिर ने वर्ष 2005 में किरण राव से दूसरी शादी की। इस विवाह से उनका एक बेटा आजाद राव खान है। आमिर और किरण ने वर्ष 2021 में अलग होने का फैसला किया था। हालांकि, आमिर और गौरी की शादी को लेकर आधिकारिक पुष्टि का इंतजार किया जा रहा है।

12वीं फैल जैसी फिल्म का इतना अच्छा चलना मेरे लिए बहुत बड़ी बात थी

'12वीं फेल' से सीधे दर्शकों के दिलों में जगह बनाने वाली मेधा शंकर की कहानी जितनी चमकदार दिखती है, उतनी ही जमीन से जुड़ी भी है। नेशनल क्रश का टैग मिला लेकिन उन्होंने इसे बोझ नहीं बनाया क्योंकि उनका फंडा साफ है, जिंदगी में ज्यादा लोड नहीं लेना। कभी इसी राह पर कदम रखने के फैसले पर घर में सवाल उठे लेकिन उन्होंने भरोसा नहीं छोड़ा। स्ट्रगल, रिजेक्शन और मेहनत के बीच मेधा ने खुद को अपने तरीके से बिना ज्यादा शोर के साबित किया। हाल ही में अपनी फिल्म 'गिन्नी वेड्स सनी' के सिलसिले में लखनऊ आईं मेधा शंकर ने हमारे साथ दिलचस्प बातें शेयर कीं, जहां पर्दे के पीछे की उनकी असली कहानी, संघर्ष और सोच बिना किसी लाग-लपेट के सामने आई।

मैं जिंदगी में ज्यादा लोड नहीं लेती

नेशनल क्रश बनने में मेरा कोई योगदान नहीं था। जनता को प्यार हो गया तो हो गया। इस वजह से मैंने इस टैग का कोई प्रेशर नहीं लिया। नेशनल क्रश बनना तो एक अलग बात है लेकिन 12वीं फेल जैसी फिल्म का इतना अच्छा चलना मेरे लिए बहुत बड़ी बात थी। शुरुआत में घबराहट हुई क्योंकि मैं वैसे भी आउटसाइडर हूं तो डर था कि आगे मुझे काम मिलेगा या नहीं। क्या करूं, क्या नहीं, इस पर बहुत लोग राय दिया करते थे। फिर मुझे लगा कि इतना सोचने से कुछ नहीं होगा। चाहे कितना भी दिमाग लगा लूं, होगा वही जो होना है इसलिए बहुत सी चीजें भगवान के भरोसे छोड़ देती हूं। अगर दस स्क्रिप्ट आईं और उनमें से दो पसंद आईं तो मैं उन्हें हां कह देती हूं। मैं जिंदगी में ज्यादा लोड नहीं लेती।

12वीं फेल जैसी फिल्म का इतना अच्छा चलना मेरे लिए बहुत बड़ी बात थी। शुरुआत में घबराहट हुई क्योंकि मैं वैसे भी आउटसाइडर हूं तो डर था कि आगे मुझे काम मिलेगा या नहीं। क्या करूं, क्या नहीं, इस पर बहुत लोग राय दिया करते थे। फिर मुझे लगा कि इतना सोचने से कुछ नहीं होगा। चाहे कितना भी दिमाग लगा लूं, होगा वही जो होना है इसलिए बहुत सी चीजें भगवान के भरोसे छोड़ देती हूं।

बिना सफल हुए कोई भरोसा नहीं करेगा

'12वीं फेल' से पहले का दौर मुश्किल भरा था। ऑडिशन दे रही थी, पैसे खत्म हो गए थे। 2020 में सबकी तरह मेरे भी पैसे खर्च हो गए थे। ऐसा नहीं था कि घर से कोई फाइनेंशल सपोर्ट ना हो लेकिन 24 साल की उम्र में एक मिडिल-क्लास इंसान होने के नाते यह बात बुरी लगती है कि आपके पास अपना खुद का पैसा नहीं है। ऐसे समय में सिर्फ दो चीजें काम आती हैं, आत्मविश्वास और दृढ़ता। आपको डटे रहना होता है और खुद पर भरोसा रखना होता है। आप जब तक सफल नहीं होंगे, तब तक आप पर कोई भरोसा नहीं करेगा। ऐसा नहीं था कि '12वीं फेल' से पहले मुझमें टैलेंट नहीं था लेकिन तब कोई भरोसा नहीं कर रहा था। फिल्म जैसे ही चली, सब बदल गया। कोई आप पर भरोसा नहीं करेगा, जब तक आप सफल नहीं होते।

इंजीनियर या डॉक्टर बनने पर ही रिस्पेक्ट मिलती है, ये गलत

यह सोच कि सिर्फ सीए, इंजीनियर या डॉक्टर बनने पर ही रिस्पेक्ट मिलती है, यह पूरी तरह से गलत है। ऐक्टर, सिंगर, मॉडल, हर प्रोफेशन की अपनी इज्जत होती है। कोई भी काम छोटा नहीं होता। चाहे आप ट्रेन में तबला या ढोलक ही क्यों न बजा रहे हों, उसमें भी उतनी ही इज्जत है।'

हमेशा वही दिखता है, जिसने बुरा कहा है

सफल होने से पहले रिजेक्शन को पर्सनली नहीं लेना चाहिए। सामने वाला आपको जानता नहीं है तो वो पर्सनली आपके खिलाफ कैसे कुछ कर सकता है? अगर रिजेक्शन को पर्सनली लेते हैं तो आप बस अपना ही खून जलाते हैं। उससे कुछ हासिल नहीं होगा। मेरा मानना है कि अगर कोई जानबूझकर नेगेटिविटी फैला रहा तो मैं उसे लेकर क्या करूंगी, उसे जाने ही दूंगी। कभी-कभी सोचती हूं कि आखिर में सबको मरना ही है तो इतनी नेगेटिविटी का मतलब क्या है? हम खुद ही चीजों को जरूरत से ज्यादा बड़ा बना लेते हैं। 12वीं फेल के बाद मैंने बहुत प्रेशर ले लिया था। आगे क्या होगा, अगला प्रोजेक्ट क्या होगा। फिर समझ आया कि खुशी से काम है तो तनाव लेने से कोई फायदा नहीं। जिंदगी में परेशानी आई है तो रो-रोकर निकालो या खुशी के साथ। टाइम तो वैसे भी काटना ही है। चार लोग आपके बारे में बुरा बोलेंगे लेकिन चार लोग आपको प्यार भी कर रहे होंगे। अक्सर हमें वही दिखता है, जिसने बुरा कहा है।

संक्षिप्त समाचार

सहारा रेगिस्तान में ट्रक फंसा, प्यास से 49 लोगों की मौत

हारीबा, एजेंसी। नाइजर के सहारा रेगिस्तान में प्यास से कम से कम 49 लोगों की मौत हो गई। बीबीसी की एक रिपोर्ट के मुताबिक जिस ट्रक में वे यात्रा कर रहे थे, वह रास्ते में खराब हो गया था। यात्रियों ने कई दिनों तक इसे ठीक करने की कोशिश की, लेकिन वे इसमें कामयाब नहीं हो पाए। यह ट्रक माली के हारीबा शहर से रवाना हुआ था, जो नाइजर सीमा से 300 किलोमीटर से अधिक दूर है। वे एक मुस्लिम धार्मिक उत्सव में शामिल होने के बाद लौट रहे थे। यात्रा के दौरान उनका ट्रक खराब हो गया। वे रेगिस्तान के ऐसी जगह फंस गए थे जहां बेहद ज्यादा तापमान होता है। वहां पानी और बाकी जरूरी सामान मिलना बहुत मुश्किल होता है। ऐसी जगह फंस जाने के कारण उनके पास मौजूद पानी खत्म हो गया। इस हादसे में केवल दो लोग बच पाए। उन्होंने किसी तरह रेगिस्तान पार कर नजदीकी शहर असामाका तक पहुंचने में सफलता हासिल की और वहां अधिकारियों को घटना की जानकारी दी। जब बचाव दल मौके पर पहुंचा तो ट्रक के नीचे और उसके आसपास दर्जनों शव पड़े मिले। बचाव टीम ने मृतकों के शवों को सामूहिक कब्र में दफना दिया। घटनास्थल से लौटते समय बचाव दल को एक और खराब ट्रक मिला। इस ट्रक में 60 से अधिक लोग सवार थे, जो बैटरी खराब होने के कारण पिछले तीन दिनों से रेगिस्तान में फंसे हुए थे। बचाव टीम ने थके हुए और परेशान यात्रियों को पानी दिया। साथ ही उन्होंने ट्रक की मरम्मत में मदद की, जिसके बाद वे वापस लौट पाए।

एयरपोर्ट पर खड़ा विमान अचानक झुका, अगला हिस्सा जमीन पर गिरा; कई कर्मचारी घायल

बर्लिन, एजेंसी। फ्रैंकफर्ट एयरपोर्ट पर गेट के पास खड़ा एक यात्री विमान अचानक आगे की तरफ झुक गया। विमान का अगला पहिया टूटने से उसका सामने वाला हिस्सा सीधे जमीन पर जा गिरा। हादसे में कई कर्मचारी घायल हो गए। यह घटना तब हुई, जब जर्मन एयरलाइंस लुफ्थांसा के बोइंग 787-9 ड्रीमलाइनर विमान उड़ान की तैयारी में था। उस समय यात्री विमान में सवार नहीं हुए थे, लेकिन क्रू मेंबर और ग्राउंड स्टाफ अंदर मौजूद थे। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में विमान का अगला हिस्सा तेजी से नीचे गिरता दिखा। घटना के तुरंत बाद एयरपोर्ट पर इमरजेंसी टीमें पहुंचीं। लुफ्थांसा ने बताया कि घायलों का इलाज चल रहा है। यह विमान फ्रैंकफर्ट से लॉस एंजिलिस जाने वाला था। जिस विमान के साथ हादसा हुआ, वह नया बोइंग 787-9 ड्रीमलाइनर था और जनवरी 2026 से ही नियमित सेवा में शामिल हुआ था। फिलहाल हादसे की जांच शुरू कर दी गई है।

ट्रंप प्रशासन को बड़ा झटका : आव्रजन नीति पर अदालत की रोक

बोस्टन, एजेंसी। अमेरिका में आव्रजन नीति को लेकर ट्रंप प्रशासन को बड़ा कानूनी झटका लगा है। एक संघीय न्यायाधीश ने उस विवादित नीति को रद्द कर दिया है, जिसके तहत 39 देशों के प्रवासियों के शरण, वर्क परमिट, ग्रीन कार्ड और नागरिकता से जुड़े मामलों पर गंभीर असर पड़ रहा था। अदालत ने अपने फैसले में कहा कि यह नीति हजारों प्रवासियों को कानूनी अनिश्चितता में धकेल रही थी और इसे लागू करने वाली एजेंसी ने अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर कार्रवाई की। अदालत ने नीति को बताया मनमाना और कानून के खिलाफ अमेरिकी जिला न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश जॉन मैककॉनेल जूनियर ने अपने फैसले में ट्रंप प्रशासन की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि अमेरिकी नागरिकता और आव्रजन सेवा (यूएससीआईएस) ने ऐसी शक्तियों का दावा किया, जो उसे कानून प्राप्त नहीं हैं। न्यायाधीश ने कहा कि एजेंसी ने बिना पर्याप्त और तर्कसंगत स्पष्टीकरण दिए फैसले लिए और उन लोगों के हितों को नजरअंदाज किया, जिन्होंने मौजूदा नियमों के आधार पर आवेदन किए थे। उन्होंने यह भी टिप्पणी की कि राष्ट्रीय सुरक्षा के नाम पर दिए गए कई तर्क वास्तविकता से मेल नहीं खाते और इन नीतियों में प्रवासियों के प्रति नकारात्मक दृष्टिकोण झलकता है।

अफ्रीका में इबोला का बढ़ता खतरा

किंशासा, एजेंसी। कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य में इबोला वायरस का प्रकोप लगातार बढ़ रहा है। देश के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, अब तक 452 मामलों की पुष्टि हो चुकी है, जिनमें 82 लोगों की मौत हो गई है। 14 जून को ही 71 नए मामले और 21 मौतें दर्ज की गईं, जिससे सामुदायिक संक्रमण की गंभीरता बढ़ गई है। वर्तमान में 258 मरीज इलाज या आइसोलेशन में हैं। स्वास्थ्य अधिकारियों के सामने कमजोर संपर्क-ट्रेसिंग, दवाओं और चिकित्सा संसाधनों की कमी तथा 2.15 करोड़ डॉलर की फंडिंग कमी जैसी चुनौतियां हैं। पड़ोसी युगांडा में भी तीन नए मामले सामने आने के बाद कुल संक्रमितों की संख्या 19 हो गई है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए अफ्रीका सीडीसी और डब्ल्यूएचओ ने जून से नवंबर तक के लिए 518 मिलियन डॉलर की महाद्वीपीय इबोला तैयारी एवं प्रतिक्रिया योजना शुरू की है। अब तक 34 स्वास्थ्यकर्मी संक्रमित हुए हैं।

युद्धविराम के बीच फिर भड़का तनाव, हिजबुल्ला ने इस्राइली लड़ाकू विमानों पर दागीं मिसाइलें

तेल अवीव, एजेंसी। पश्चिम एशिया में शांति की कोशिशों के बीच एक बार फिर तनाव बढ़ गया है। इस्राइली सेना ने दावा किया है कि हिजबुल्ला ने इस्राइली वायुसेना के विमानों को निशाना बनाकर सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलें दागीं। यह हमला ऐसे समय में हुआ है जब कुछ दिन पहले ही इस्राइल और लेबनान के बीच युद्धविराम लागू करने पर सहमति बनी थी। हमले के बाद उत्तरी इस्राइल के कई इलाकों में सायरन बज उठे और हजारों लोग बंकरों की ओर भागे। हालांकि इस्राइली सेना ने कहा कि इस घटना में किसी विमान को नुकसान नहीं पहुंचा और न ही कोई घायल हुआ।

हिजबुल्ला ने हमला कैसे किया : इस्राइली रक्षा बल यानी आईडीएफ के मुताबिक, हिजबुल्ला ने इस्राइली वायुसेना के विमानों को निशाना बनाकर मिसाइलें दागीं। इसके बाद किरीयात शमोना शहर और लेबनान सीमा से लगे आठ गांवों में एयर रेड सायरन बजाए गए। हमले के कारण पूरे इलाके में डर और अफरा-तफरी का माहौल बन गया। लोगों को तुरंत सुरक्षित स्थानों और बंकरों में जाने के निर्देश दिए गए। हालांकि इस्राइल ने दावा किया कि उसकी वायुसेना के विमान सुरक्षित रहे और किसी तरह का नुकसान नहीं हुआ। यह हमला ऐसे समय में हुआ जब अमेरिका की मध्यस्थता में हाल ही में युद्धविराम लागू करने पर सहमति बनी थी।

युद्धविराम के बावजूद क्यों बढ़ा तनाव : बुधवार को वॉशिंगटन में हुई त्रिपक्षीय वार्ता के बाद इस्राइल और लेबनान ने संघर्ष विराम लागू करने पर सहमति जताई थी। लेकिन इसके बावजूद सीमा पर तनाव कम नहीं हुआ। ईरान समर्थित हिजबुल्ला लगातार इस्राइल के खिलाफ आक्रामक रुख बनाए हुए है। ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने भी बयान दिया कि अमेरिका और इस्राइल के साथ संघर्ष विराम की शर्तों में लेबनान मोर्चे पर पूर्ण युद्धविराम शामिल है। इससे साफ है कि लेबनान का मुद्दा अब सिर्फ दो देशों तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि इसमें ईरान और क्षेत्रीय राजनीति की बड़ी भूमिका है।

लेबनान के राष्ट्रपति ने ईरान-हिजबुल्ला पर क्या कहा : लेबनान के राष्ट्रपति जोसेफ आउन ने ईरान पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि लेबनान को अमेरिका और ईरान के बीच सौदेबाजी का मैदान नहीं बनाया जाना चाहिए। आउन ने साफ कहा कि लेबनानी लोग युद्ध से थक चुके हैं और अब शांति चाहते हैं। उन्होंने हिजबुल्ला प्रमुख नईम कासिम के बयानों की भी आलोचना की। आउन ने कहा कि लेबनान के लोगों की इच्छा सबसे महत्वपूर्ण है, न कि किसी एक संगठन की। उन्होंने जोर देकर कहा कि लेबनान और इस्राइल के बीच संघर्ष का समाधान सिर्फ बातचीत से ही संभव है।

पश्चिम एशिया पहले से ही इस्राइल, ईरान और ईरान समर्थित संगठनों के बीच संघर्ष का केंद्र बना हुआ है। ऐसे में हिजबुल्ला का ताजा हमला पूरे क्षेत्र में तनाव और बढ़ा सकता है। लेबनान के भीतर भी अब युद्ध और शांति को लेकर अलग-अलग आवाजें सामने आ रही हैं। एक तरफ हिजबुल्ला संघर्ष जारी रखने की बात कर रहा है, वहीं लेबनान सरकार बातचीत और स्थिरता पर जोर दे रही है। अब दुनिया की नजर इस बात पर है कि क्या युद्धविराम बच पाएगा या फिर क्षेत्र एक बार फिर बड़े संघर्ष की तरफ बढ़ेगा। युद्ध की मार से तबाह हुए कई गांव दक्षिणी लेबनान के काफी इलाके पहले ही युद्ध की वजह से भारी तबाही झेल चुके हैं। कई गांव खंडहर में तब्दील हो चुके हैं। इनमें मरजायौन कस्बे के पास स्थित दिब्बीन गांव भी शामिल है, जहां से इस्राइली सैनिक एक दिन पहले ही पीछे हटे थे।

पीओके में तैनात किए जाएंगे 14 हजार अतिरिक्त सुरक्षाकर्मी, लोगों में बढ़ी चिंता

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान अपने कब्जे वाले कश्मीर (पीओजेके) में 14 हजार अतिरिक्त सुरक्षाकर्मी तैनात करने जा रहा है। इससे क्षेत्रवासियों की चिंता बढ़ गई है। पीओजेके के मानवाधिकार कर्मी व राजनीतिक टिप्पणीकार अमजद अयूब मिर्जा ने पाकिस्तान पर सोची-समझी साजिश के तहत क्षेत्र के सैन्यीकरण का आरोप लगाया है। पीओजेके के पुलिस महानिरीक्षक की तरफ से स्थानीय प्रशासन के मुख्य सचिव को 4 जून, 2026 को एक सर्कुलर जारी किया गया है। इस सर्कुलर में शांति और सुरक्षा बनाए रखने के बहाने इलाके में हजारों सुरक्षाकर्मियों की तुरंत तैनाती की मांग की गई थी। इस कदम की निंदा करते हुए मिर्जा ने कहा कि इससे पीओजेके के पाकिस्तानी प्रशासन के दोहरेपन और औपनिवेशिक सोच का पता चलता है। उन्होंने तर्क दिया कि प्रस्तावित तैनाती पीओजेके के प्रधानमंत्री द्वारा पहले दिए गए आश्वासनों के उलट है। पहले उन्होंने कहा था कि शांतिपूर्ण जन-प्रदर्शनों से निपटने के लिए बल या जबरदस्ती का इस्तेमाल नहीं किया जाएगा।

पुतिन बोले- ईरान और इस्राइल के बीच युद्ध रोकना समय की जरूरत, शांति बहाली में रूस देगा सहयोग

मॉस्को, एजेंसी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने ईरान और इस्राइल के बीच बढ़ते तनाव पर गंभीर चिंता जताते हुए संघर्ष विराम की जरूरत पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि वर्तमान हालात बेहद जटिल हैं, लेकिन युद्ध को रोकना और शांति बहाल करना ही सबसे सही रास्ता है। पुतिन ने स्पष्ट किया कि रूस इस पूरे मुद्दे में शांति प्रक्रिया को आगे बढ़ाने और किसी भी तरह की मध्यस्थता करने के लिए तैयार है।

'ईरान ने पहले उकसावे की कार्रवाई नहीं की' : रूसी राष्ट्रपति ने कहा कि उन्हें ईरान की ओर से किसी तरह की उकसावे वाली कार्रवाई नजर नहीं आती। उन्होंने बताया कि एक समय ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सहमति बनी थी और स्थिति नियंत्रण में थी, लेकिन बाद में हालात पूरी तरह बदल गए।

पुतिन ने बताया कि ईरानी अधिकारियों के साथ बातचीत में लगातार संयम बरतने की अपील की जा रही है। हालांकि ईरान का कहना है कि उन पर हमले हो रहे हैं और उनके लोगों की मौतें हो रही हैं, ऐसे में जवाबी कार्रवाई करना उनकी मजबूरी बन गई है। पुतिन ने माना कि यह स्थिति बेहद संवेदनशील और जटिल है, जिसमें हर पक्ष अपनी-अपनी सुरक्षा चिंताओं के साथ काम कर रहा है।

खाड़ी देशों के साथ अच्छे रिश्तों का हवाला : पुतिन ने कहा कि रूस के खाड़ी देशों के साथ अच्छे संबंध हैं और वह सभी पक्षों से संवाद बनाए हुए है। उन्होंने कहा कि ईरान और अरब देशों दोनों के साथ रूस के मजबूत संबंध हैं, जिससे स्थिति को समझना और संतुलित दृष्टिकोण अपनाना आसान हो जाता है। पुतिन ने कहा कि रूस किसी भी तरह की शांति वार्ता या मध्यस्थता प्रक्रिया में योगदान देने के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने कहा कि यदि रूस से कोई भूमिका निभाने की आवश्यकता होगी, तो वह पीछे नहीं हटेगा।

ट्रंप के युद्धविराम निर्णय का समर्थन : रूसी राष्ट्रपति ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस कदम का भी उल्लेख किया, जिसमें उन्होंने संघर्ष रोकने की बात कही थी। पुतिन ने कहा कि यह निर्णय सही दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है और इससे दीर्घकालिक शांति स्थापित करने में मदद मिल सकती है।

अमेरिका ने मार गिराए ईरान के ड्रोन, रडार ठिकानों पर किए हमले

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सेना ने होर्मुज स्ट्रेट की ओर बढ़ रहे ईरान के चार हमलावर ड्रोन को मार गिराने का दावा किया है। इसके साथ ही, अमेरिका सेना ने ईरान के तटीय रडार ठिकानों पर हमले किए हैं। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने एक संक्षिप्त बयान में कहा कि सेना ने इस क्षेत्र में जहाजों के लिए तत्काल खतरा महसूस होने पर कार्रवाई की। सेंटकॉम ने कहा, 'कुछ ही देर पहले सेना ने ईरान के चार वन-वे अटैक ड्रोन को मार गिराया, जिन्हें होर्मुज स्ट्रेट की ओर भेजा गया था। ड्रोन क्षेत्रीय समुद्री यातायात के लिए तत्काल खतरा पैदा कर रहे थे।' सेंट्रल कमांड के अनुसार, अमेरिकी सेना ने देश के दक्षिणी तट पर ईरान के निगरानी बुनियादी ढांचे के खिलाफ जवाबी हमले किए। बयान में कहा गया, 'अमेरिकी बलों ने आगे के हमलों से बचाव के लिए गोरुक और केशम द्वीप पर ईरान के तटीय निगरानी रडार ठिकानों पर हमले किए। हालांकि, सेंटकॉम ने हताहतों, नुकसान के आकलन या ऑपरेशन में इस्तेमाल किए गए विमान और हथियारों के प्रकार के बारे में कोई जानकारी नहीं दी। बयान में यह भी नहीं बताया गया कि क्या ड्रोन ने किसी कमर्शियल जहाज को सीधे निशाना बनाया था। होर्मुज स्ट्रेट दुनिया के सबसे रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण जलमार्गों में से एक है, जो फारस की खाड़ी को ओमान की खाड़ी और अरब सागर से जोड़ता है। अमेरिकी सेना मध्य पूर्व में बड़ी संख्या में मौजूद है और अंतरराष्ट्रीय कमर्शियल शिपिंग की ओर से इस्तेमाल किए जाने वाले प्रमुख समुद्री रास्तों पर नियमित रूप से गश्त करती है।

सेंट्रल कमांड ने कहा कि अमेरिकी बल जरूरत पड़ने पर और कार्रवाई के लिए तैयार हैं। बयान में कहा गया, 'अमेरिकी बल सतर्क हैं और आत्मरक्षा में ईरान की अनुचित आक्रामकता का जवाब देने के लिए तैयार हैं।' फिलहाल, इस ताजा घटनाक्रम ने अमेरिका और ईरान के बीच तनाव को और बढ़ा दिया है।

हॉलीवुड अभिनेता जेम्स हैंडी की घर के बाहर चाकू घोंपकर हत्या

न्यूयॉर्क , एजेंसी। हॉलीवुड अभिनेता जेम्स हैंडी की उनके घर के बाहर चाकू घोंपकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने मामले में 44 वर्षीय माइकल ग्लेडहिल को गिरफ्तार किया है, जो हैंडी की गर्लफ्रेंड का बेटा है। घटना बुधवार सुबह की है, जब पुलिस को फोन पर संदिग्ध ने एक पापी व्यक्ति को मारने की बात कही। मौके पर पहुंचने पर 81 वर्षीय हैंडी घर के सामने बेहोश मिले, जिन्हें अस्पताल में मृत घोषित कर दिया गया। आरोपी ग्लेडहिल उसी घर में रहता था। और उसने पुलिस के सामने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। जुमांजी और टॉप गन: मेवरिक जैसी फिल्मों से चर्चित हैंडी के निधन से मनोरंजन जगत स्तब्ध है। द न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, पुलिस ने इस मामले में उनकी गर्लफ्रेंड के 44 साल के बेटे माइकल ग्लेडहिल को गिरफ्तार किया है। 911 कॉल से मिली जानकारी लॉस एंजिलिस पुलिस को बुधवार को एक विचलित करने वाला 911 कॉल मिला था। कॉल करने वाले शख्स ने डिस्पैचर से कहा था, 'मैं इंसान का बेटा हूं, मैंने अभी-अभी पाप के पुतले को मार दिया है।' इस सूचना के तुरंत बाद जब पुलिस टीम घटना स्थल पर पहुंची। यहां जेम्स हैंडी घर के सामने वाले हिस्से (फ्रंट यार्ड) में बेहोश पड़े मिले। उनके सीने पर चाकू के कई गहरे जख्म थे। उन्हें तुरंत पास के अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। गर्लफ्रेंड का बेटा निकला हमलावर पुलिस जांच में सामने आया है कि हमला करने वाला शख्स 44 साल का माइकल ग्लेडहिल है। वारदात को अंजाम देने के बाद उसने खुद पुलिस से संपर्क किया और इस हमले की जिम्मेदारी ली। जांच अधिकारियों के मुताबिक, माइकल जेम्स हैंडी की गर्लफ्रेंड का बेटा है। हत्या के समय वह अपनी मां के घर पर ही रह रहा था। पुलिस ने उसे मर्डर के संदेह में मौके से ही गिरफ्तार कर लिया है।

सीसीटीवी फुटेज और कपड़े मिले घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी फुटेज में एक संदिग्ध शख्स घर के पास से आराम से पैदल गुजरता हुआ दिखाई दे रहा है। इसके साथ ही क्राइम सीन की तस्वीरों में घर के सामने कुछ कपड़े भी छूटे हुए मिले हैं।

पुलिस इन सभी सबूतों की बारीकी से जांच कर रही है। हालांकि, पुलिस ने अभी तक हत्या के पीछे की मुख्य वजह या मकसद का खुलासा नहीं किया है। मामले की जांच अभी जारी है। जेम्स हैंडी का हॉलीवुड करियर जेम्स हैंडी ने हॉलीवुड में कई दशकों तक काम किया था और उनके नाम करीब 150 फिल्में और टीवी शोज दर्ज हैं। उन्होंने 'जुमानजी' और 'टॉप गन: मैवेरिक' जैसी सुपरहिट फिल्मों में महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाई थीं। इसके अलावा वे 'द एक्स-फाइल्स', 'एनवाईपीडी ब्लू' और 'सीनफील्ड' जैसे मशहूर टीवी शोज का भी हिस्सा रहे थे। उन्होंने इंडस्ट्री में एक लंबा समय बिताया था और अपनी अलग पहचान बनाई थी।

अस्पताल ले जाते समय हुआ निधन : आपातकालीन सहायता दल के पहुंचने पर अभिनेता बेहोश पाए गए। पैरामेडिक्स उन्हें तुरंत पास के अस्पताल ले गए, लेकिन डॉक्टर उन्हें बचा नहीं सके और बाद में उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। मामले की जांच जारी है। फिलहाल इस मामले में हैंडी की प्रेमिका के बेटे माइकल ग्लेडहिल को गिरफ्तार कर लिया गया है।

हेनरी नोवाक हत्याकांड पर ब्रिटेन-अमेरिका में विवाद, जेडी वेंस के बयान पर भड़के पीएम स्टार्मर

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के कार्यालय ने अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की उस टिप्पणी की निंदा की है, जिसमें उन्होंने एक विश्वविद्यालय छात्र की हत्या के लिए आव्रजन (इमिग्रेशन) को जिम्मेदार ठहराया था।

क्या है मामला : 18 वर्षीय हेनरी नोवाक की दिसंबर में इंग्लैंड के साउथेम्प्टन में चाकू मारकर हत्या कर दी गई थी। हेनरी को विक्रम डिगवा ने चाकू मारा था। डिगवा, जो सिख है, ने पुलिस से झूठा दावा किया था कि वह नोवाक द्वारा किए गए नस्लीय हमले का शिकार हुए है। नोवाक श्वेत समुदाय से थे। जब पुलिस मौके पर पहुंची तो उन्होंने शुरुआत में गंभीर रूप से घायल नोवाक को ही संदिग्ध मान लिया और उसे हथकड़ी लगा दी। बाद में अधिकारियों को उनके घाव का पता चला और उन्हें बचाने की कोशिश की गई, लेकिन उनकी मौत हो गई। 23 वर्षीय डिगवा को हेनरी नोवाक की हत्या का दोषी ठहराया गया। डिगवा ने आठ इंच लंबे सिख कृपाण जैसे चाकू से हमला किया था। इस सप्ताह अदालत ने डिगवा को न्यूनतम 21 वर्ष की सजा के साथ आजीवन कारावास की सजा सुनाई।

वेंस ने क्या की टिप्पणी : वेंस ने शुक्रवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि इस हत्या पर न्यायोचित गुस्सा होना चाहिए। उन्होंने इस घटना के लिए आंशिक रूप से बड़े पैमाने पर आए उन प्रवासियों को जिम्मेदार ठहराया, जो उनके अनुसार पश्चिम और उनके मूल्यों से नफरत करते हैं।

डाउनिंग स्ट्रीट ने बयान किया जारी : वेंस की टिप्पणी के जवाब में डाउनिंग स्ट्रीट ने बयान जारी कर कहा कि कुछ लोग ब्रिटेन के लोकतंत्र में हस्तक्षेप करने और सड़कों पर विभाजन पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। बयान में कहा गया कि नोवाक परिवार अपने बेटे की भयावह हत्या के कारण शोक में है। उन्होंने स्पष्ट कहा है कि वे नहीं चाहते कि हेनरी की मौत का इस्तेमाल और अधिक विभाजन, नफरत या तनाव पैदा करने के लिए किया जाए। हमें उनकी इच्छा का सम्मान करना चाहिए। हमारे देश की राजनीति का उद्देश्य सबसे कठिन परिस्थितियों में भी लोगों को साथ लाना होना चाहिए।

डेमोक्रेट्स ने वेंस की आलोचना की : विपक्षी दल लिबरल डेमोक्रेट्स के नेता एड डेवी ने भी वेंस की आलोचना की। उन्होंने कहा कि हेनरी नोवाक की मौत का राजनीतिकरण करने और देश को बांटने की कोशिशों का विरोध किया जाना चाहिए, चाहे वे कोशिशें वेंस जैसे मागा नेताओं की ओर से हों या ब्रिटेन में उनके समर्थकों की ओर से। इस बीच, हार्ड-राइट पार्टी रिफॉर्म यूके के नेता निगेल फराज सहित कई नेताओं ने पुलिस की शुरुआती कार्रवाई को टू-टियर पुलिसिंग का उदाहरण बताया है।

ईरान की परमाणु महत्वाकांक्षा को 'किसी न किसी तरह' खत्म कर दिया जाएगा : डोनाल्ड ट्रंप

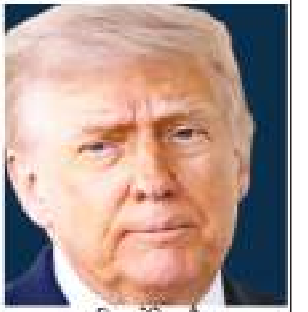

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को लेकर बड़ी बात कही है। उन्होंने कहा कि ईरान के साथ टकराव खत्म होने के करीब है और उन्होंने ऐलान किया कि तेहरान की परमाणु महत्वाकांक्षाओं को 'किसी न किसी तरह' रोका जाएगा। शुक्रवार को विस्कॉन्सिन के चिप्पेवा फॉल्स में कृषि से जुड़ी एक बैठक में बोलते हुए, ट्रंप ने कहा कि अमेरिका ने ईरान को परमाणु हथियार संपन्न देश बनने से रोकने का अपना मकसद काफी हद तक हासिल कर लिया है। ट्रंप ने कहा कि हमें परमाणु हथियार के खतरे को खत्म करना था। हम ऐसा नहीं होने देने वाले थे। उन्होंने आगे कहा कि हमने इसे काफी हद तक पूरा कर लिया है, आप देखेंगे, और किसी न किसी तरह, यह काम पूरा हो गया है। उन्होंने कहा कि या तो यह किसी समझौते से खत्म होगा या फिर किसी मुश्किल तरीके से। बता दें कि ट्रंप ने चल रही बातचीत या संभावित सैन्य कार्रवाई के बारे में कोई जानकारी नहीं दी। हालांकि, उन्होंने संकेत दिया कि ईरान से जुड़े घटनाक्रम जल्द ही और स्पष्ट हो जाएंगे। राष्ट्रपति ट्रंप ने इस स्थिति को ऊर्जा बाजार और अमेरिकी किसानों पर पड़ने वाले खर्च से भी जोड़ा। ट्रंप ने कहा कि आपके लिए खाद की कीमतें काफी कम होने वाली हैं। खाद सस्ती होगी, ऊर्जा सस्ती होगी, और तेल व गैस की कीमतें भी काफी कम हो जाएंगी। उन्होंने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि ईरान की स्थिति का नतीजा आर्थिक दबाव को कम करने में मदद करेगा। उन्होंने कहा कि हम एक ऐसे मोड़ पर हैं जहां हम ईरान के मामले से बहुत जल्द बाहर निकलेंगे, और यह बहुत मजबूत स्थिति होगी। उन्होंने ये बातें कृषि, व्यापार और अर्थव्यवस्था पर केंद्रित एक विस्तृत भाषण के दौरान कहीं। ट्रंप ने बार-बार कहा कि ऊर्जा की कम कीमतें किसानों और ग्रामीण समुदायों के लिए फायदेमंद होंगी। उन्होंने ईरान के खिलाफ सैन्य अभियानों का भी जिक्र किया और दावा किया कि ईरान की नौसेना की संपत्तियों को भारी नुकसान पहुंचाया गया है। ट्रंप ने कहा कि ईरान के पास कोई नौसेना नहीं है। चार दिनों में 159 जहाजों को निशाना बनाया गया। उन्होंने इस अभियान को अमेरिकी सैन्य ताकत का सबूत बताया और कहा कि संघर्ष के दौरान लगाई गई नाकाबंदी अभूतपूर्व थी। उन्होंने कहा कि ऐसी नाकाबंदी पहले कभी नहीं हुई। उन्होंने कहा कि उनका प्रशासन अभी भी ईरान से जुड़े 'अधूरे कामों' को निपटा रहा है। उन्होंने कहा कि हम ईरान में कुछ अधूरे कामों को ठीक कर रहे हैं। हालांकि ट्रंप का यह दावा अमेरिकी खुफिया एजेंसियों की रिपोर्ट से मेल नहीं खाता। द न्यूयॉर्क टाइम्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी सांसदों को पिछले महीने दी गई ब्रीफिंग में बताया गया था।

अमेरिका ने ब्रिटेन, डेनमार्क और कुवैत को लगभग 3 अरब डॉलर के हथियार बेचने की मंजूरी दी

वॉशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राज्य अमेरिका ने ब्रिटेन, डेनमार्क और कुवैत को लगभग 3 अरब डॉलर के संभावित विदेशी सैन्य सौदों को मंजूरी दे दी है। इनमें लंबी दूरी की मारक मिसाइलें, विमान सुरक्षा प्रणाली और ड्रोन-रोधी प्लेटफॉर्म शामिल हैं। इसकी घोषणा अमेरिकी विदेश विभाग ने की है। सबसे बड़ा पैकेज कुवैत के लिए है, जिसे मानवरहित हवाई प्रणालियों (यूएसए) के प्लेटफॉर्म और संबंधित उपकरण खरीदने की मंजूरी मिल गई है, जिसकी अनुमानित लागत 1.98 अरब डॉलर है। अमेरिकी विदेश विभाग ने शुक्रवार (स्थानीय समय) को कहा, 'प्रस्तावित बिक्री से कुवैत की वर्तमान और भविष्य के खतरों से निपटने की क्षमता में सुधार होगा, क्योंकि इससे उसे मानवरहित हवाई प्रणालियों के खिलाफ इलेक्ट्रॉनिक और गतिज मारक क्षमताएं मिलेंगी। इस पैकेज में रोडरनर-म्यूनिशन और एनविल-काइनेटिक प्लेटफॉर्म, लॉन्च बॉक्स, कमांड-एंड-कंट्रोल सिस्टम, सेंट्री टावर, समुद्री सेंट्री टावर, विद्युत चुम्बकीय युद्ध प्रणाली, सामरिक संचालन केंद्र, जनरेटर, प्रशिक्षण, सॉफ्टवेयर विकास और रसद सहायता शामिल हैं।

कुवैत को होने वाली इस बिक्री का मुख्य ठेकेदार कैलिफोर्निया के कोस्टा मेसा स्थित अंदुरिल कंपनी होगी। एक अलग अधिसूचना में अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा कि उसने डेनमार्क को 200 एजीएम-158 जॉइंट एयर-टू-सरफेस स्टैंडऑफ मिसाइलों (जेएएसएसएम-ईआर) और संबंधित उपकरणों की 842 मिलियन डॉलर की संभावित बिक्री को मंजूरी दे दी है।

विदेश विभाग ने कहा, 'प्रस्तावित बिक्री डेनमार्क की वर्तमान और भविष्य के खतरों से निपटने की क्षमता को बढ़ाएगी, जिससे रॉयल डेनिश वायु सेना (आरडीएएफ) को लंबी दूरी के सटीक हमले करने की क्षमता मिलेगी और आरडीएएफ के एफ-35 विमानों की क्षमता मजबूत होगी। फ्लोरिडा के ऑरलैंडो स्थित लॉकहीड मार्टिन डेनमार्क को होने वाली इस बिक्री का मुख्य ठेकेदार होगा। यूनाइटेड किंगडम को भी लगभग 160 मिलियन डॉलर की अनुमानित लागत पर बड़े विमान इन्फ्रारेड काउंटरमेजर और संबंधित उपकरण खरीदने की मंजूरी मिल गई है। ब्रिटेन के अनुरोध में 36 गार्जियन लेजर टरेट असेंबली और 18 एएन/एएक्यू-24(वी)एन बड़े विमान इन्फ्रारेड काउंटरमेजर सिस्टम प्रोसेसर प्रतिस्थापन के साथ-साथ मिसाइल चेतावनी सेंसर, सहायक उपकरण, सॉफ्टवेयर, स्पेयर पार्ट्स और लॉजिस्टिक्स सहायता शामिल हैं।

अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा, 'प्रस्तावित बिक्री से बड़े हवाई प्लेटफार्मों को आधुनिक सुरक्षा प्रदान करके वर्तमान और भविष्य के खतरों से निपटने के लिए यूनाइटेड किंगडम की क्षमता में सुधार होगा और रॉयल एयर फोर्स की परिचालन तत्परता सुनिश्चित होगी। ब्रिटेन को होने वाली इस बिक्री का प्रमुख ठेकेदार वर्जीनिया के आर्लिंगटन स्थित बोइंग कंपनी होगी। विदेश विभाग ने कहा कि प्रस्तावित बिक्री से संबंधित क्षेत्रों में बुनियादी सैन्य संतुलन में कोई बदलाव नहीं आएगा और अमेरिकी रक्षा तैयारियों पर भी कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

अमेरिकी विदेश सैन्य बिक्री प्रक्रिया के तहत राजनीतिक-सैन्य मामलों के ब्यूरो द्वारा ये अधिसूचनाएं जारी की गईं। कांग्रेस को अधिसूचना मिलने का मतलब यह नहीं है कि अंतिम अनुबंध पर हस्ताक्षर हो गए हैं, लेकिन इससे प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण चरण पूरा हो जाता है।

टाटा ग्रुप की 7 कंपनियां इस हफ्ते ट्रेड करेंगी एक्स-डिविडेंड

जानिए किन कंपनियों ने घोषित किया कितना लाभांश और रिकॉर्ड डेट

मुंबई ।

निवेशकों के लिए अच्छी खबर है, इस हफ्ते टाटा ग्रुप की कुल सात कंपनियां एक्स-डिविडेंड के तौर पर ट्रेड करेंगी। इसका मतलब है कि इन कंपनियों के शेयर खरीदने वाले योग्य निवेशकों को लाभांश का भुगतान किया जाएगा। टाटा मोटर्स, वोल्टास, टाटा स्टील जैसी दिग्गज कंपनियां इस सूची में शामिल हैं, जिनकी रिकॉर्ड डेट 10 और 12 जून तय की गई है। इस सप्ताह टाटा समूह के शेयरधारकों को लाभांश का लाभ मिलने वाला है। कुल सात कंपनियां एक्स-डिविडेंड ट्रेडिंग के लिए तैयार हैं। इनमें टाटा स्टील लिमिटेड, वोल्टास लिमिटेड और टाटा मोटर्स लिमिटेड शामिल हैं, जिन्होंने प्रति शेयर 4 रुपये का लाभांश घोषित किया है। इन तीनों कंपनियों के लिए रिकॉर्ड डेट 12 जून तय की गई है। वहीं टाटा केमिकल्स लिमिटेड ने प्रति शेयर 11 रुपये का बड़ा लाभांश देने का ऐलान किया है, जबकि टाटा इन्वेस्टमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड प्रति शेयर 3.40 रुपये का भुगतान करेगी। टाटा एलेक्सी लिमिटेड सबसे बड़ा लाभांश, प्रति शेयर 75 रुपये देने जा रही है। इन तीनों कंपनियों के लिए रिकॉर्ड डेट 10 जून निर्धारित की गई है। इसके अतिरिक्त, ट्रेंट लिमिटेड भी इस हफ्ते एक्स-डिविडेंड ट्रेड करेगी और अपने निवेशकों को प्रति शेयर 6 रुपये का लाभांश देगी। निवेशकों को रिकॉर्ड डेट से पहले इन शेयरों को खरीदने पर ही लाभांश का लाभ मिलेगा।

सेमीकंडक्टर क्रांति- भारत में बनेंगे करोड़ों चिप्स, 2035 तक आधी जरूरतें होंगी पूरी

इसी साल शुरू होगा उत्पादन, आयात पर निर्भरता घटाने की दिशा में बड़ी छलांग

मुंबई ।

भारत सेमीकंडक्टर क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में एक बड़ी छलांग लगाने को तैयार है। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अनुमानों के मुताबिक, वित्त वर्ष 2035 तक भारत अपनी कुल सेमीकंडक्टर मांग का आधा हिस्सा (50 फीसदी) खुद देश में ही तैयार करने लगेगा। सबसे अच्छी बात यह है कि कुछ फैक्ट्रियों में तो इसी साल से उत्पादन भी शुरू होने जा रहा है, जिससे विदेशी मुद्रा भंडार पर पड़ने वाला भारी बोझ काफी हद तक कम हो जाएगा। फिलहाल भारत अपनी सेमीकंडक्टर जरूरतों का 90 फीसदी विदेशों से आयात करता है। सेमीकंडक्टर आयात बिल लगातार बढ़ रहा है; वित्त वर्ष 2019 में जहां यह 11.9 अरब डॉलर था, वहीं वित्त वर्ष 2025 तक इसके 30.3 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। इस बढ़ती निर्भरता और घरेलू इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग की बढ़ती मांग को देखते हुए, भारत सेमीकंडक्टर मिशन (इस्म) की प्रोत्साहन योजना के तहत अब तक 12 परियोजनाओं को मंजूरी दी जा चुकी है। मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इनमें से कम से कम चार प्रोजेक्ट्स में इसी साल से कमर्शियल उत्पादन शुरू हो जाएगा। सरकार इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन 2.0 लेकर आ रही है, जिसका बजट 1,00,000 करोड़ रुपये होने की उम्मीद है। इसका लक्ष्य सिर्फ चिप बनाना ही नहीं, बल्कि उससे जुड़े केमिकल्स, मशीनें और गैसें तैयार करने का पूरा ढांचा विकसित करना है। नीति आयोग का अनुमान है कि वित्त वर्ष 2026 में भारत की सेमीकंडक्टर मांग करीब 44 अरब डॉलर रहेगी, जो 2035 तक पांच गुना बढ़कर 206 अरब डॉलर पर पहुंच जाएगी। आयोग का यह भी मानना है कि साल 2035 तक भारत करीब 120 अरब डॉलर का एक मजबूत सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम खड़ा कर लेगा। शुरुआती दौर में टाटा ग्रुप, सीजी पावर और कायन्स के तीन प्लांट इसी साल चालू हो जाएंगे, जो मिलकर हर दिन करीब 6.9 करोड़ (69 मिलियन) चिप बनाएंगे।

इसके अलावा, देश में माइक्रो-एलईडी तकनीक लाने के प्रोजेक्ट को भी मंजूरी मिल गई है, जिसके तहत अगले 22 महीनों में देश के पहले माइक्रो-एलईडी चिप बनकर तैयार हो जाएंगे। यह पहल भारत को सेमीकंडक्टर उत्पादन में वैश्विक मानचित्र पर एक मजबूत स्थिति में स्थापित करेगी, जैसा कि चीन और जर्मनी जैसे देश भी अपनी आत्मनिर्भरता बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

टॉप कंपनियों को 1.25 लाख करोड़ का नुकसान, आरआईएल सबसे बड़ा लूजर

एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और एसबीआई की बाजार हैसियत बढ़ी

नई दिल्ली ।

बीते सप्ताह सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में से सात के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में सामूहिक रूप से करीब 1.25 लाख करोड़ रुपये की गिरावट आई। इस दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज को सबसे अधिक नुकसान हुआ। शीर्ष 10 कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारती एयरटेल, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), बजाज फाइनेंस, लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी), भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) और हिंदुस्तान यूनिलीवर के बाजार मूल्यांकन में गिरावट आई। वहीं एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की बाजार हैसियत बढ़ गई।समीक्षाधीन सप्ताह में रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 39,718 करोड़ रुपये घटकर 17,47,321.40 करोड़ रुपये रह गया। टीसीएस के मूल्यांकन में 20,134.66 करोड़ रुपये की गिरावट आई और यह 7,95,346.09 करोड़ रुपये पर आ गया।भारती एयरटेल की बाजार हैसियत 18,736.04 करोड़ रुपये घटकर 10,96,150.49 करोड़ रुपये रह गई। एलएंडटी का मूल्यांकन 16,880.20 करोड़ रुपये की कमी के साथ 5,43,956.44 करोड़ रुपये पर आ गया।इसके अलावा एलआईसी का बाजार मूल्य 14,610.74 करोड़ रुपये घटकर 5,05,873.32 करोड़ रुपये रहा। बजाज फाइनेंस की बाजार हैसियत 9,681.36 करोड़ रुपये की गिरावट के साथ 5,53,580.97 रुपये रह गई। हिंदुस्तान यूनिलीवर का मूल्यांकन 5,909.23 करोड़ रुपये घटकर 4,98,301.31 करोड़ रुपये पर आ गया।इस रुख के उलट एसबीआई का मूल्यांकन 12,692.09 करोड़ रुपये बढ़कर 9,02,523.63 करोड़ रुपये रहा।आईसीआईसीआई बैंक की बाजार हैसियत 4,484.86 करोड़ रुपये बढ़कर 9,05,074.77 करोड़ रुपये पर पहुंच गई। एचडीएफसी बैंक का मूल्यांकन 4,101.47 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी के साथ 11,50,743.31 करोड़ रुपये रहा।शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही। इसके बाद क्रमशः एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, एसबीआई, टीसीएस, बजाज फाइनेंस, एलएंडटी, एलआईसी और हिंदुस्तान यूनिलीवर का स्थान रहा।

झारखंड से ब्रिटेन को आम्रपाली आम का निर्यात

नई दिल्ली ।

भारत ने झारखंड से ब्रिटेन को 1.5 टन ताजा 'आम्रपाली' आम का निर्यात किया है। वाणिज्य मंत्रालय ने रविवार को यह जानकारी दी। ये आम झारखंड के सिमडेगा जिले के बानो प्रखंड स्थित बेउरा फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड से प्राप्त किए गए हैं। यह एक पूर्ण महिला किसान उत्पादक कंपनी (एफपीसी) है, जो स्थानीय महिला किसानों को संगठित कर कृषि उत्पादन और विपणन का कार्य करती है। आमों की यह खेप चार जून को कोलकाता से ब्रिटेन के लिए रवाना की गई। यह निर्यात झारखंड के कृषि उत्पादों की अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंचाने और महिला किसानों की आय बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

अल्फाग्रेप का एमएफ बाजार में प्रवेश, 30,000 करोड़ एयूएम का लक्ष्य

सेबी की हरी झंडी, 6 जुलाई को खुलेगा मल्टी-एसेट फंड

नई दिल्ली ।

अल्फाग्रेप इन्वेस्टमेंट मैनेजमेंट अगले महीने अपनी पहली म्यूचुअल फंड योजना के साथ भारतीय बाजार में प्रवेश कर रहा है। कंपनी ने अगले तीन से पांच वर्षों में 25,000 से 30,000 करोड़ रुपये की प्रबंधनाधीन परिसंपत्तियां (एयूएम) हासिल करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है। हाल ही में भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) से मंजूरी मिलने के बाद, अल्फाग्रेप औपचारिक रूप से भारतीय म्यूचुअल फंड उद्योग में प्रवेश कर रहा है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार उनकी पहली नई कोष पेशकश (एनएफओ) एक बहु-संपत्ति आवंटन कोष होगी, जो 6 से 20 जुलाई तक निवेशकों के लिए खुलेगी। यह कोष इक्विटी, बॉन्ड, मनी मार्केट और सोने, चांदी व अन्य अनुमत जिंस एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) में निवेश करेगी। अंबानी ने बताया कि अल्फाग्रेप उन्नत गणितीय मॉडल, कृत्रिम मेधा (एआई) और मशीन लर्निंग पर आधारित 'क्वांटिटेटिव' निवेश रणनीतियों पर ध्यान केंद्रित करेगा। कंपनी का उद्देश्य निवेशकों को अलग व विशिष्ट उत्पाद देना है। बहु-संपत्ति कोष के बाद, एक ओपन-एंडेड डायनेमिक इक्विटी योजना भी पाइपलाइन में है, जो बड़े, मझोले और छोटे शेयरों में निवेश करेगी। 2010 में स्थापित अल्फाग्रेप एक वैश्विक क्वांटिटेटिव ट्रेडिंग और निवेश फर्म है।

सट्टेबाजों की सक्रियता, मजबूत रुपए से तेल-तिलहन बाजार में गिरावट रही

सरसों, मूंगफली, सोयाबीन समेत अधिकांश तेल-तिलहन के दाम लुढ़के; बिनौला में मामूली तेजी

नई दिल्ली ।

बीते सप्ताह घरेलू तेल-तिलहन बाजारों में सट्टेबाजों की बढ़ती सक्रियता और डॉलर के मुकाबले रुपये के मजबूत होने से अधिकांश खाद्य तेलों के दाम में गिरावट दर्ज की गई। वैश्विक बाजारों की कमजोरी और आयात सस्ता होने का भी असर दिखा। बाजार में सटोरियों की सक्रियता, मजबूत होते रुपये और विदेशों में टूटते बाजारों के चलते बीते सप्ताह सरसों, मूंगफली, सोयाबीन तेल-तिलहन, कच्चा पामतेल (सीपीओ) और पामोलीन तेल जैसे अधिकांश तेल-तिलहनों के दाम गिरे। रुपये के मजबूत होने से आयात सस्ता हो गया, जिससे आयातक लागत से नीचे दाम पर तेल बेच रहे हैं। गर्मी की फसल की आवक की चर्चा ने मूंगफली तेल-तिलहन के दाम में गिरावट लाई। सटोरियों ने सोयाबीन का दाम तोड़कर स्टॉक जमा करने और बाद में ऊंचा बोलने का प्रयास किया।

हालांकि, कम उपलब्धता और बढ़ती मांग के कारण बिनौला तेल के दाम में मामूली सुधार आया। विशेषज्ञों ने सरकार से अपील की है कि आयातकों द्वारा लागत से कम दाम पर तेल बेचकर विदेशी मुद्रा के नुकसान पर सख्त निगरानी रखे।

सूत्रों ने बताया कि बीते सप्ताह सरसों दाना 125 रुपये की गिरावट के साथ 7,650-7,675 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों तेल 150 रुपये की गिरावट के साथ 15,550 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल क्रमशः 20-20 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 2,580-2,680 रुपये और 2,580-2,725 रुपये टिन (15 किलो) पर मजबूत बंद हुए।

समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाना और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमशः 450-250 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 6,975-7,025 रुपये और 6,825-6,900 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

इसी प्रकार दिल्ली में सोयाबीन तेल 100 रुपये की गिरावट के साथ 15,700 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन इंदौर तेल 100 रुपये की गिरावट के साथ 15,650 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल 120 रुपये की गिरावट के साथ 12,050 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। गर्मी की फसल आने की चर्चा के बीच बीते सप्ताह मूंगफली तिलहन का दाम 25 रुपये की गिरावट के साथ 6,600-7,175 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 300 रुपये की गिरावट के साथ 15,700 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 55 रुपये की गिरावट के साथ 2,490-2,790 रुपये प्रति टिन पर स्थिर रुख के साथ बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सीपीओ तेल का दाम 150 रुपये की गिरावट के साथ 13,800 रुपये प्रति क्विंटल, पामोलीन दिल्ली का भाव 150 रुपये की गिरावट के साथ 15,600 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव भी 200 रुपये की गिरावट के साथ 14,400 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

कम उपलब्धता के बीच मांग बढ़ने से बिनौला तेल का दाम 25 रुपये के सुधार के साथ 15,950 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

जीडीपी, ईरान वार्ता और बैंकिंग सेक्टर से तय होगी शेयर बाजार की चाल

वैश्विक संकेत और रुपए की मजबूती पर भी रहेगी निवेशकों की रहेगी नजर

मुंबई ।

घरेलू शेयर बाजारों में बीते सप्ताह गिरावट दर्ज किए जाने के बाद इस सप्ताह निवेशकों की नजर शुक्रवार को जारी हुए सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के आंकड़ों के असर पर टिकी रहेगी। बाजार विश्लेषकों का मानना है कि अमेरिका और ईरान के बीच संभावित समझौते, वैश्विक संकेतों और घरेलू बैंकिंग सेक्टर की चाल इस सप्ताह बाजार की दिशा निर्धारित करेगी। जीडीपी के आंकड़े शुक्रवार को बाजार बंद होने के बाद जारी किए गए थे, जिसके चलते इनका वास्तविक असर सोमवार को बाजार खुलने पर देखने को मिलेगा। विश्लेषकों के अनुसार इस सप्ताह बाजार की दिशा कई घरेलू और वैश्विक कारकों से तय होगी। सबसे पहले अमेरिका और ईरान के बीच संभावित समझौते पर निवेशकों की करीबी नजर रहेगी। यदि इस दिशा में कोई सकारात्मक प्रगति होती है, तो कच्चे तेल की कीमतों में नरमी आ सकती है, जिसे भारतीय बाजार के लिए एक शुभ संकेत माना जाएगा। इसके अतिरिक्त अमेरिकी बाजारों की चाल व्यापक वैश्विक रुझान, रुपये की मजबूती और विदेशी निवेशकों का रुख भी बाजार की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। एक सकारात्मक संकेत के रूप में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की हालिया नीति के बाद बैंकिंग शेयरों में मजबूती देखने को मिली है। बाजार विश्लेषकों का मानना है कि आने वाले दिनों में बैंक निफ्टी निफ्टी के मुकाबले बेहतर प्रदर्शन कर सकता है। उन्होंने बताया कि बैंक निफ्टी 54,400 के स्तर से ऊपर बंद हुआ है, जिसे तकनीकी रूप से एक महत्वपूर्ण ब्रेकआउट जोन माना जा रहा है। वहीं निफ्टी के लिए 23,100-23,150 का स्तर मजबूत सपोर्ट का काम कर सकता है। फिलहाल बाजार में बड़ी गिरावट की आशंका कम दिख रही है। विशेषज्ञों ने निवेशकों को सलाह दी है कि वे घबराने के बजाय गुणवत्ता वाले शेयरों में चरणबद्ध तरीके से खरीदारी के अवसर तलाशें। सरकार की तरफ से भी भविष्य में कुछ सकारात्मक कदम देखने को मिल सकते हैं, जो बाजार को और मजबूती प्रदान करेंगे।

मौसम की मार से मालदा के हिमसागर आम के निर्यात पर संकट

लगातार बारिश और बढ़े तापमान से आमों पर उभरे काले धब्बे

कोलकाता । पश्चिम बंगाल के मालदा जिले के प्रसिद्ध हिमसागर आम का निर्यात इस वर्ष मौसम की मार से संकट में है। लगातार बारिश और फिर बढ़े तापमान के कारण आमों पर काले धब्बे उभर आए हैं, जिससे बड़ी मात्रा में गुणवत्तापूर्ण फलों का निर्यात संभव नहीं हो पा रहा है। निर्यातकों के अनुसार ये धब्बे रोग संक्रमण के शुरुआती संकेत हैं। आमों को सुरक्षित रखने वाली बैगिंग तकनीक भी इस बार लगातार वर्षा और बाद में बढ़ी गर्मी के कारण अप्रभावी साबित हुई, जिससे फलों को भारी नुकसान पहुंचा। एक फूड प्रोडक्ट्स कंपनी ने बताया कि धब्बेदार फलों को विदेशी आयातक स्वीकार नहीं करते, जिसके चलते अमेरिका भेजी जाने वाली इस सीजन की पहली खेप को रोकना पड़ा है। उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में निर्यात ऑर्डर होने के बावजूद गुणवत्तापूर्ण फल उपलब्ध कराना मुश्किल हो रहा है। हालांकि उन्होंने आश्वस्त किया कि स्थिति पूरी तरह निराशाजनक नहीं है। उनके अनुसार केवल लगभग 15 प्रतिशत बैग किए गए फल प्रभावित हुए हैं, और लाखों अन्य आम अभी भी निर्यात योग्य हैं। विदेशी बाजारों में हिमसागर की मांग मजबूत बनी हुई है। निर्यातक अब अप्रभावित बागानों से उच्च गुणवत्ता वाले आमों की पहचान कर अंतरराष्ट्रीय आपूर्ति बनाए रखने और निर्यात लक्ष्य का एक बड़ा हिस्सा हासिल करने का प्रयास कर रहे हैं।

टाटा स्टील ब्रिटेन परियोजना में देरी बिजली कनेक्शन बना रोड़ा

1.25 अरब की हरित इस्पात परियोजना छह से आठ महीने खिसकी

नई दिल्ली ।

टाटा स्टील की ब्रिटेन में 1.25 अरब की कम कार्बन उत्सर्जन वाली इस्पात परियोजना को बिजली कनेक्शन में देरी के कारण छह से आठ महीने का विलंब हो सकता है। पोर्ट टैलबोट संयंत्र में 32 लाख टन क्षमता वाला इलेक्ट्रिक आर्क फर्नेस (ईएएफ) स्थापित करने की यह योजना अब तय समय से पीछे हो सकती है, क्योंकि राष्ट्रीय ग्रिड आवश्यक उच्च-वोल्टेज कनेक्शन उपलब्ध कराने में असमर्थ है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि राष्ट्रीय ग्रिड की परियोजना में देरी से ईएएफ का परिचालन प्रभावित होगा। यह नया संयंत्र पुराने ब्लास्ट फर्नेस की जगह लेगा और टाटा स्टील की कार्बन उत्सर्जन में 90 प्रतिशत (सालाना करीब 50 लाख टन) कमी लाने की रणनीति का प्रमुख हिस्सा है। ब्रिटेन सरकार की 50 करोड़ पाउंड की सहायता वाली इस महत्वाकांक्षी परियोजना में टाटा स्टील, ब्रिटेन सरकार और राष्ट्रीय ग्रिड के साथ मिलकर देरी के प्रभाव को कम करने के लिए काम कर रही है। परियोजना स्थल पर प्रमुख ध्वस्तीकरण कार्य पूरे हो चुके हैं और उपकरणों का निर्माण व आपूर्ति जारी है। हालांकि, नए ईएएफ को संचालित करने के लिए उच्च क्षमता वाली बिजली आपूर्ति अनिवार्य है, जो अभी उपलब्ध नहीं है। कंपनी ने ऐसी बड़ी औद्योगिक परियोजनाओं में समय-सीमा में बदलाव को सामान्य बताया है। 3 जून को परियोजना स्थल पर आग लगने की एक घटना भी हुई थी, जिसमें कोई हताहत नहीं हुआ।

प्याज पर ढील बेअसर, किसान बोले- एमएसपी 3000 रुपए प्रति क्विंटल हो

केंद्र द्वारा खरीद मानकों में ढील का स्वागत, पर 1580 प्रति क्विंटल की मौजूदा दर नाकाफी

नासिक ।

महाराष्ट्र के प्याज किसानों ने केंद्र सरकार द्वारा प्याज खरीद के मानकों में दी गई ढील का स्वागत किया है, लेकिन इसे नाकाफी बताते हुए अधिक राहत की मांग की है। किसानों का कहना है कि असली समस्या खरीद मानकों की नहीं, बल्कि कम कीमतों की है और उन्होंने प्याज के लिए 3,000 रुपये प्रति क्विंटल का न्यूनतम खरीद मूल्य (एमएसपी) तय करने की मांग की है। भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ (नेफेड) और भारतीय राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता संघ (एनसीसीएफ) द्वारा लगभग 1,580 रुपये प्रति क्विंटल की दर से की जा रही खरीद किसानों की औसत उत्पादन लागत (लगभग 1,800 रुपए प्रति क्विंटल) को भी पूरा नहीं करती। महाराष्ट्र राज्य प्याज उत्पादक संघ के अनुसार, ढील के बावजूद किसान घाटे में हैं। किसानों ने खरीद प्रक्रिया में पारदर्शिता की कमी पर चिंता जताई है। उन्होंने नेफेड और एनसीसीएफ से प्रतिदिन खरीदे गए प्याज और किसानों की सूची सार्वजनिक करने, साथ ही खरीद कृषि उपज मंडी समितियों (एपीएमसी) के माध्यम से कराने की मांग की है। इसके अतिरिक्त, पिछले चार-पांच महीनों में कम कीमत पर प्याज बेचने वाले लाखों किसानों को 1,500 रुपए प्रति क्विंटल की सब्सिडी देने की भी मांग की गई है ताकि वे हुए नुकसान की भरपाई कर सकें। उधर, महाराष्ट्र सरकार ने नेफेड और एनसीसीएफ द्वारा की जाने वाली प्याज खरीद पर एपीएमसी शुल्क माफ कर दिया है, लेकिन किसान नेताओं का कहना है कि इसका लाभ मुख्य रूप से खरीद एजेंसियों को मिलेगा, किसानों को नहीं।

किसान संगठन ने चेतावनी दी है कि केवल मानकों में ढील देने से समस्या का समाधान नहीं होगा; इसके लिए लाभकारी मूल्य और पारदर्शी व्यवस्था सुनिश्चित करनी होगी।

एनसीएलएटी ने लिगेयर एविएशन की दिवाला प्रक्रिया रद्द की

राउंड-ट्रिपिंग को बताया असली कर्ज नहीं

नई दिल्ली ।

राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) ने लिगेयर एविएशन लिमिटेड के खिलाफ शुरू की गई दिवाला कार्यवाही को रद्द कर दिया है। एनसीएलएटी ने अपने फैसले में कहा कि यह वास्तविक वित्तीय ऋण का नहीं, बल्कि धन के केवल इधर-उधर स्थानांतरण (राउंड-ट्रिपिंग) का मामला था। न्यायाधिकरण ने राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) के उस आदेश को भी खारिज कर दिया, जिसने रेलिगेयर एंटरप्राइजेज की याचिका स्वीकार की थी। एनसीएलएटी ने स्पष्ट किया कि किसी लेन-देन को वित्तीय ऋण मानने के लिए उसमें टाइम वैल्यू ऑफ मनी का तत्व होना आवश्यक है, जो इस मामले में अनुपस्थित था। रिकॉर्ड से पता चला कि लिगेयर एविएशन को कोई वास्तविक वित्तीय ऋण नहीं दिया गया था। पीठ ने कहा कि यह लेन-देन केवल अघोषित उद्देश्यों के लिए धन के घुमाव का एक उदाहरण था, जिसके आधार पर दिवाला प्रक्रिया शुरू नहीं की जा सकती थी। मामले की सुनवाई में सामने आया कि 31 मार्च, 2009 को रेलिगेयर आर्ट्स इन्वेस्टमेंट मैनेजमेंट लिमिटेड ने लिगेयर एविएशन को 3.6 करोड़ रुपये भेजे थे, पर यह राशि उसी दिन तुरंत रेलिगेयर फिनवेस्ट को स्थानांतरित कर दी गई। एनसीएलएटी ने पाया कि बैंक रिकॉर्ड भी समूह की विभिन्न कंपनियों के बीच धन के लगातार आदान-प्रदान को दर्शाते हैं। यह पुष्टि करता है कि यह वास्तविक ऋण नहीं था और राशि लिगेयर एविएशन के पास 24 घंटे भी नहीं रही थी। एनसीएलएटी ने अपने अंतिम आदेश में कहा कि जब कोई वास्तविक वित्तीय ऋण ही नहीं था, तो कॉर्पोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया शुरू नहीं की जा सकती थी।

यह मामला सिंह बंधुओं से जुड़े कारोबारी समूह की कंपनियों से संबंधित है।

उज्बेकिस्तान का भारतीय फार्मा को न्योता, बनेगा क्षेत्रीय हब

– सब्सिडी, तकनीक हस्तांतरण से निवेश, द्विपक्षीय व्यापार में तेजी

नई दिल्ली ।

उज्बेकिस्तान भारतीय दवा कंपनियों को आकर्षित करने हेतु सब्सिडी, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण व सरल नियमन की पेशकश कर रहा है। देश का लक्ष्य खुद को क्षेत्रीय दवा विनिर्माण और आपूर्ति केंद्र के रूप में स्थापित करना है। एक अधिकारी ने बताया कि स्थानीय विनिर्माण को बढ़ावा देने हेतु नियामक मंजूरियों को आसान बनाना, लाइसेंसिंग प्रक्रियाओं को सरल करना और नौकरशाही बाधाएं कम करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि स्पष्ट व अनुमान लगाने योग्य नियामकीय समयसीमा से स्थानीय उत्पादन अधिक आकर्षक होगा। इसके अतिरिक्त, कर प्रोत्साहन, सब्सिडी, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण व औद्योगिक संकुलों में भागीदारी भी निवेश बढ़ाएगी। उन्होंने बौद्धिक संपदा अधिकारों की सुरक्षा व दीर्घकालिक नीतिगत स्थिरता को उच्च मूल्य वाले फार्मा निवेश के लिए अहम बताया। ये सुधार भारतीय कंपनियों को स्थानीय स्तर पर आवश्यक दवाओं के उत्पादन में मदद करेंगे, जो उज्बेकिस्तान में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुधारेगा और उसे क्षेत्रीय केंद्र के रूप में मजबूत करेगा। भारत-उज्बेकिस्तान व्यापार 2025 में 33.3 फीसदी बढ़कर 1.31 अरब डॉलर पहुंच गया।

जिला विधिक सेवा प्राधिकार की टीम ने गिरिडीह मंडल कारा का किया औचक निरीक्षण

रफ्तार मीडिया
गिरिडीहः झारखण्ड उच्च न्यायालय एवं झारखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार के निर्देश पर रविवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकार की टीम ने गिरिडीह मंडल कारा का औचक निरीक्षण किया। इस अभियान में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार गिरिडीह श्री मार्तंड प्रताप मिश्रा, मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी श्री विनोद कुमार, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार गिरिडीह मो सफदर अली नैयर, न्यायिक दंडाधिकारी श्री अक्षय शर्मा के साथ डीएलएसए की टीम शामिल थी। उक्त टीम ने जेल मैनुअल के

अनुसार मंडल कारा गिरिडीह में बंदियों के लिए तैयार किये जा रहे भोजन एवं पेयजल की गुणवत्ता, कारा के रसोई की देखरेख आदि का जायजा लिया। इसके अतिरिक्त इस निरीक्षण के दौरान कारा में पदस्थापित चिकित्सा पदाधिकारी से बंदियों के स्वास्थ्य सुविधाओं के संबंध में भी पूछताछ की गई । साथ ही कई बंदियों से बात चीत कर उन्हें मिल रही मूलभूत सुविधाओं तथा अन्य समस्याओं के विषय पर चर्चा की गई।
जेल अधीक्षक सुश्री हिमानी प्रिया के द्वारा टीम को जेल में आवंटन के अभाव में हो रही विभिन्न असुविधाओं के बारे में अवगत कराया गया ।

भाजपा धनवार मंडल कार्य- समिति की बैठक संपन्न, संगठन की मजबूती पर दिया जोर।

रफ्तार मीडिया संवाददाता
राजधनवारः--धनवार प्रखंड क्षेत्र के ग्राम अरगाली स्थित दुखिया महादेव के समीप रविवार को भाजपा धनवार मंडल कार्य-समिति की बैठक आयोजित की गई । बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा नेता सह पूर्व आईजी लक्ष्मण प्रसाद सिंह उपस्थित थे। बैठक में संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने और केन्द्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने पर विशेष जोर दिया गया ।
बैठक को संबोधित करते हुए श्री सिंह ने कहा कि संगठन की शक्ति ही भाजपा की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने कार्यकताओं से केन्द्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को आम जनों तक पहुंचाने तथा संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने का आह्वान किया।
बैठक के दौरान "संगठन ही शक्ति है" एवं "विकसित भारत, समर्थ भारत" के संकल्प को दोहराते हुए संगठन विस्तार और आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर भी चर्चा की गई। अंत में उपस्थित सभी कार्यकताओं का आभार व्यक्त किया गया।
बैठक में भाजपा ग्रामीण जिला उपाध्यक्ष उदय सिंह, मंडल अध्यक्ष अरविन्द साव, अजय रंजन, श्याम सिंह,भोपाल सिंह, लीलावती देवी, रोबिन रवानी, गुड्डू सहित जिले के सम्मानित पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

बुंडू स्वस्थ समाज की ओर कदम: बुंडू में मुफ्त स्वास्थ्य जांच एवं परामर्श शिविर संपन्न

रफ़्तार मिडिया बुंडू संवाददाता
बुंडू। प्रखंड के माझी टोली स्कूल प्रांगण में रविवार को विटालिया हॉस्पिटल, बूटी मोड़, रांची के तत्वावधान में निशुल्क स्वास्थ्य जांच एवं परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में क्षेत्र के 100 से अधिक मरीजों ने स्वास्थ्य जांच कराई तथा विशेषज्ञ चिकित्सकों से परामर्श प्राप्त किया। शिविर में विटालिया हॉस्पिटल के डायरेक्टर, जनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन डॉ. विनय कुमार महेश्वरी ने हर्निया, हाइड्रोसील, पथरी, पाइल्स, अपेंडिक्स, गॉलब्लैडर एवं प्रोस्टेट संबंधी रोगों से पीड़ित मरीजों की जांच कर उन्हें निशुल्क परामर्श दिया। साथ ही रोगों के लक्षण, बचाव एवं उपचार के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी भी साझा की डॉ. महेश्वरी ने कहा कि समय पर जांच एवं उचित उपचार से इन बीमारियों का सफल इलाज संभव है। आवश्यकता अनुसार मरीजों को आगे की चिकित्सा एवं शल्य चिकित्सा (ऑपरेशन) संबंधी सलाह भी दी गई। शिविर के सफल आयोजन में पंचपरगना जीडी ब्लड सैंपल कलेक्शन & हेल्थ ब्रिज सेंटर के संचालक सह मजदूर सेवा संगठन के अध्यक्ष ठाकुर जीतमोहन प्रमाणिक, ग्रामीण चिकित्सक राजेंद्र प्रसाद, दुखन सिंह मुंडा, गुरुवा मुंडा, जयप्रकाश सेठ तथा माझी टोली स्कूल कमेटी का विशेष सहयोग रहा। ग्रामीणों एवं स्थानीय लोगों ने शिविर की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे स्वास्थ्य जागरूकता एवं जांच शिविर ग्रामीण क्षेत्रों के लिए अत्यंत लाभकारी हैं।

करोड़ों की लागत से संवर रहे धनबाद के 132 तालाबः विभाग का दावा- मानसून से पहले काम होगा पूरा, ग्रामीणों ने लगाए गुणवत्ता पर आरोप।

रफ्तार मीडिया संवाददाता गोवर्धन रजक धनबादः धनबाद जिले में जल संरक्षण और ग्रामीण आजीविका को बढ़ावा देने के उद्देश्य से लघु सिंचाई विभाग द्वारा विभिन्न सरकारी योजनाओं के तहत 132 तालाबों और छोटे बांधों (चेकडैम) के जीर्णोद्धार का कार्य युद्ध स्तर पर कराया जा रहा है। जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट (डीएमएफटी) और राज्य संपोषित मद से हो रहे इन विकास कार्यों को लेकर जहां एक ओर विभाग मानसून से पहले काम पूरा करने का दावा कर रहा है, वहीं दूसरी ओर कई ग्रामीण क्षेत्रों से काम में अनियमितता, अत्यधिक धीमी गति और गुणवत्ता की अनदेखी के गंभीर आरोप सामने आ रहे हैं।

टुंडी,पूर्वी टुंडी और गोविंदपुर में फूटा ग्रामीणों का गुस्सा
पूर्वी टुंडी प्रखंड में डीएमएफटी फंड के सहयोग से बन रहे बारकेतनी छोटा बांध के जीर्णोद्धार कार्य को लेकर स्थानीय ग्रामीणों ने विभाग की कार्यशैली और संवेदक (ठेकेदार) पर लापरवाही का आरोप लगाया है। ग्रामीणों का कहना है कि कार्यस्थल पर तकनीकी मानकों का पालन नहीं हो रहा है।
वहीं, गोविंदपुर प्रखंड क्षेत्र के महुल गड़िया तालाब की उचित ढंग से सफाई और सौंदर्यीकरण नहीं होने से स्थानीय लोगों में गहरा असंतोष है। ग्रामीण रविंद्र कुमार चंद्रा और दीपक कुमार दान ने बताया कि इस ऐतिहासिक तालाब पर आसपास के हजारों लोगों की आजीविका टिकी हुई है। यहाँ बड़े पैमाने पर मछली पालन होता है और छठ जैसे बड़े धार्मिक आयोजनों में लोग यहाँ स्नान करते हैं, लेकिन वर्तमान में सफाई के अभाव में तालाब से उठ रही दुर्गंध ने लोगों का जीना मुहाल कर दिया है। स्थानीय मुखिया प्रतिनिधि प्रदीप बास्की ने भी प्रशासन से इस दिशा में अविलंब ठोस पहल करने की मांग की है।टुंडी के चाची बांध में मानकों की अनदेखी का आरोप, संवेदक ने नकारा
प्रखंड मुख्यालय टुंडी के समीप करीब 30 लाख रुपये की भारी-भरकम लागत से हो रहे चाची बांध जीर्णोद्धार कार्य की गुणवत्ता पर भी सवालिया निशान खड़े हो रहे हैं। स्थानीय झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) नेता लोबिन बास्की ने आरोप लगाया कि बांध की खुदाई और मेढ़ (पार) की मरम्मत में विभागीय गाइडलाइंस की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं, जिससे पहली ही बारिश में बांध के टूटने का खतरा रहेगा। हालांकि, इस पूरे मामले पर कार्य कर रहे संवेदक विक्रम भारद्वाज ने सभी आरोपों को सिरे से खारिज किया है। उन्होंने दावा किया कि सरकारी राशि का एक-एक पैसा पूरी पारदर्शिता, ईमानदारी और उच्च गुणवत्ता के साथ धरातल पर उतारा जा रहा है।130 तालाबों का काम बारिश से पहले होगा मुकम्मलः जितेंद्र महतो
इन तमाम शिकायतों और विवादों के बीच लघु सिंचाई विभाग, धनबाद के कार्यपालक अभियंता जितेंद्र महतो ने विभाग का पक्ष रखते हुए बताया कि जिले में कुल 193 तालाबों के कायाकल्प की प्रशासनिक स्वीकृति मिली है। इनमें से 132 तालाबों पर काम तेजी से चल रहा है, जबकि शेष बचे 61 तालाबों का एकरारनामा (एग्रीमेंट) मानसून की समाप्ति के बाद किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि कुल चालू योजनाओं में से लगभग 130 तालाबों का काम हर हाल में भारी बारिश शुरू होने से पहले पूरा कर लिया जाएगा। इन योजनाओं की प्राक्कलित राशि 4 लाख रुपये से लेकर अधिकतम 74 लाख रुपये तक है।

ड्रोन सर्वे और उपायुक्त स्तर से हो रही है कड़ी निगरानी
कार्यपालक अभियंता ने गुणवत्ता से जुड़े आरोपों पर कहा कि प्रत्येक योजना में काम शुरू होने से पहले (प्री) और काम पूरा होने के बाद (पोस्ट) की स्थिति का सटीक आकलन करने के लिए ड्रोन सर्वे कराया जा रहा है। इसके साथ ही, जिला स्तर पर धनबाद उपायुक्त और उप विकास आयुक्त (डीडीसी) स्वयं इन योजनाओं का नियमित निरीक्षण और समीक्षा कर रहे हैं। बावजूद इसके, ग्रामीण इलाकों से लगातार आ रही शिकायतें यह साफ संकेत दे रही हैं कि सरकारी तंत्र और धरातलीय हकीकत के बीच अभी भी समन्वय की कमी है। अब देखना यह होगा कि मानसून की पहली दस्तक से पहले विभाग अपने दावों के अनुरूप इन जलस्रोतों को कितनी मजबूती और पारदर्शिता के साथ ग्रामीणों को सौंप पाता है।
कुल स्वीकृत योजनाएंः 193 तालाब और छोटे बांध।
धरातल पर जारी कार्यः 132 जलाशयों का जीर्णोद्धार जारी।
मानसून पूर्व का लक्ष्यः 130 योजनाओं को बारिश से पहले समेटने की तैयारी।
बजट का दायराः न्यूनतम 4 लाख से लेकर अधिकतम 74 लाख रुपये तक की योजनाएं।
तकनीकी जांचः पारदर्शिता के लिए प्री और पोस्ट मेजरमेंट के साथ पहली बार ड्रोन तकनीक का इस्तेमाल।

सुदर्शन समाज का बड़ा फैसलाः अधिकार और सम्मान के लिए झारखंड सरकार के खिलाफ होगा चरणबद्ध आंदोलन।

रफ्तार मीडिया संवाददाता गोवर्धन रजक धनबाद। भारतीय सुदर्शन समाज महासंघ की ओर से धनबाद जिला सामूहिक बैठक का आयोजन पतराकुलही में किया गया। इस बैठक में सुदर्शन समाज के लोगों ने बड़ी संख्या में हिस्सा लिया और समाज के विकास, अधिकारों और वर्तमान प्रशासनिक उपेक्षा पर गंभीर मंथन किया।
6 महीने से प्रशासन दबाए बैठा है सुदर्शन समाज के आवेदन बैठक को मुख्य रूप से संबोधित करते हुए भारतीय सुदर्शन समाज महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष शंकर कुमार ने स्थानीय प्रशासन की कार्यशैली पर गहरा असंतोष जताया। उन्होंने खुलासा किया कि हीरापुर अंचल में सुदर्शन समाज के सजग नागरिकों द्वारा विगत 6 महीने पहले ही जाति प्रमाण पत्र के लिए आवेदन दिए गए थे। इसके बावजूद, स्थानीय प्रशासन ने अब तक इस पर कोई सकारात्मक कार्रवाई नहीं की है।
भूमिहीनता बनी सुदर्शन समाज के अधिकार में रोड़ा शंकर कुमार ने बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के संदेश को याद करते हुए कहा कि उनका सपना समाज के सबसे कमजोर, वंचित और शोषित लोगों को आरक्षण का लाभ दिलाकर मुख्यधारा में लाना था। लेकिन आजादी के दशकों बाद भी सुदर्शन समाज इस अधिकार से महरूम है। उन्होंने स्पष्ट किया कि पूरे झारखंड में सुदर्शन समाज के अधिकांश लोग भूमिहीन हैं। इसी भूमिहीनता को आधार बनाकर प्रशासन द्वारा इस समाज के लोगों का जाति प्रमाण पत्र निर्गत नहीं किया जा रहा है।बच्चों की शिक्षा और सरकारी योजनाओं का नहीं मिल रहा लाभ
बैठक में सुदर्शन समाज के प्रबुद्ध जनों ने कहा कि वर्तमान में 'राइट टू एजुकेशन' (आरटीई) और राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाने के लिए जाति प्रमाण पत्र की सख्त आवश्यकता पड़ती है। प्रमाण पत्र के अभाव में सुदर्शन समाज के बच्चे पढ़-लिखकर भी पूंजी की कमी से जूझ रहे हैं और चाहकर भी अपने पारंपरिक जातिगत पेशे से बाहर नहीं निकल पा रहे हैं।सफाई कर्मचारियों के हक की आवाज बुलंद की सुदर्शन समाज महासंघ ने नगर निगम में कार्यरत आउटसोर्सिंग सफाई कर्मचारियों (जो इसी समाज से आते हैं) के शोषण का मुद्दा भी पुरजोर ढंग से उठाया। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि निजी ठेकेदार न तो इन सफाई कर्मियों को सही दिहाड़ी देते हैं और न ही उन्हें ईपीएफ व ईएसआई का लाभ मिल रहा है। सुदर्शन समाज ने मांग की है कि राजस्थान और पंजाब सरकार की तर्ज पर झारखंड सरकार भी इन सभी आउटसोर्सिंग सफाई कर्मियों की सेवा को तत्काल स्थाई करे।
मांगें पूरी नहीं हुईं तो होगा चरणबद्ध आंदोलन
महासंघ ने झारखंड सरकार और जिला प्रशासन को दो टूक शब्दों में चेतावनी दी है कि यदि सुदर्शन समाज के भूमिहीन लोगों का जाति प्रमाण पत्र जल्द जारी नहीं किया गया और सफाई कर्मियों का स्थायीकरण नहीं हुआ, तो समाज शांत नहीं बैठेगा। अपने हक और अधिकारों की रक्षा के लिए सुदर्शन समाज पूरे राज्य में चरणबद्ध तरीके से सरकार को घेरने का काम करेगा और आंदोलन के बल पर अपना हक छीन कर लेगा।

सीसीएल कॉलोनी के माइनस क्वार्टर का छज्जा गिरा, बड़ा हादसा टला

आशीष कुमार मुखर्जी/रफ्तार मीडिया
कुजू/रामगढ़ :सीसीएल कुजू क्षेत्र की पूर्वी न्यू कॉलोनी स्थित एक माइनस क्वार्टर का छज्जा रविवार सुबह अचानक भरभराकर गिर गया। गनीमत रही कि घटना के समय आसपास कोई व्यक्ति मौजूद नहीं था, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। हालांकि, छज्जे का विशाल कंक्रीट का हिस्सा सीसीएल कर्मी प्रदीप प्रजापति की खड़ी मोटरसाइकिल पर आ गिरा, जिससे बाइक का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया।

स्थानीय लोगों के अनुसार कॉलोनी के कई माइनस क्वार्टर लंबे समय से जर्जर अवस्था में हैं। मरम्मत और नियमित रखरखाव के अभाव में उनकी स्थिति लगातार खराब होती जा रही है।
क्वार्टर में रहने वाले सीसीएल कर्मी प्रदीप प्रजापति ने बताया कि भवन की मरम्मत को लेकर विभाग को कई बार लिखित सूचना दी गई, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। उन्होंने कहा कि नियमित रखरखाव नहीं होने के कारण कॉलोनी के माइनस क्वार्टरों की हालत दिन-ब-दिन बदतर होती जा रही है।
उन्होंने बताया कि क्वार्टरों के पीछे बड़े-बड़े पेड़ उग आए हैं और सेप्टिक टैंक भी पूरी तरह जर्जर हो चुके हैं, जिससे कभी भी कोई बड़ी दुर्घटना हो सकती है।
प्रदीप प्रजापति ने यह भी बताया कि यह पहली घटना नहीं है। पिछले वर्ष पश्चिमी न्यू कॉलोनी के एक माइनस क्वार्टर में पानी से भरी सिंटेक्स टंकी छत तोड़कर घर के अंदर गिर गई थी।
घटना के बाद कॉलोनीवासियों ने सीसीएल प्रबंधन से जर्जर माइनस क्वार्टरों का सर्वेक्षण कर तत्काल मरम्मत कार्य शुरू कराने तथा आवश्यक सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने की मांग की है। उनका कहना है कि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो भविष्य में किसी बड़े हादसे से इंकार नहीं किया जा सकता।

परिमल नाथवानी के पुत्र धनराज नाथवानी ने पहाड़ी बाबा व श्याम मंदिर में टेका माथा

परिमल नाथवानी राज्यसभा चुनाव के लिए आज दाखिल करेंगे नामांकन

सौरभ राय/ रफ्तार मीडिया
रांचीःझारखंड में राज्यसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। इसी क्रम में पूर्व राज्यसभा सांसद एवं उद्योगपति परिमल नाथवानी के पुत्र धनराज नाथवानी ने रविवार को रांची के प्रमुख धार्मिक स्थलों में से एक स्थित पहाड़ी बाबा मंदिर और श्याम मंदिर पहुंचकर पूजा अर्चना की तथा राज्यसभा चुनाव से पूर्व आशीर्वाद प्राप्त किया।धनराज नाथवानी ने पहाड़ी बाबा के दरबार में हाजिरी लगाकर भगवान शिव का आशीर्वाद लिया। इसके बाद उन्होंने श्याम मंदिर पहुंचकर भी पूजा अर्चना की और राज्य की सुख समृद्धि तथा सफल लोकतांत्रिक प्रक्रिया की कामना की।

भाजपा ने परिमल नाथवानी को दिया समर्थन
गौरतलब है कि सूत्रों के हवाले से मिली खबर के अनुसार झारखंड से राज्यसभा चुनाव के लिए उद्योगपति और पूर्व में राज्यसभा सांसद रहे परिमल नाथवानी को भाजपा का समर्थन प्राप्त हो चुका है। इसी कड़ी में वे सोमवार को अपना नामांकन पत्र दाखिल करेंगे। नामांकन से पूर्व नाथवानी पुत्र द्वारा धार्मिक स्थलों पर पहुंचकर आशीर्वाद लेने को राजनीतिक रूप से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

पूर्व में झारखंड से जा चुके हैं राज्यसभा
परिमल नाथवानी का झारखंड से पुराना रिश्ता रहा है वर्ष 2008 और वर्ष 2014 में भी वे राज्यसभा में झारखंड की प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। बता दें, परिमल नाथवानी राजनीतिक पृष्ठभूमि में एक बड़ा नाम है वे तीन बार राज्यसभा सांसद रह चुके हैं दो बार झारखंड से और एक बार आंध्रप्रदेश से भी वे राज्यसभा पहुंचे हैं ऐसे में इस बार का राज्यसभा चुनाव भी झारखंड के लिए रोचक हो चुका है।

झारखंड में राज्यसभा का सियासी गणित ?
संख्याबल के लिहाज से झारखंड विधानसभा के कुल 81 विधानसभा सीटें हैं. जिसमें राज्य की सत्तारूढ़ दल झामुमो के पास 34, कांग्रेस के 16, राजद के 4 और भाकपा माले के 2 विधायक हैं. इस तरह महागठबंधन के पास कुल 56 विधायक हैं. वहीं भाजपा के 21, जदयू के 1, आजसू के 1 और लोजपा (रामविलास) के 1 विधायक सहित एनडीए के पास कुल 24 विधायक हैं. एक विधायक जेएलकेएम के जयराम कुमार महतो हैं.

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन से प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव की मुलाकात

रफ्तार मीडिया संवाददाता
रांचीः झारखंड भाजपा अपने संगठन को मजबूत करने में जुट चुकी है जिसके तहत भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन का आगमन राजधानी रांची में होता हैं। दो दिनों के झारखंड दौरे में आए नितिन नवीन ने कई संगठनात्मक बैठकों में उपस्थित होकर पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकताओं को उचित दिशा निर्देश दिया। इसके निमित रविवार को राष्ट्रीय अध्यक्ष ने प्रदेश कार्यालय में आयोजित बैठक में प्रदेश प्रवक्ता, प्रदेश मीडिया और सोशल मीडिया और आईटी सेल के साथ संयुक्त रूप से परिचर्चा किया। मौके पर भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने उनका गर्मजोशी के साथ स्वागत किया।
राष्ट्रीय अध्यक्ष का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ- प्रतुल शाहदेव
मौके पर भाजपा प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के झारखंड दौरे को बेहद महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद पहली बार नितिन नवीन राजधानी रांची पहुंचे जिस कारण हम सभी उत्साहित हैं। उन्होंने कहा निश्चित तौर पर नितिन नवीन के आगमन से प्रदेश भाजपा में एक नई ऊर्जा का संचार हुआ है जिस प्रकार से उन्होंने बैठक कर मूलमंत्र दिया वह आने वाले समय में कारगर साबित होगा और आगामी 2029 के विधानसभा चुनाव में भाजपा अपने पुराने तेवर में लौटकर झारखंड में कमल खिलाने का कार्य करेगी।

सरकार सिर्फ और सिर्फ लूट-खसोट करने में लगी है : सोमदेव करमाली

रामानगर में झारखंड क्रांतिकारी महामोर्चा के केंद्रीय कार्यालय का हुआ उद्घाटन

आशीष कुमार मुखर्जी/ रफ्तार मीडिया
कुजू। झारखंड की जनता ने सरकार को जिस आशा और विश्वास के साथ सत्ता सौंपी थी, उस पर सरकार खरी नहीं उतर सकी है। सरकार केवल लूट-खसोट में लगी हुई है। ये बातें सोमदेव करमाली ने रविवार को रामानगर सांडी में झारखंड क्रांतिकारी महामोर्चा के केंद्रीय कार्यालय के उद्घाटन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि कही।
उन्होंने कहा कि झारखंड के जल, जंगल, जमीन, कोयला, बालू, आयरन सहित अन्य प्राकृतिक संसाधनों से राज्यवासियों को दूर रखा जा रहा है, जबकि इन संसाधनों का लाभ बाहरी कारोबारियों को पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य की जनता को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए मोर्चा सरकार के खिलाफ संघर्ष करेगा। मोर्चा का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को उनका हक और अधिकार दिलाना है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष पवन करमाली ने कहा कि जब तक झारखंड की जनता को उनका अधिकार नहीं मिलेगा, तब तक वे आर्थिक रूप से मजबूत नहीं हो पाएंगे। उन्होंने कहा कि झारखंडवासियों को उनके अधिकार दिलाने के उद्देश्य से ही झारखंड क्रांतिकारी महामोर्चा का गठन किया गया है।इससे पूर्व अतिथियों ने फीता काटकर केंद्रीय कार्यालय का उद्घाटन किया। कार्यक्रम में अतिथियों का बुके देकर स्वागत किया गया। सभा को केंद्रीय प्रवक्ता सुधीर करमाली, केंद्रीय उपाध्यक्ष अवधेश राम तथा कोषाध्यक्ष हसन अली ने भी संबोधित किया।
मौके पर रोहित करमाली, धीरज ठाकुर, डब्लू करमाली, मो. हामिद, अशोक करमाली, मो. कुर्बान, सनोज करमाली, मुकेश कुमार दास, भिखारी पाहन, रीना कुमारी, लकी कुमारी, पारो कुमारी, सुनीता मुंडा, फुलेश्वरी देवी समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं समर्थक उपस्थित थे।

आकाशीय बिजली गिरने से 16 वर्षीय किशोर की मौत, पिता समेत दो घायल

आशीष कुमार मुखर्जी/रफ्तार मीडिया
कुजू (रामगढ़)। कुजू कोयलांचल क्षेत्र में रविवार दोपहर हुई तेज बारिश के दौरान आकाशीय बिजली गिरने से एक 16 वर्षीय किशोर की मौत हो गई, जबकि उसके पिता समेत दो लोग घायल हो गए।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, मुरपा कठरा टोला निवासी विनोद महतो अपने 16 वर्षीय पुत्र साहिल कुमार उर्फ तूफान तथा मनीष कुमार के साथ घर के आंगन की सीढ़ी पर बैठे हुए थे। इसी दौरान तेज गर्जना के साथ आकाशीय बिजली गिरी, जिसकी चपेट में तीनों आ गए।
घटना के बाद परिजनों एवं स्थानीय लोगों की मदद से साहिल कुमार और विनोद महतो को इलाज के लिए रांची रोड स्थित अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने साहिल कुमार को मृत घोषित कर दिया। वहीं विनोद महतो की स्थिति गंभीर बनी हुई है। दूसरी ओर घायल मनीष कुमार को मुरपा स्थित मनोरमा हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज चल रहा है।घटना की सूचना मिलते ही कुजू ओपी पुलिस अस्पताल पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है।
इस दर्दनाक हादसे के बाद पूरे गांव में शोक की लहर है। मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। ग्रामीणों ने प्रशासन से पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा एवं सरकारी सहायता उपलब्ध कराने की मांग की है।

रफ्तार मीडिया
हिंदी दैनिक (रांची)

श्रीमद्भागवत कथा के छठे दिन श्रीकृष्ण-रुक्मिणी विवाह प्रसंग का भावपूर्ण वर्णन, श्रद्धालु भक्ति रस में सराबोर

रांची – अग्रसेन भवन, अपर बाजार रांची में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के छठे दिन श्रद्धालु भगवान श्रीकृष्ण और रुक्मिणी विवाह के दिव्य प्रसंग का श्रवण कर भक्ति भाव में डूब गए। कथा व्यासपीठ पर विराजमान कथावाचक आचार्य पं. अश्विनी मिश्र ने श्रीमद्भागवत के विभिन्न प्रसंगों का संगीतमय एवं भावपूर्ण वर्णन करते हुए श्रद्धालुओं को भक्ति, प्रेम और अध्यात्म का संदेश दिया।

कथा के दौरान आचार्य ने रास पंचाध्यायी का विस्तार से वर्णन करते हुए कहा कि महारास के पांच अध्यायों में निहित पंचगीत भागवत के पंचप्राण हैं। जो भी श्रद्धालु भगवान श्रीकृष्ण के इन दिव्य गीतों का श्रद्धा और भावपूर्वक गान करता है, वह भवसागर से पार हो जाता है तथा उसे वृंदावन की भक्ति सहज ही प्राप्त हो जाती है। उन्होंने कहा कि भगवान की भक्ति ही जीवन का परम लक्ष्य है और रासलीला जीव तथा परमात्मा के दिव्य मिलन का प्रतीक है।

आचार्य ने कथा में भगवान श्रीकृष्ण के मथुरा प्रस्थान, अत्याचारी कंस के वध, महर्षि संदीपनि के आश्रम में शिक्षा ग्रहण करने, कालयवन वध, उद्धव-गोपी संवाद, गोपियों की अनन्य भक्ति तथा उद्धव द्वारा गोपियों को अपना गुरु स्वीकार करने जैसे प्रसंगों का मार्मिक वर्णन किया। इसके साथ ही द्वारका नगरी की स्थापना एवं श्रीकृष्ण-रुक्मिणी विवाह के प्रसंग को संगीतमय शैली में प्रस्तुत किया गया, जिसे सुनकर श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे।

कथावाचक ने कहा कि महारास के समय भगवान श्रीकृष्ण ने अपनी मधुर बांसुरी की धुन से गोपियों का आह्वान किया था। महारास लीला के माध्यम से जीवात्मा और परमात्मा का मिलन हुआ, जिसे सनातन धर्म में सर्वोच्च आध्यात्मिक अवस्था माना गया है। उन्होंने कहा कि जीव और ब्रह्म के मिलन को ही महारास कहा जाता है और यह भक्ति, प्रेम तथा समर्पण की सर्वोच्च अभिव्यक्ति है।

कथा स्थल पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे और श्रीकृष्ण-रुक्मिणी विवाह प्रसंग के दौरान भजनों एवं जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहा। श्रद्धालुओं ने कथा का श्रवण कर धर्म, भक्ति और सदाचार के मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। आयोजन समिति कि पद्मा देवी एवं समस्त मंगल परिवार के सदस्यों ने बताया कि कथा के आगामी दिनों में भी विभिन्न दिव्य प्रसंगों का वर्णन किया जाएगा, जिसके लिए श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखा जा रहा है।

आज रविवार को आयोजित रुक्मिणी विवाह में विभिन्न झांकियां आकर्षण का केंद्र बिन्दु रही। पूजा अर्चना में सुमन अरविन्द कुमार मंगल,मेघा अर्पित मंगल मुख्य रूप से शामिल हो रहे हैं।

धनबाद: रविवार शाम राजा तालाब के पास भीषण सड़क हादसा, तेज रफ्तार कार के उड़े परखच्चे, युवक-युवती गंभीर

रफ्तार मीडिया संवाददाता गोवर्धन रजक धनबाद, 7 जून 2026: रविवार की शाम शहर के मेमको मोड़ से गोल बिल्डिंग की तरफ आ रही एक अनियंत्रित तेज रफ्तार कार राजा तालाब के सामने दुर्घटनाग्रस्त हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, काले रंग की स्कॉर्पियो-एन कार की रफ्तार लगभग 150 से 160 किलोमीटर प्रति घंटा थी। रफ्तार इतनी तेज थी कि चालक वाहन पर से संतुलन खो बैठा और यह दर्दनाक हादसा हो गया।घटना का विवरण समयः रविवार शाम लगभग सात बजे।स्थानः 8 लाइन रोड, राजा तालाब, गोल बिल्डिंग के सामने, धनबाद।दिशाः मेमको मोड़ की तरफ से आ रही थी तेज रफ्तार गाड़ी।वाहन नंबरः जेएच10सीजेड 4004 (काले रंग की स्कॉर्पियो-एन) टेलीफोनिक सूचना पर पहुंचे ह्यूमैनिटी ग्रुप के सदस्य टक्कर की आवाज सुनकर आसपास के लोग मदद के लिए दौड़े। इसी बीच घटना की टेलीफोनिक सूचना मिलते ही ह्यूमैनिटी हेल्पिंग हैंड्स सोसाइटी के संस्थापक सह केंद्रीय अध्यक्ष गौतम कुमार मंडल भी अपनी टीम के साथ तुरंत मौके पर पहुंचे।परिजनों ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया हादसे में कार सवार युवक और युवती गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों, पुलिस और ह्यूमैनिटी ग्रुप के घायलों को उठाने से पहले ही उनके परिजन आनन-फानन में मौके पर पहुंच गए और दोनों को इलाज के लिए तुरंत नजदीकी अस्पताल ले गए, जहां उनकी स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। घटना की सूचना मिलने के बाद स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंचकर आगे की कानूनी जांच में जुट गई है।

40% छूट में गाड़ी दिलाने का झांसा, महिला से 75 हजार की ठगी

रफ्तार मीडिया बालूमाथ
बालूमाथ। बालूमाथ में 40 प्रतिशत छूट पर वाहन दिलाने का प्रलोभन देकर एक महिला से ?75 हजार की ठगी का मामला सामने आया है। पीड़िता ने बालूमाथ थाना में आवेदन देकर मामले की जांच और दोषी के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की मांग की है।थाना को दिए आवेदन में शेरेगरा निवासी प्रियंका देवी, पति तारकेश्वर यादव ने बताया कि वह अपने पति के साथ वाहन खरीदने के लिए हेरहंज स्थित हीरो शोरूम गई थीं। इसी दौरान उनकी मुलाकात जाला शेरेगरा निवासी रामनिवास चौधरी से हुई।आवेदन के अनुसार, रामनिवास चौधरी ने स्वयं को राधा स्वामी संगठन से जुड़ा बताते हुए किसी भी वाहन को 40 प्रतिशत छूट पर उपलब्ध कराने का भरोसा दिया। पीड़िता के अनुसार आरोपी के झांसे में आकर उन्होंने नकद एवं फोन के माध्यम से कुल 75 हजार का भुगतान किया। आरोप है कि आरोपी ने यह भी कहा था कि पूरी प्रक्रिया का एग्रीमेंट कराया गया है तथा शेष राशि किस्तों के माध्यम से जमा की जाएगी।पीड़िता का कहना है कि भुगतान किए जाने के करीब चार माह बीत जाने के बाद भी न तो वाहन उपलब्ध कराया गया और न ही किसी प्रकार की किस्त अथवा राशि वापस की गई। इसके बाद उन्हें अपने साथ ठगी होने का एहसास हुआ।पीड़िता ने अपने आवेदन में यह भी आरोप लगाया है कि रामनिवास चौधरी द्वारा राधा स्वामी संगठन के नाम पर लातेहार जिले के विभिन्न गांवों के कई लोगों को भी बहला-फुसलाकर रकम लेने की बात सामने आ रही है। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है। पुलिस मामले की जांच के दौरान इस पहलू की भी पड़ताल कर सकती है।मामले को लेकर पीड़िता ने बालूमाथ थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराते हुए न्याय की गुहार लगाई है। वहीं पुलिस आवेदन के आधार पर मामले की जांच में जुट गई है।

नेतरहाट: प्रकृति की गोद में बसा झारखंड का स्वर्ग, जहां सूर्योदय और सूर्यास्त का अद्भुत संगम

रफ्तार मीडिया, प्रमेश पांडे लातेहार
लातेहार झारखंड के लातेहार जिले में समुद्र तल से लगभग 1,128 मीटर (करीब 3,700 फीट) की ऊंचाई पर स्थित नेतरहाट अपनी प्राकृतिक सुंदरता, हरी-भरी वादियों, घने जंगलों और मनमोहक मौसम के लिए देशभर में प्रसिद्ध है। "छोटानागपुर की रानी" के नाम से विख्यात नेतरहाट हर वर्ष हजारों पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करता है।नेतरहाट की पहचान यहां के मनोहारी सूर्योदय और सूर्यास्त से है। सुबह की पहली किरण जब पहाड़ों और वादियों को सुनहरी आभा से भर देती है, तो यह दृश्य किसी स्वर्ग से कम नहीं लगता। वहीं मैग्नोलिया प्वाइंट से दिखाई देने वाला सूर्यास्त पर्यटकों के लिए यादगार अनुभव बन जाता है। यही वजह है कि दूर-दूर से आने वाले सैलानी इन खूबसूरत दृश्यों को अपने कैमरे में कैद करने के लिए यहां पहुंचते हैं।गर्मियों के मौसम में जब मैदानी क्षेत्रों में भीषण गर्मी पड़ती है, तब नेतरहाट का सुहावना मौसम लोगों को राहत प्रदान करता है। यही कारण है कि गर्मी की छुट्टियों के दौरान यहां पर्यटकों की भारी भीड़ उमड़ती है। इसके अलावा नववर्ष के अवसर पर भी नेतरहाट पर्यटकों से गुलजार रहता है। झारखंड सहित बिहार, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़ और अन्य राज्यों से बड़ी संख्या में लोग यहां पहुंचकर प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लेते हैं।नेतरहाट में स्थित मैग्नोलिया प्वाइंट, कोयल व्यू प्वाइंट, अपर घाघरी जलप्रपात, लोअर घाघरी जलप्रपात तथा प्रसिद्ध नेतरहाट आवासीय विद्यालय यहां के प्रमुख आकर्षण केंद्र हैं। इन स्थलों की प्राकृतिक छटा पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देती है।प्रकृति प्रेमियों, फोटोग्राफरों और शांति की तलाश में आने वाले लोगों के लिए नेतरहाट किसी जन्नत से कम नहीं है। प्राकृतिक संपदा और जैव विविधता से भरपूर यह क्षेत्र झारखंड पर्यटन की पहचान बन चुका है। अपनी अद्भुत खूबसूरती और शांत वातावरण के कारण नेतरहाट आज भी पर्यटकों के दिलों में विशेष स्थान बनाए हुए है।

ब्राह्मणडीहा ओवरब्रिज के नीचे विवाद, पुलिस की मौजूदगी में शांत हुआ मामला

जितेंद्र कुमार दास/तोपचांची
तोपचांची: प्रखंड के ब्राह्मणडीहा पंचायत अंतर्गत कोटाल अड्डा स्थित ब्राह्मणडीहा ओवरब्रिज के नीचे रविवार को गाड़ी पार करने को लेकर दो गुटों के बीच विवाद हो गया। देखते ही देखते दोनों पक्षों के लोग आमने-सामने आ गए, जिससे कुछ देर के लिए क्षेत्र में तनावपूर्ण स्थिति उत्पन्न हो गई।

घटना की सूचना मिलते ही तोपचांची थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों को समझाकर मामला शांत कराया। पुलिस की तत्परता से स्थिति नियंत्रण में रही और किसी बड़ी घटना से बचाव हो सका।

इस संबंध में पंचायत के मुखिया विवेक पासवान ने लोगों से शांति और सौहार्द बनाए रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि ब्राह्मणडीहा पंचायत में सभी समुदाय के लोग वर्षों से भाईचारे के साथ रहते आए हैं और छोटी-छोटी बातों को लेकर विवाद नहीं होना चाहिए।

मुखिया ने सड़क किनारे ठेला और सब्जी लगाने वाले दुकानदारों से भी यातायात व्यवस्था का ध्यान रखने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि सड़क पर अतिक्रमण और ओवरब्रिज के नीचे वाहनों की पार्किंग से आवागमन प्रभावित होता है, जिससे दुर्घटना की संभावना बढ़ जाती है।

पुलिस ने बताया कि दोनों पक्षों को सोमवार को थाना बुलाया गया है, जहां बातचीत के माध्यम से समझौता कराने का प्रयास किया जाएगा ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

सतसाल गांव के पास सड़क हादसा, अज्ञात वाहन की चपेट में आने से दो बाइक सवार घायल

स्थानीय लोगों की मदद से दोनों घायलों को सदर अस्पताल में कराया गया भर्ती

रफ्तार मीडिया / संवाददाता जामताड़ा ।
जामताड़ा थाना क्षेत्र के सतसाल गांव के समीप शनिवार को एक भीषण सड़क हादसा हो गया। अज्ञात वाहन की चपेट में आने से बाइक पर सवार दो व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दोनों युवक बाइक से अपने गंतव्य की ओर जा रहे थे। इसी दौरान सतसाल गांव के पास एक अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक सवार सड़क पर गिर पड़े और गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे में दोनों के पैर और माथे में चोटें आई हैं। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और घायलों की मदद की। स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए दोनों घायलों को इलाज के लिए जामताड़ा सदर अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों द्वारा उनका उपचार किया जा रहा है। घटना के बाद अज्ञात वाहन चालक मौके से फरार हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस मामले की जानकारी जुटाने में लगी हुई है। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर वाहन की पहचान करने का प्रयास कर रही है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से सड़क सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने तथा दुर्घटना के लिए जिम्मेदार वाहन चालक की जल्द पहचान कर कार्रवाई करने की मांग की है। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच जारी है।

उपायुक्त आलोक कुमार के निर्देश पर नगर पंचायत ने जामताड़ा थाना में अज्ञात के खिलाफ दर्ज हुआ प्राथमिकी

दीनबंधु राउत / रफ्तार मीडिया संवाददाता जामताड़ा :
जामताड़ा नगर पंचायत क्षेत्र में फुटपाथ पर दुकान लगाने वाले सब्जी विक्रेताओं और अन्य छोटे कारोबारियों से कथित अवैध एवं नियम विरुद्ध वसूली के मामले में प्रशासन ने कार्रवाई शुरू कर दी है। शिकायत की जांच के बाद जामताड़ा थाना में अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है।जानकारी के अनुसार, नगर पंचायत जामताड़ा क्षेत्र के बस पड़ाव, गुदड़ी हटिया, रास हटिया तथा गांधी चौक के आसपास फुटपाथ पर दुकान लगाने वाले दुकानदारों से अवैध रूप से पैसे वसूलने की शिकायत बीते 1 जून को उपायुक्त आलोक कुमार को दी गई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि कुछ लोग नियमों के विपरीत दुकानदारों से जबरन वसूली कर रहे हैं, जिससे छोटे व्यापारियों को आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए उपायुक्त ने नगर पंचायत जामताड़ा की कार्यपालक पदाधिकारी सोमा खंडैत को मामले की जांच कर

आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। निर्देश के बाद कार्यपालक पदाधिकारी ने विभिन्न स्थलों की जांच की और प्राप्त तथ्यों के आधार पर जामताड़ा थाना में प्राथमिकी दर्ज करने के लिए आवेदन सौंपा। कार्यपालक पदाधिकारी के आवेदन पर पुलिस ने अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

इस संबंध में जामताड़ा थाना प्रभारी इंस्पेक्टर मनोज कुमार महतो ने बताया कि मामले में कांड संख्या 76/26 दर्ज किया गया है। उन्होंने कहा कि पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है और जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।प्रशासन की इस कार्रवाई से फुटपाथ दुकानदारों में राहत की उम्मीद जगी है। स्थानीय लोगों का मानना है कि दोषियों की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई होने से अवैध वसूली पर रोक लगेगी और छोटे कारोबारियों को सुरक्षित एवं निष्पक्ष वातावरण में व्यवसाय करने का अवसर मिलेगा।

पीआरजीआई/आरएनआई पंजीयन संख्या RNI NO. JHHIN/26/3481 स्वतत्वाधिकारी,संपादक एवं प्रकाशक गौरव कुमार, कार्यकारी संपादक अरविंद कुमार, उत्तम निवास, हरमू हाउसिंग कॉलोनी, अरगोड़ा थाना के पास, हरमू, रांची, झारखंड 834002 से प्रकाशित, एसएच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड, रातू काठीटांड़ नियर टेंडर बगीचा एचपी पेट्रोल पंप, पीओ रातू, रांची 835222 से मुद्रित, फोन नंबर 6203592707,ईमेल -raftaarhr@gmail.com(पीआरबी अधिनियम के तहत समाचारों के चयन के लिए जिम्मेवार) समस्त विवादों का क्षेत्राधिकार रांची न्यायलय रहेगा।